Daily
लोकसभा चुनाव - 2024
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 02 June 2024 ● Year : 02 ● Issue : 134 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	73,961.31
निफ्टी	:	22,530.70

SARAFA

सोना	:	6,810
चांदी	:	98.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मिट्टी खोदाई के दौरान हादसा, दो की मौत

RANCHI : रांची के बेड़ो इलाके में मिट्टी खोदाई के दौरान हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। मिली जानकारी के अनुसार इलाके में व्हाइट मिट्टी की कटाई चल रही थी इसी दौरान जमीन धंस गई जिसमें कई लोग दब गए। मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा ही तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया इसमें दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया लेकिन दो लोगों की मौत हो गई। रांची के बेड़ो थाना क्षेत्र के बोदो गांव में मिट्टी खुदाई का कार्य पिछले दो दिनों से चल रहा था। जिसमें ग्रामीण बड़ी संख्या में खुदाई के कार्य में लगे हुए थे, खुदाई के दौरान ही अचानक मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा धंस गया।

फ्लाइट में बम होने का शक मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग

MUMBAI : चेन्नई से मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में शनिवार को बम होने का शक हुआ। इसके बाद मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी डिक्लेयर करके लैंडिंग कराई गई। इसमें 172 पैसेंजर्स थे। फिलहाल, फ्लाइट में तलाशी ली जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लाइट नंबर 6ई-5314 आज सुबह करीब 6.50 बजे चेन्नई से रवाना हुई थी। मुंबई जाने के दौरान इसमें एक लावारिस रिमोट मिला। इसके बाद पायलट ने मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की इजाजत मांगी। मुंबई एयरपोर्ट पर सुबह 8.45 बजे फ्लाइट की लैंडिंग हुई।

लोकसभा चुनाव 2024 : 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर डाले गए वोट

सातवें फेज में 58 प्रतिशत हुई वोटिंग

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और अंतिम फेज की वोटिंग पूरी हो गई। 1 जून को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के वोटर टर्नआउट एप के मुताबिक शाम 5 बजे तक 58.34% वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा 69.89% वोटिंग पश्चिम बंगाल में और सबसे कम 48.86% वोटिंग बिहार में हुई है। इसके अलावा ओडिशा में विधानसभा चुनाव के लिए 62.46% वोटिंग हुई। 4 राज्यों की 9 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव के लिए मतदान हुआ। बलिया में वोट देने पहुंचे एक बुजुर्ग की पोलिंग बूथ पर मौत हो गई। डॉक्टरों का कहना है कि बुजुर्ग की मौत गर्मी की वजह से हुई। सातवें चरण में भी पश्चिम बंगाल से हिंसा की खबरें आई हैं। पश्चिम बंगाल के भांगर में सीपीआई (एम) और आईएसएफ के कार्यकर्ताओं ने टीएमसी समर्थकों पर बम से हमले का आरोप लगाया है। वहीं राज्य के मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने ट्वीट करके बताया कि जयनगर के बेनीमाधवपुर स्कूल के पास सेक्टर ऑफिसर से भीड़ ने रिजर्व ईवीएम और कागजात लूट लिए। 1 सीयू, 1 इव और 2 वीवीपीएटी मशीनों को तालाब में फेंक दिया गया। बता दें कि 542 लोकसभा सीटों के लिए छठे फेज तक 485 सीटों पर मतदान हुआ था। 1 जून को आखिरी 57 सीटों पर वोटिंग हुई।

चुनाव आयोग के वोटर टर्नआउट के मुताबिक आंकड़े

पश्चिम बंगाल	हिमाचल प्रदेश	चंदीगढ़	बिहार
69.89 प्रतिशत वोटिंग	66.56 प्रतिशत वोटिंग	62.80 प्रतिशत वोटिंग	48.86 प्रतिशत वोटिंग

मतदान करने का निशान दिखाते वोटर।

पश्चिम बंगाल में बमबाजी व लाठीचार्ज, तृणमूल समर्थक गिरफ्तार, बीजेपी ने रास्ते को किया जाम

पश्चिम बंगाल में सातवें व आखिरी चरण के मतदान के दिन भी बशीरहाट लोकसभा केंद्र के संदेशखाली में जमकर हिंसा हुई। कथित तौर पर वहां भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच बार-बार झड़प हुई। झड़प में तृणमूल की क्षेत्रीय अध्यक्ष समेत दो लोग घायल हो गये हैं। वहीं एक बीजेपी कार्यकर्ता भी घायल हो गया है। संदेशखाली के बयारमारी में तनाव बढ़ता जा रहा है। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। बीजेपी ने तृणमूल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और रास्ता अवरोध किया। कथित तौर पर संदेशखाली के बयारमारी में झड़प के कारण तृणमूल के दो लोग घायल हो गये। इनमें तृणमूल कांग्रेस की क्षेत्रीय अध्यक्ष नलिनी खाटुआ भी शामिल हैं। झड़प में कथित तौर पर एक बीजेपी कार्यकर्ता घायल हो गया है। उसका नाम किंकर जाना है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार कुछ लोग बूथ के सामने जमा होकर तृणमूल कार्यकताओं पर तंज कस रहे थे। तृणमूल ने बीजेपी पर आरोप लगाया है। बीजेपी ने शिकायत करते हुए कहा कि तृणमूल कार्यकताओं ने भी आपत्तिजनक बयान दे रहे थे। इसके कारण बहस व झगड़ा शुरू हुआ। घायलों का इलाज हाटगाछी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। संदेशखाली के तृणमूल विधायक सुकुमार महतो ने घायल तृणमूल के लोगों को अस्पताल में देखने गये। इधर, घटना को लेकर बयारमारी में ग्रामीणों का एक समूह पुलिस के साथ उलझ गये।

झारखंड में तीन सीटों पर वोटरों ने डाले मत

दुमका लोस सीट	गोड्डा लोस सीट	राजमहल लोस सीट
69.89 प्रतिशत वोटिंग	67.24 प्रतिशत वोटिंग	66.98 प्रतिशत वोटिंग

दुमका, गोड्डा और राजमहल सीट पर 67.95 प्रतिशत हुआ मतदान

RANCHI : रिमझिम बारिश और दोपहर में कड़ी धूप के बावजूद संताल परगना के मतदाताओं ने जमकर वोटिंग की। शाम पांच बजे तक के चुनाव आयोग के आंकड़े के मुताबिक संताल परगना की तीनों सीटों पर 67.95 प्रतिशत वोटिंग हुई। हालांकि अभी इसमें कुछ प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। सबसे अधिक वोट दुमका लोकसभा क्षेत्र में पड़ा है। यहां 69.89 प्रतिशत वोटरों ने वोट किया है। गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में 67.24 प्रतिशत और राजमहल लोकसभा क्षेत्र में 66.98 प्रतिशत वोट पड़े हैं। पिछली बार की तुलना में इस बार वोटिंग प्रतिशत में कमी आयी है। 2019 के मतदान के आंकड़े को देखें तो गोड्डा में 69.57 प्रतिशत, दुमका में 73.43 और राजमहल में 72.05 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर झारखंड के संताल परगना की तीनों लोकसभा क्षेत्रों में छिटपुट घटनाओं, झड़प को छोड़ शांतिपूर्ण रूप से मतदान संपन्न हो गया। गोड्डा के पोड़ैयाहाट, मेहरमा, महागामा इलाके में भाजपा-कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प हुई। पोड़ैयाहाट में मारपीट मामले में एफआइआर भी दर्ज कराया गया है।

कई जगहों पर वोट बहिष्कार, प्रशासन ने समझा-बुझाकर कराया मतदान

संताल परगना में कई जगहों पर वोट बहिष्कार का ऐलान ग्रामीण इलाकों में किया गया था, लेकिन सभी जगहों पर जिला प्रशासन ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मनाया और मतदान के लिए राजी किया। उसके बाद सभी जगहों पर लोगों ने मतदान किया। पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र में चार जगहों पर और महेशपुर प्रखंड क्षेत्र में तीन जगहों पर मतदान बहिष्कार की सूचना सामने आयी। लिट्टीपाड़ा प्रखंड में बूथ संख्या-40 के कारीपहाड़ी गांव, बूथ संख्या-43 में गांडूपड़ता गांव, मुर्गाबनी गांव के बूथ संख्या-21 और मालीपाड़ा गांव के बूथ संख्या-18 पर ग्रामीणों ने सड़क और पानी की समस्या को लेकर वोट का बहिष्कार किया था। देवीपुर में बूथ नंबर 31 और 32 और मोहनपुर प्रखंड क्षेत्र के बोकना नवाकुरा गांव बूथ संख्या 413 में ग्रामीणों ने वोट का बहिष्कार किया था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी समस्याओं को सुना और समाधान का भरोसा देकर वोटिंग चालू करवाया। झारखंड की तीन लोकसभा सीटों दुमका, राजमहल और गोड्डा पर मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह दिखा।

दबोचे गए बिश्नोई गिरोह के चार लोग

बॉलीवुड स्टार सलमान की कार पर हमले का था प्लान

AGENCY MUMBAI : शनिवार को बॉलीवुड एक्टर सलमान खान पर एक बार फिर से हमला करने की कोशिश को मुंबई पुलिस ने नाकाम कर दिया है। नवी मुंबई पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जो पनवेल में सलमान की कार पर अटैक करने की प्लानिंग कर रहे थे। आरोपियों की पहचान धनंजय उर्फ अजय कश्यप, गौरव भाटिया उर्फ न्हाई, वासपी खान उर्फ वसीम चिकना और जीशान खान उर्फ जावेद खान के तौर पर हुई है। चारों के खिलाफ आईपीसी की धारा 115, 120 (बी), 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई, अनमोल बिश्नोई, गोल्डी बराड़ समेत कुल 18 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। शनिवार दोपहर पुलिस ने इस मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए नई जानकारी दी। पनवेल जोन 2 के डीसीपी विवेक पनसारे ने कहा- सलमान खान की हत्या की प्लानिंग को लेकर हमे कुछ इन्फॉर्मेशन मिली था।

खास बातें

- 12 आरोपियों की तलाश जारी
- नाबालिग से अटैक करवा कर श्रीलंका में छुपने की बनाई थी योजना
- जिगाना पिस्टल से अटैक करने का था प्लान
- वीडियो कॉल कर पाकिस्तान से ऑर्डर की थी एके-47

बाराती बन पहुंची प्रशासन की टीम, गाड़ी पर लगे थे विवाह के पोस्टर

बालू माफिया के खिलाफ कड़ा एक्शन, 16 हाइवा एक जेसीबी, 240000 क्यूबिक फीट बालू जब्त

PHOTON NEWS SARAIKELA : अवैध बालू खनन के खिलाफ सरायकेला-खरसावां जिले में बड़ी कार्रवाई हुई है। इस कार्रवाई से बालू का अवैध खनन करनेवाले माफिया सकते में आ गए हैं। दरअसल, उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि जिले में नदी घाटों से अवैध रूप से बालू का उठाव हो रहा है। सरकारी सिस्टम में बैठे कुछ लोगों की मिली भगत के कारण माफिया हर बार बच निकल रहे हैं। इसके बाद ऐसी योजना तैयार करने की सोची गई, जिससे खनन माफिया को भनक नहीं लगे।

तीन अलग-अलग गाड़ियों में निकला छापामारी दल : उपायुक्त रविशंकर शुक्ला के निर्देश पर प्रशासन की टीम जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर शतपथी के नेतृत्व में तीन अलग-अलग गाड़ियों में सवार होकर छापेमारी करने के लिए निकली। अवैध धंधे में शामिल लोगों को कोई शक न हो इसके लिए वाहनों पर विवाह के पोस्टर भी लगाए गए थे। इसके अलावा दो सरकारी गाड़ियों को अलग-अलग चौराहों पर खड़ा कर दिया गया।

- खनन माफिया के गुप्तचरों को तीन छापेमारी दल की नहीं लग सकी भनक

छापेमारी से बचने के लिए चौक-चौराहे पर गुप्तचर बैठाकर रखते हैं माफिया

छापेमारी से बचने के लिए माफिया अक्सर नदी घाट जाने वाले रास्ते में पडने वाले सभी चौक-चौराहों पर अपने गुप्तचर बैठाकर रखते थे। इसके पहले दो बार खनन विभाग की तरफ से छापेमारी का प्रयास किया गया लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही खनन कार्य में लगे लोगों को इसकी जानकारी हो जाती थी और वह मौके से फरार हो जाते थे।

अवैध बालू खनन की सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। खनन विभाग की टीम मामले को देख रही है।
रवि शंकर शुक्ला, उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां।

ईचागढ़ के बीरडीह में डोमरा नदी घाट पर की गई कार्रवाई

इसके बाद पूरी टीम ईचागढ़ प्रखंड के बीरडीह में डोमरा नदी घाट पर पहुंची। इस दौरान छापेमारी कर अवैध बालू खनन और परिवहन में लगे कुल 16 हाइवा और एक जेसीबी को जब्त कर लिया गया। इस कार्रवाई में 2,40,000 सीएफटी (क्यूबिक फीट) बालू बरामद किया गया है। यह करवाई झारखंड लघु खनिज समनुदान अधिनियम 2004 के नियम 54 तथा द झारखंड मिनिरल(प्रिवेंशन इलीगल माइनिंग ट्रांसपोर्टेशन एंड स्टोरेज) रूल 2017 के अंतर्गत की गई है। जब्त किए गए सभी वाहन और खनिज को ईचागढ़ थाना प्रभारी को सौंप दिया है।

10 एग्जिट पोल में एनडीए 350 पार, 'इंडिया' अलाएंस को मिल रहीं 125-161 सीटें

एग्जिट पोल 2024
कुल सीटें- 542 बहुमत- 272

एजेंसी	NDA बीजेपी+	INDIA कांग्रेस+	अन्य
SAAM- जन की बात	362-392	141-161	10-20
इंडिया न्यूज- पोलस्ट्रैट	371	125	47
रिपब्लिक भारत- मैट्रिज	353-368	118-133	43-48
रिपब्लिक टीवी- P MARQ	359	154	30
इंडिया न्यूज- डी डायनामिक्स	371	125	47
न्यूज नेशन	342-378	153-169	21-23
इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया	00	00	00
एबीपी- सी वोटर्स	00	00	00
न्यूज 24- टुडेज-चाणक्य	00	00	00
दैनिक भास्कर*	281-350	145-201	33- 49
पोल ऑफ पोल्स	**359**	**145**	**37**

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को लोकसभा चुनाव के सातों फेज की वोटिंग खत्म हो गई, नतीजे 4 जून को आएंगे। लेकिन उससे पहले तमाम न्यूज चैनलों और एजेंसियों के एग्जिट पोल। 10 एग्जिट पोल में एनडीए को 350 से ज्यादा तो 'इंडिया' को 125 से 161 सीटें मिलने का अनुमान है। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया के पोल में तमिलनाडु में 'इंडिया' को 33-37 सीटें, भाजपा को 2-4 सीटें मिलने के आसार हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा को एकतरफा बढ़त मिलती दिख रही है। एमपी की 29 सीटों में से भाजपा को 28 से 29 और वहीं राजस्थान में भी 23 से 25 सीटें मिलने का अनुमान है।

एग्जिट पोल बहस में शामिल होंगे 'इंडिया' गठबंधन के नेता : लोकसभा चुनाव 2024 के 7वें और आखिरी चरण के मतदान से पहले 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक हुई। बैठक के बाद खरगे ने कहा, हमारी कम से कम 295 सीट आएंगी। खरगे ने यह भी कहा कि गठबंधन के नेता एग्जिट पोल के बहस में शामिल होंगे। इससे पहले फैसला लिया गया था, गठबंधन के कोई भी नेता बहस में शामिल नहीं होंगे। लोकसभा चुनाव 2019 में मोदी लहर में सवार एनडीए की प्रचंड जीत हुई थी। एनडीए ने कुल 353 सीटें जीती थी। जिसमें बीजेपी ने 543 सीटों में अकेले 303 सीटों पर कब्जा किया था।

मिशन 2024 एग्जिट पोल आने के पहले अलाएंस के वरिष्ठ नेताओं ने मीटिंग कर बनाई आगे की रणनीति

'इंडिया' गठबंधन ने किया 295 सीटें जीतने का दावा

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल से एक घंटे पहले कांग्रेस ने 'इंडिया' को कम से कम 295 सीटें मिलने का दावा किया। यह ऐलान गठबंधन की बैठक के बाद किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 1 जून को कहा कि 'इंडिया' की बैठक ढाई घंटे से ज्यादा चली। उन्होंने बताया कि हमने चुनाव के दौरान हुई कमजोरियों और ताकत पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'इंडिया' गठबंधन की 295 और उससे ज्यादा सीटें आएंगी। इससे कम तो नहीं आएंगी, ये हमने आकलन किया है। हमारे सभी नेताओं से पूछने के बाद यह आंकड़ा मिला है और इस आंकड़े में कोई बदलाव नहीं है। खड़गे ने मीडिया से कहा, 'हम यूनाइटेड हैं, आप हमें डिवाइड क्यों कर रहे हैं। हम सभी लोग एक साथ हैं। हम एक हैं, एक रहेंगे, हमें डिवाइड करने की कोशिश नहीं करें। हमने निर्णय लिया है कि हम लोग एग्जिट पोल डिबेट में चर्चा करेंगे।' 'इंडिया' की बैठक में 23 नेता शामिल हुए। ममता बनर्जी शामिल नहीं हुईं। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'इंडिया गठबंधन को 295+ सीट मिल रही हैं। बीजेपी 220 सीटों पर सिमट जाएगी। एनडीए गठबंधन को 235 के करीब सीट मिल रही हैं। इंडिया' सरकार बनाएगी।'

'इंडिया' गठबंधन की 295 और उससे ज्यादा सीटें आएंगी। इससे कम तो नहीं आएंगी, ये हमने आकलन किया है। हमारे सभी नेताओं से पूछने के बाद यह आंकड़ा मिला है और इस आंकड़े में कोई बदलाव नहीं है।
मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस।

इन लोकसभा चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन झारखंड की 14 सीटों समेत देश में 295+ सीटें जीतने जा रहा है। सभी उम्मीदवार व कार्यकर्ता 4 जून को मतगणना खत्म होने तक, पूरी तरह से सजग, सतर्क, सचेत एवं सावधान रहें।
चम्पाई सोरेन, सीएम, झारखंड।

पूरी हुई पीएम की 45 घंटे की ध्यान साधना

KANNIYAKUMARI : 30 मई को चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 45 घंटे की ध्यान साधना के लिए कन्याकुमारी निकल गए थे। 1 जून यानी शनिवार को उनकी ध्यान साधना पूरी हो गई। साथ ही सातवें अंतिम चरण की वोटिंग की प्रक्रिया भी खत्म हो गई। मोदी ने एक खास मकसद से यह ध्यान से साधना शुरू की और उसका मकसद भी पूरा हो गया। पीएम ने कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे की ध्यान साधना की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के सामने ध्यान लगाया।

पुस्तक समीक्षा

समीक्षक : डॉ. जूही समर्पिता
प्राचार्या, डी.बी.एन.एस.कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जमशेदपुर सह कथाकार

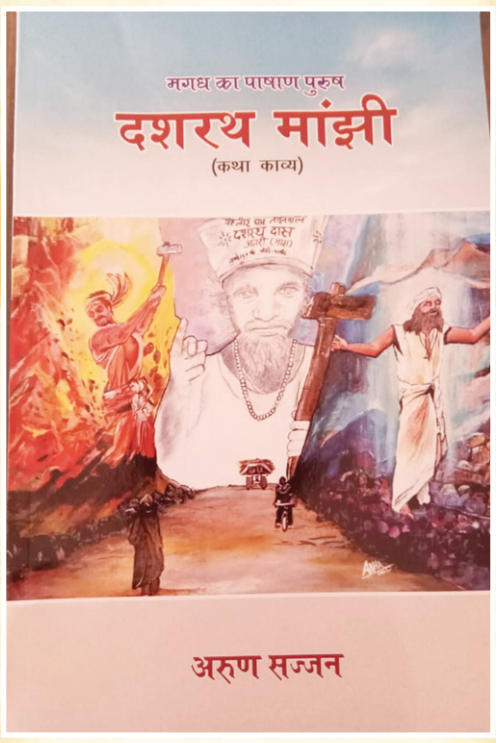

मगध का पाषाण पुरुष : दशरथ मांझी

राष्ट्रीय और सामाजिक कल्याण के लिए चार तरह के ऋणों से उऋण होना हर 'सज्जन' पुरुष के लिए आवश्यक माना गया है। यह हर व्यक्ति की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने जीवन काल में ही मातृ-पितृ ऋण चुका दे, जो आसान नहीं होता। मातृभूमि का ऋण चुकाना हर आदर्श नागरिक का कर्त्तव्य होना चाहिए। अपने देश के प्रति वफादार हर नागरिक को मातृभूमि के संरक्षण और सतत विकास से चुकाना अति आवश्यक कहा गया है।

डॉ. सज्जन ने कथा काव्य दशरथ मांझी लिख कर सभी ऋणों से मुक्त होने की कोशिश की है और सफल भी हुए हैं।

दशरथ मांझी के गांव गहलौर के ही पास के गांव पूरा में सज्जनजी का जन्म, लालन-पालन और शिक्षा-दीक्षा हुई। यह उनका सौभाग्य रहा है कि बुद्ध और अशोक की इस धरती पर उन्हें दशरथ मांझी जैसे प्रेरक व्यक्तित्व को अपनी आंखों से देखा और अच्छी तरह जानने का अवसर मिला। दशरथ मांझी के पास छेनी और हथौड़ी थे, जिससे उन्होंने नयी राह बनाई। डॉ. सज्जन के पास उनकी लेखनी थी, जिसके सहारे उन्होंने उस दुर्गम राह को काव्यमयी रसधारा से जोड़कर जनमानस तक पहुंचाया और साहित्य जगत में विशिष्ट पहचान बनायी। धन्य है मगध की भूमि जिसने ऐसे सपूतों को जन्म दिया, जिन्होंने स्व का बलिदान कर मातृभूमि के ऋण को चुकाया और इस चंदन-वंदन की भूमि को अमरता प्रदान की। तुलसीदास ने सही लिखा है ' कहत कठिन, समुझत कठिन, साधत कठिन विवेक...

'कठिन साधना का संकल्प प्रिय
वह जन्म अलग कुछ लेता है
धूप ताप में तपता तन मन
जग शूर सूरमा देता है। '

(पुस्तक से)

दशरथ मांझी कथा काव्य डॉ. सज्जन की 24वीं कृति है। इसका मुख्य पृष्ठ यानी कवर उनकी सुपुत्री आभा ने बनाया है, जो सर्व-धर्म समभाव का संदेश देता है। यह मातृभूमि हम सभी संकल्पित, दृढ़ प्रतिज्ञ, भारतवासियों की है। प्रेरणादायक दशरथ मांझी के जीवन से पाठकों को देशभक्ति के प्रणम्य नायक का परिचय प्राप्त होता है। समाज के लिए उन्नत मानदंड रखने वाले पाषाण पुरुष को पुनः शत-शत नमन!

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

उत्तर-पूर्वी भारत का प्रवेशद्वार : गुवाहाटी

घुमक्कड़ की पाती बुद्ध का निर्वाण स्थल गुवाहाटी की सबसे प्रमुख जगहों में आती है। हम सब गुवाहाटी पहुंचकर सबसे पहले इसी जगह पर गए। आप भी अपनी गुवाहाटी ट्रिप के दौरान कुछ अलग और हटकर देखना चाहते हैं, तो हाजो एक बेहतरीन जगह है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं की शानदार पहाड़ियों के बीच स्थित गुवाहाटी जाना मेरे लिए एक सपने की तरह था। बहुत पहले से सोच रखा था कि इस खूबसूरत पर्यटन स्थल पर एक न एक दिन जाना है। लेकिन मेरा यह सपना पिछले साल पूरा हुआ तो यात्रा के कुछ अलहदा अनुभवों से होकर गुजरना पड़ा। गुवाहाटी पहुंचने के बाद पता चला कि यह वह जगह है जिसे उत्तर-पूर्वी भारत का प्रवेशद्वार कहा जाता है। इसी जगह से होकर ही लोग नॉर्थ-ईस्ट की अन्य जगहों पर जाते हैं। इस जगह पर घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो ये किसी जन्नत की तरह है। इस जगह पर आकर आप प्राकृतिक खूबसूरती का मजा लेने के साथ साथ साहसिक गतिविधियों का भी हिस्सा बन सकते हैं। इस जगह पर साहसिक पर्यटन से जुड़ी कई इकाईयां हैं जो पर्यटकों की यात्रा को रोमांचक बनाने में लगी हैं। यदि गुवाहाटी जाने का विचार बना रहे हैं तो बुद्ध का निर्वाण स्थल गुवाहाटी, कामाख्या मंदिर, उमानंद मंदिर और असम राज्य संग्रहालय घूमना बिलकुल भी नहीं भूलें।

बुद्ध का निर्वाण स्थल

बुद्ध का निर्वाण स्थल गुवाहाटी की सबसे प्रमुख जगहों में आती है। हम सब गुवाहाटी पहुंचकर सबसे पहले इसी जगह पर गए। आप भी अपनी गुवाहाटी ट्रिप के दौरान कुछ अलग और हटकर देखना चाहते हैं, तो हाजो एक बेहतरीन जगह है। ब्रह्मपुत्र के तट पर स्थित यह प्राचीन तीर्थस्थल गुवाहाटी से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस जगह पर धार्मिक रुचि रखने वाले पर्यटकों की आवाजाही ज्यादा रहती है। इस जगह पर हिन्दू और बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की भीड़ रहती है। ऐसी मान्यता है कि बुद्ध ने इसी स्थल पर निर्वाण प्राप्त किया था। हमें लगा कि सबसे पहले इस जगह पर जाना चाहिए और अगली सुबह कामाख्या मंदिर का दर्शन करना चाहिए। यह बात सभी को अच्छी लगी और हम सब बुद्ध के निर्वाण स्थल की तरफ निकल गए। वास्तव में यह एक बहुत ही खूबसूरत जगह है।

शक्तिपीठ कामाख्या

अगले दिन हम देवी शक्ति के सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में शुमार कामाख्या मंदिर दर्शन के लिए गए। यह एक लोकप्रिय स्थल होने के साथ साथ प्राचीन काल से सतयुगीन तीर्थ का दर्जा रखता है। 51 शक्तिपीठों में शामिल यह मंदिर बहुत ही चमत्कारी मंदिर माना जाता है। एक तरह से देखा जाए तो यह वर्तमान में तंत्र सिद्धि का सर्वोच्च स्थल है। इस जगह पर आपको अघोरियों और तांत्रिकों का पूरा कुनबा दिखाई देगा। देवी के इस मंदिर में कोई मूर्ति या चित्र दिखाई नहीं देता है, बल्कि यहां एक कुंड बना हुआ है, जो हमेशा फूलों से ढंका रहता है, उसी को देखने के लिए पर्यटक दूर-दूर से आते हैं।

मयूर द्वीप

इसी दौरान एक दोस्त ने हमें उमानंद मंदिर जाने की सलाह दी। ब्रह्मपुत्र नदी के बीच एक बहुत ही खूबसूरत द्वीप है, जिसे लोग मयूर द्वीप के नाम से जानते हैं और इसी जगह पर स्थित है उमानंद मंदिर। हमें इस द्वीप पर बहुत ही मजा आया और हमने आस्था के साथ साथ यात्रा के रोमांच को भी एंज्वॉय किया। भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर गुवाहाटी के सबसे लोकप्रिय मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण वर्षों पहले अहोम राजा गदाधर सिंह के शासन में हुआ था। इस जगह पर धर्म और आस्था में विश्वास रखने वाले लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इस जगह पर हर साल शिवरात्रि के दौरान भव्य मेले के आयोजन किया जाता है, जिसमें देश के हर हिस्से से लोग आते हैं। हमने भी भगवान शिव के दर्शन किए और सोचा कि अगली बार शिवरात्रि के मौके पर आया जाएगा।

असम संग्रहालय

वापसी में हम सब काफी थक चुके थे, लेकिन असम राज्य संग्रहालय घूमने के मोह से नहीं बच पाये। आपको बता दें कि संग्रहालय किसी भी जगह को जानने-समझने के लिहाज से बहुत ही महत्वपूर्ण माने जाते हैं। गुवाहाटी स्थित असम राज्य संग्रहालय का भी महत्व काफी ज्यादा है। इस जगह पर आकर आप असम के इतिहास, असम की संस्कृति और परंपरा के बारे में जान सकते हैं। इसकी स्थापना कामरूप अनुसंधान समिति ने वर्ष 1940 में किया था। वर्तमान में यह संग्रहालय स्पूर्वोत्तर के लोकप्रिय संग्रहालयों में से एक है। यह इतिहास में दिलचस्पी रखने वाले लोगों की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। हमने इस जगह पर घूमने के साथ साथ एक अच्छा वक्त बिताया और शाम ढलने से पहले होटल लौट आए।

तारामंडल और चिड़ियाघर

शाम को खाना खाने के पश्चात गुवाहाटी तारामंडल और चिड़ियाघर की बात छिड़ गई। गुवाहाटी तारामंडल खगोलीय शिक्षा और अनुसंधान का केंद्र होने के साथ ही यह असम और भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का एकमात्र तारामंडल है। वर्ष 1994 में निर्मित गुवाहाटी तारामंडल युवा और वैज्ञानिक रूप से इच्छुक दिमागों तक पहुंचने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और खूबसूरत प्रयास है। इस जगह पर आकर कोई भी आकाश देखने के साथ साथ सौर मंडल में घटित होने वाले चमत्कारों को देख सकता है। यह तारामंडल ब्रह्मांड प्रेमियों के लिए एक खूबसूरत गंतव्य है। इस जगह पर नियमित स्काई वॉचिंग सत्रों का आयोजन होता है। गुवाहाटी का चिड़ियाघर तो और भी खास है। चिड़ियाघर में लोग मनोरंजन और जानवरों को देखने के लिए जाते हैं। गुवाहाटी चिड़ियाघर इन सबसे थोड़ा अलग और हटकर है। इसे असम राज्य चिड़ियाघर सह वनस्पति उद्यान के रूप में भी जाना जाता है। इस जगह पर आकर आप जीव-जंतुओं के देखने के साथ तरह-तरह की वनस्पतियों को भी देख सकते हैं। गुवाहाटी चिड़ियाघर इस समय लगभग 900 से अधिक जानवरों, पक्षियों और सरीसृपों का घर है, जिसे देखने काफी संख्या में पर्यटक यहाँ आते हैं। यदि आप भी यहाँ आने की सोच रहे है, तो सितंबर और मार्च के बीच सर्दियों का मौसम अच्छा रहेगा।

श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र

रात को बातें भले ही गुवाहाटी तारामंडल और चिड़ियाघर देखने की हुई हों, लेकिन सुबह सबसे पहले श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र जाने का निर्णय लिया गया। श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र को असम का सांस्कृतिक संग्रहालय कहा जाता है। इस जगह पर लोग गुवाहाटी की सांस्कृतिक विरासत को खंगालने के लिए आते हैं। इस जगह पर यदि आप आते हैं तो असम की संस्कृति और जीवन को करीब से जान पायेंगे। इस संग्रहालय में भी बाकी सभी संग्रहालय की ही तरह राज्य के पारंपरिक लोकाचार के लिए विभिन्न सांस्कृतिक वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है। इसमें सांस्कृतिक संग्रहालय, पुस्तकालय और बच्चों के पार्क के अलावा सांस्कृतिक वस्तुओं के संरक्षण और प्रदर्शन के लिए विभिन्न सुविधाएं शामिल हैं। यह जगह हमें बहुत ही अच्छी लगी और हम सब एक बहुत ही खूबसूरत अनुभव लेकर लौटे और तय किया कि बार बार आएँगे।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'उस्ताद और शागिर्द'

दिलीप कुमार

व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की आज से लगभग 50 साल? पहले रचित अलग-अलग व्यंग्य लेखों से कुछ लाइनें चुन कर आपके समक्ष पेश हैं, जो? आज भी बेहद मौजूं हैं।

यदि परसाई जी के शब्दभेदी बाणों को आज के समय की नजीर में देखा जाए तो शायद ये दास्तान कुछ और दिलचस्प लगेगी। तो पेश है, उस दौर से इस दौर तक की कुछ हाजिर नाजिर व्यंग्य की सदाबहार रवायतें।

मुलाहजा फरमाएं ख़्वातीनो-हजरात जिसमें लाइनें व्यंग्य के उस्ताद परसाई साहब की हैं और नजीर व्यंग्य के शागिर्द इस व्यंग्यकार की।

● लडकों को अपना ईमानदार बाप निकम्मा लगता है।

नजीर- लड़के को बाप तभी तक निकम्मा नजर आता है, जब तक कि वह खुद बाप न बन जाए और उसे इस बात का इल्हाम न हो जाए कि उसके बाप ने उसे पाल-पोस कर इतने काम लायक तो बना ही दिया कि लड़का अपने बाप को निकम्मा कह सके।

● 'दिवस' कमजोर का ही मनाया जाता है, जैसे कि 'हिंदी दिवस', 'महिला दिवस', 'अध्यापक दिवस', 'मजदूर दिवस'। कभी 'थानेदार दिवस'नहीं मनाया जाता।

नजीर-

आम आदमी हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करता है कि जीवन के किसी भी दिवस में उसे थाने न जाना पड़े और अगर कभी जाना भी पड़े तो उसी दिवस में ही घर वापसी हो जाए। बड़े-बुजुर्ग फरमा गए हैं कि थाने में बिताई गई एक रात जेल में बिताई गई एक वर्ष की रातों से भी ज्यादा कष्टकारी होती है।

● व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

नजीर-

व्यस्तता एक मार्गी होती है। एक काम को करना कोई मुश्किल कार्य नहीं, जबकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है, उनसे जूझना आसान कार्य नहीं है।

● जिनकी हैसियत है वे एक से भी ज्यादा बाप रखते हैं। एक घर में, एक दफ्तर में, एक-दो बाजार में, एक-एक हर राजनीतिक दल में।

नजीर- पाकिस्तान इसका सटीक उदाहरण है, जो अमेरिका को काबू में रखने के लिए चीन से पैसा लेता है और चीन को काबू करने के लिए अमेरिका से पैसा लेता है। आतंकवाद फैलाने के लिए सऊदी अरब से काल्पनिक जेहाद के नाम पर पैसा लेता है, फिर पश्चिमी देशों से जेहाद का डर दिखाकर पैसा लेता है। वैसे तो ये देश भारत से ही पैदा हुआ है, पर भारत के अलावा इसने कर्जा देने वाले हर देश को बाप बना रखा है।

● आत्मविश्वास कई प्रकार का होता है, धन का, बल का, ज्ञान का। लेकिन मूर्खता का आत्मविश्वास सर्वोपरि होता है।

नजीर- हिंदी का लेखक इस मूर्खता में लिखता-छपता जाता है कि वह लिखकर मानवता पर कोई एहसान कर रहा, जबकि आमतौर समाज उसे अनुग्रह एवं दया की दृष्टि से देखता है

कि इसे लिख लेने दो नहीं तो ये मानसिक विक्षिप्त हो जाएगा।

● सबसे निरर्थक आंदोलन भ्रष्टाचार के विरोध का आंदोलन होता है। एक प्रकार का यह मनोरंजन है जो राजनीतिक पार्टी कभी-कभी खेल लेती है, जैसे क्रिकेट या कबड्डी के मैच।

नजीर-

यदि आप भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए बिना टिकट रेल में जा रहे हों तो यदि टीटी ने पकड़ लिया हो तो आप अपना मिशन बताएं। बिना टिकट के बाकी लोगों से अगर टीटी पांच सौ रुपये लेता है तो आपको ढाई सौ में ही राजधानी पहुंचा देगा। आखिर उसे भी तो भ्रष्टाचार का विरोध करना है, करप्शन में इसीलिए डिस्काउंट दे देता है।

● विचार जब लुप्त हो जाता है, या विचार प्रकट करने में बाधा होती है, या किसी के विरोध से भय लगने लगता है, तब तर्क का स्थान हुल्लड़ या गुंडागर्दी ले लेती है।

नजीर-

हिंदी के 75 पार के व्यंग्यकार दूसरों के परिवार से ली गई पुरस्कार राशि अपनी यारी दोस्ती पर उन लेखक- लेखिकाओं को दे देते हैं जो जीवन भर कविता या कहानी लिखते रहे हैं। इससे बड़ी वैचारिक दरिद्रता क्या होगी और इस पर तुर्रा ये कि हम तो निस्वार्थ व्यंग्य को ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। तो फिर व्यंग्य को रसातल में ले जाना क्या होता होगा? महज कल्पना करें।

● हम मानसिक रूप से दोगले नहीं तिगले हैं। संस्कारों से सामन्तवादी हैं, जीवन मूल्य अर्द्ध-पूंजीवादी हैं और बातें समाजवाद की करते हैं।

नजीर-

हिंदी के कुछ सम्पादक शराब की बोतल लाने पर टैक्स बचाने के लिए बनाए गए साहित्यिक ट्रस्ट की पत्रिका में शराब बंदी पर कविता छापता है और उसी शराब बंदी पर छपी कविता से मिले मानदेय से शराब बंदी के खिलाफ लिखने वाला देसी कवि अंग्रेजी शराब पीकर फिर शराब से हुई बबार्दी पर कविता लिखने की प्रेरणा लेता है।

● फासिस्ट संगठन की विशेषता होती है कि दिमाग सिर्फ नेता के पास होता है, बाकी सब कार्यकताओं के पास सिर्फ शरीर होता है।

नजीर - कई दल के लीडरान जल, जंगल, जमीन की बात करते हैं ये मूलमंत्र सिर्फ कार्यकताओं के लिए है जो कि शरीर की तरह है, जबकि आला लीडरान अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेज देते हैं और पार्टी के युवकों को सशस्त्र क्रांति का मार्ग बताते हैं, ताकि सिलसिला चलता रहे।

● बेइज्जती में अगर दूसरे को भी शामिल कर लो तो आधी इज्जत बच जाती है।

नजीर-

अपने घर में मियां बीवी में झगड़ा और मार कुटाई हो रही हो और पड़ोस के काफी सारे लोग देख-देख कर लुत्फ ले रहे हों उसी समय यदि पड़ोस में भी किसी घर में जूतमपैजार शुरू हो जाये तो खुद को महसूस होने वाली बेइज्जती और फजीहत आधी ही महसूस होती है कि सरेआम जूतमपैजार वाले होने वाले हम अकेले नहीं हैं।

● दुनिया में भाषा, अभिव्यक्ति के काम आती है। इस देश में दंगे के काम आती है।

नजीर- कश्मीर के अलगाववादी नेता जब दिल्ली में किसी सार्वजनिक समारोह में आते हैं तो इंसानियत वगैरह की बात करते हैं, लेकिन वही नेता कश्मीर में जब जाते हैं तो अलगाव, मारकाट और दंगे करने की भाषा बोलते हैं।

● जो पानी छानकर पीते हैं, वो आदमी का खून बिना छाने पी जाते हैं।

नजीर-

हाफिज सईद जैसे लोग जो भारत मे हजारों लोगों की मौत बम और गोलियों के जरिये करवा देते हैं, वह दिन भर तस्बीह घुमाते हुए खुद को धर्म प्रचारक कहते हैं और दिलचस्प बात ये कि भारत में ही कई लोग इस हाफिज सईद की विचारधारा को आगे बढ़ाते हैं।

● सोचना एक रोग है, जो इस रोग से मुक्त हैं और स्वस्थ हैं, वे धन्य हैं।

नजीर-

जैसे मुंबईया फिल्म मेकर खुद तो बिना सोचे समझे फिल्में बनाते हैं फिर छाती ठोंककर कहते हैं कि आप अपना दिमाग घर छोड़कर ही थियेटर में फिल्म देखने आएं। फिल्मकार खुद तो इस न सोचने के रोग से पीड़ित हैं मगर जनता समझदार है इसलिए पायरेटेड फिल्म देख लेती है और थियेटर नहीं जाती।

● हीनता के रोग में किसी के अहित का इंजेक्शन बड़ा कारगर होता है।

नजीर-

यदि अपनी टाटा नैनो पंचर हो जाये और उसे खींचकर बनवाने ले जाना पड़े और उसी समय यदि किसी की मर्सडीज भी सड़क पर चलते चलते खराब हो जाए तो उसे खींचकर बनवाने ले जाना पड़े तो ये देखकर सस्ती कार होने की हीन भावना तुरंत आधी हो जाती है।

● नारी-मुक्ति के इतिहास में यह वाक्य अमर रहेगा कि ह्यएक की कमाई से पूरा नहीं पड़ता।

नजीर-

नारी मुक्ति का झंडा बुलंद करने वालियों को कमाई में समानता और कार्य क्षेत्र में अतिरिक्त सुविधाओं की महती पैरोकार होती हैं।

● एक बार कचहरी चढ़ जाने के बाद सबसे बड़ा काम है, अपने ही वकील से अपनी रक्षा करना।

नजीर-

ताकि किसी और से असुरक्षा न रहे। एक बड़ी लकीर ही दूसरी लकीर को छोटा कर सकती है।

BRIEF NEWS

वोकेशनल पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन 10 तक

RANCHI : डोरंडा कॉलेज में स्नातक के वोकेशनल पाठ्यक्रमों- बीसीए, आईटी, बीबीए और अमानत में नामांकन के लिए आवेदन किए जा रहे हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून है। इन विषयों में कॉलेज में सीधा प्रवेश (पहले आओ पहले पाओ) की व्यवस्था की गई है। नामांकन के इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज आकर आकर सीधा नामांकन ले सकते हैं।

जयपाल सिंह स्टेडियम में वुडबॉल प्रतियोगिता आज

RANCHI : रांची जिला वुडबॉल संघ की ओर से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में राजेंद्र प्रसाद मिश्र मेमोरियल वुडबॉल प्रतियोगिता रविवार को आयोजित की जा रही है। बालक-बालिका दोनों वर्गों में प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसमें कोई भी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। विशेष जानकारी के लिए स्टेडियम में बंटी टोप्पो और गोविंद झा से संपर्क किया जा सकता है। प्रतियोगिता सुबह सात बजे से शुरू होगी।

रुक्का में दो घंटे बाधित रही बिजली, आज भी होगी आंशिक जलापूर्ति

RANCHI : दिन के करीब 3:00 बजे बूटी मोड़ से विकास तक तेज आंधी और बारिश हुई इसके कारण रुका वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में दो घंटे बिजली नहीं रही। शाम 5:00 बजे बिजली बहाल हुई। करीब दो घंटे तक प्लांट बंद रहने के कारण प्लांट से पानी का ट्रीटमेंट का काम शाम 5:00 बजे के बाद शुरू हुआ। इस वजह से रविवार को रुक्का से निकलने वाले टाउन लाइन से अनियमित एवं आंशिक जलापूर्ति होगी। रविवार को शहर में मेन रोड, चुटिया, चर्च रोड, हिंदपीड़ी अपर बाजार, कांटाटोली, कोकर, लोवाडीह, नामकुम, दीपाटोली और आसपास के इलाकों में रविवार को अनियमित एवं आंशिक जलापूर्ति होगी।

एक्सट्रीम बार डीजे हत्याकांड : पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हत्या में इस्तेमाल हुए हथियार बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

AGENCY RANCHI :
एक्सट्रीम बार डीजे हत्याकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रांची पुलिस ने संदीप प्रमाणिक की हत्या में इस्तेमाल किये गये हथियार को बरामद कर लिया है। साथ ही हथियार छुपाने ने सहयोग करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में पंकज कुमार उर्फ सोनू सिंह, सुमित सिंह उर्फ रोबिन्स कुमार और आलोक कुमार शामिल है। ये जानकारी एसएसपी चंदन सिन्हा ने शनिवार को प्रेस वार्ता में दी।

बड़े भाई की दुकान में छिपाया था हथियार : बता दें कि अदालत के निदेर्शानुसार अभिषेक सिंह को पुलिस ने रिमांड पर लिया था। रांची के सिटी एसपी के नेतृत्व में गठित टीम ने गहन के पूछताछ के बाद इस्तेमाल किये गये राइफल, 30 राउंड जिंदा गोली, तीन राउंड फायर खोखा, एक मैगजीन को उनके बड़े भाई रोहन सिंह की दुकान से बरामद कर लिया। रोहन सिंह की दुकान तुपुदाना के इंसलरी चौक में लक्ष्य ऑटोमोबाइल के नाम से है। वह अपने बड़े भाई की दुकान में मौजूद इ-ऑन कार के डिक्की में हथियार को छिपाकर रखा था। साथ ही घटना में इस्तेमाल किये गये वाहन इ-ऑन हुंडई कार, विटारा ब्रेजा, महिंद्रा स्कॉर्पियो, मारूचि सुजकी इगनिस को भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने इसके अलावा हथियार छिपाने में सहयोग करने वाले पंकज कुमार उर्फ सोनू सिंह, सुमित सिंह उर्फ रोबिन्स कुमार और आलोक कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया।

मीडिया को अपराधियों के बारे में जानकारी देते एसएसपी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

27 मई को हो गई थी संदीप प्रमाणिक की हत्या

गौरतलब है कि रांची के चुटिया स्थित एक्सट्रीम बार में डीजे संचालक संदीप प्रमाणिक की हत्या 27 मई को हो गयी थी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अभिषेक सिंह को 15 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया था। बाद में पुलिस ने उनके पिता, दोस्त समेत 14 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया था। जानकारी के एक्सट्रीम बार अवैध रूप से चल रहा था। उत्पाद विभाग ने बार का लाइसेंस उदय शंकर सिंह के नाम से 20 अप्रैल 2024 को जारी किया था। लेकिन, उदय शंकर सिंह ने बार चलाने के लिए लीज पर विशाल सिंह को दे दिया था।

शादी का झांसा देकर बनाता रहा यौन संबंध

- कोर्ट ने सुनाई 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा
- आरोपी पर लगाया 50 हजार का जुमार्ना भी

AGENCY RANCHI :
न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की कोर्ट ने आरोपी मुकेश लाल महतो को बालात्कार केस में 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही उसपर 50 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया गया है. जुमार्ना की राशि नहीं देने पर अभियुक्त को अतिरिक्त 10 महीने की सश्रम करावास होगी. दरअसल , यह मामला कांके थाना कांड संख्या 151/2014 से जुड़ा है. बता दें कि उक्त केस में आरोपी के द्वारा पीड़िता के साथ शादी का झांसा देकर 6-7 वर्षो तक शारीरिक संबंध बनाने का आरोप था. बाद में वह शादी करने से मुकर गया. पीड़िता के इनकार करने पर जबरन अभियुक्त ने पीड़िता के साथ यौन संबंध बनाया था. इस दौरान वह वर्ष 2012 और 2014 में दो बार गर्भवती भी हुई. आरोपी उसे मातृछाया अस्पताल, सीएमपीडीआई ले गया तथा पेट में पल रहे भ्रूण का गर्भपात भी करा दिया था. जब पीड़िता तथा उसके माता-पिता ने आरोपी एवं उसके माता-पिता पर विवाह करने के लिए बोला, लेकिन उनके द्वारा स्पष्ट रूप से विवाह करने से इनकार कर दिया गया. अभियोजन पक्ष अभियुक्त के विरूद्ध लगाये गये आरोप को साबित करने में सफल रहा. अभियुक्त के तरफ से अधिवक्ता सुजय दयाल ने उनका पक्ष रखा था, अभियोजन पक्ष के तरफ से लोक अभियोजक अनिल कुमार सिंह ने बहस किया था.

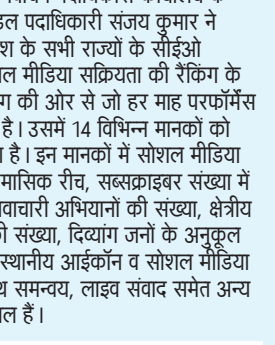

आदिवासी महिला की संदेहास्पद स्थिति में मौत

चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन ने उठाई जांच की आवाज

AGENCY RANCHI :
चाइल्ड राइट्स फॉउंडेशन ने कांके थाना क्षेत्र की रहने वाली आदिवासी महिला की संदेहास्पद मौत की जांच की मांग की है। इसको लेकर फॉउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने सीआईडी, रांची जोनल आईजी, रांची रेंज के डीआईजी और रांची एसएसपी को पत्र लिखा है. बैजनाथ कुमार ने पत्र में लिखा है कि कांके थाना क्षेत्र के सुंदरनगर निवासी स्व। स्टीफन मिंज की पुत्री दुलारी मिंज की पटना में संदेहास्पद तरीके से मौत हो गयी। वह पटना में सतीश चंद्र नाम के व्यक्ति के घर में काम करती थी। सतीष चंद्र गुरुवार की शाम एंबुलेंस से शव लेकर उसके घर पहुंचा। बताया जाता है कि दुलारी के चेहरे व पीठ पर जलने और आंख में गंभीर चोट के निशान थे। जिसको देखने के बाद परिजन सतीश चंद्र पर दुष्कर्म, मारपीट और हत्या का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, दुलारी पिछले 15 साल से सतीश चंद्र के यहां काम कर रही थी। उस समय सतीश सिंह बीएयू के डीएसडब्लू विभाग में कार्यरत था और कैंपस में ही रहता था। लेकिन उसके बाद वह बेटे व बहू के साथ कांके में रहता था। दो माह पूर्व से वह पटना के उपरपुरा, टहलटोला, फुलवारी शरीफ में रह रहा था। अपने साथ वह दुलारी को भी ले गया था। दुलारी के परिजनों के पूछने जाने पर सतीश चंद्र ने बताया कि दुलारी को बुधवार की शाम लू लग गया था।

सोशल मीडिया परफॉर्मेंस इंडेक्स में झारखंड को पहला स्थान मिला, भारत निर्वाचन आयोग ने जारी की रिपोर्ट

AGENCY RANCHI :
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाने में सक्रियता के आधार पर देशभर के टॉप 10 राज्यों की सूची में झारखंड पहले पायदान पर रहा है. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गुरुवार की शाम को जारी किए गए ह्यसोशल मीडिया परफॉर्मेंस इंडेक्सह्ण में झारखंड को पहला स्थान प्राप्त हुआ ह। बता दें कि झारखंड में मतदाता जागरूकता को लेकर लगातार कई बड़े सोशल मीडिया अभियान चलाए गए हैं. झारखंड के सीईओ (मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी) के रवि कुमार ने कहा कि किसी भी सामाजिक मुद्दों को लेकर जागरूकता अभियान चलाने में सोशल मीडिया की भूमिका अहम है।

सामाजिक मुहिम के लिए सोशल मीडिया माध्यम

झारखंड के सीईओ (मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी) के रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में मतदाता जागरूकता जैसे किसी भी सामाजिक मुद्दों को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के लिए सोशल मीडिया एक सशक्त और प्रभावी माध्यम है। इस बार झारखंड में इस दिशा में सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रयोग किया गया। न केवल मुख्यालय स्तर से कई सोशल मीडिया अभियान चलाए गए, बल्कि राज्य के कुछ जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने भी अपने स्तर पर कई हैशटैग अभियान चलाए। इनमें आम लोगों की भी अहम सहभागिता रही। कई हैशटैग अभियान देशभर में ट्रेंड भी हुए। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी आम नागरिकों से इसी तरह की सकारात्मक भूमिका की अपेक्षा होगी।

14 मानकों के आधार पर मूल्यांकन के बाद मासिक रैंकिंग

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के सोशल मीडिया नोडल पदाधिकारी संजय कुमार ने जानकारी दी कि देश के सभी राज्यों के सीईओ कार्यालयों की सोशल मीडिया सक्रियता की रैंकिंग के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से जो हर माह परफॉर्मेंस इंडेक्स तैयार होती है। उसमें 14 विभिन्न मानकों को आधार बनाया जाता है। इन मानकों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की कुल मासिक रीच, सब्सक्राइबर संख्या में आनुपातिक वृद्धि, नवाचारी अभियानों की संख्या, क्षेत्रीय भाषाओं में पोस्ट की संख्या, दिव्यांग जनों के अनुकूल सामग्री का प्रयोग, स्थानीय आईकॉन व सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ समन्वय, लाइव संवाद समेत अन्य प्रमुख रूप से शामिल हैं।

झारखंड के साथ राजस्थान को भी पहली रैंकिंग : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के सोशल मीडिया नोडल पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि झारखंड की ये रैंकिंग बीते अप्रैल माह में सोशल मीडिया पर किए गए विभिन्न सकारात्मक प्रयासों को लेकर है। इसमें राजस्थान को भी झारखंड के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला है। कर्नाटक को दूसरा एवं उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला है।

बारीडीह के दो घर में एक आभूषण व नकदी की चोरी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :
बिरसानगर थाना अंतर्गत विजया गार्डेन में शुक्रवार की रात चोरों ने दो घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने 12वें फेज में रहने वाले नौसेना जवान श्यामसुंदर पांडे के 509 नंबर और स्टेट बैंक डिब्रूगढ़ के मैनेजर के 523 नंबर डुप्लेक्स में चोरों ने घटना को अंजाम दिया। श्यामसुंदर पांडे के भाई हरिशंकर पांडे ने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही दोनों भतीजों का जनेऊ संपन्न हुआ था, जिसे लेकर पूरा परिवार रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या गए हैं। प्रत्येक दिन की तरह घर की नौकरानी फूल-पौधों में पानी देने के लिए सुबह 11 बजे आई थी। तभी उसने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा खुला हुआ है और लॉक टूटा पड़ा है। उसके बाद उसने फोन से परिवार वालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि घर के सभी कमरों का सामान बिखरा पड़ा है। अलमारी में रखे गहने और नकदी चोरी हो गई है। इसके बाद उन्होंने बिरसानगर थाना में को सूचना दी।

चोरी की सूचना के बाद पहुंचे लोग ● फोटोन न्यूज

नन्हे मुन्नों ने किया हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ

RANCHI : प्राचीन श्रीराम मंदिर, चुटिया में शनिवार को नन्हें मुन्नों ने संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ कर भक्ति की ज्योत जगायी। मां फाउंडेशन की ओर से इसका खास आयोजन किया गया। इसमें बड़ों ने भी बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभायी। सुबह नौ बजे दैनिक पूजन-आरती के बाद महंथ गोकुल दास के सान्निध्य में जैसे ही पाठ प्रारंभ हुआ, 150 बच्चों के सुमधुर स्वर लहरियों से वातावरण गूंज उठा। सयाने बच्चों ने एकाग्रचित्त हो सस्वर पाठ कर सब का मन मोहा तो नासमझ बच्चों ने अपने बालसुलभ व्यवहार से सब का दिल जीता। सुबह दस बजे आरती के साथ पाठ संपन्न हुआ। सब के बीच लड्डू प्रसाद बांटा गया।

पुरानी अदावत को लेकर दो पक्षों में विवाद छह राउंड हुई फायरिंग, बच्चे को लगी गोली

AGENCY RANCHI :
शनिवार को डोरंडा इलाके में दो अपराधियों के बीच हुई गोलीबारी में एक दस साल का बच्चा अकदस मिर्जा घायल हो गया। गोलीबारी की वारदात डोरंडा के मिस्त्री मोहल्ला में हुई, घायल बच्चे का इलाज रिम्स अस्पताल में चल रहा है।

क्या है पूरा मामला : डोरंडा थाना प्रभारी आंनद किशोर ने बताया की पुरानी अदावत में दो गुटों के बीच आपस मे झड़प हुई, इसी दौरान एक पक्ष के द्वारा फायरिंग की गई, जिसमे पास में ही खेल रहे एक दस साल के बच्चे के पैर में गोली लग गई। घायल बच्चे को इलाज के लिए पहले सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने बच्चे के पैर से गोली निकाल दी। उसके बाद बच्चे को बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया गया। घायल बच्चे की स्थिति पूरी तरह से खतरे से बाहर है। डोरंडा पुलिस के अनुसार फायरिंग करने वाले अपराधियो की पहचान कर ली गई है। पुलिस ने अनुसार, सल्लु उर्फ माचीस और अली के गैंग के बीच पुरानी रंजीश को लेकर विवाद हुआ। इसी बीच एक पक्ष ने अली गैंग के अरमान और फैज कुरैशी के उपर छह राउंड फायरिंग कर दी। इसमें एक गोली खेल रहे बच्चे को जाकर पैर में लगी। फायरिंग करने वालो में सैफ, शकिब, सनजर और अब्दुल, हसनैन, अयान और चांद का नाम आ रहा है। ये लोग सल्लु उर्फ माचीस के लिए काम करते है। फिलहाल सल्लु जेल में बंद है। अरमान और फैज कुरैशी का अली गैंग से संबंध है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया है कि तीनों अपराधियों के हाथ में हथियार था और तीनों ने एक-एक फायरिंग की थी। इसी फायरिंग में पास में ही खेल रहे 10 वर्षीय अकदस मिर्जा को गोली लग गई। फिलहाल बच्चे का रिम्स में इलाज चल रहा है।

घटनास्थल पर निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

खुशखबरी : परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की कवायद प्रारंभ, कंपनी की हो रही तलाश

नागरिकों की सुविधा के लिए 244 नई सिटी बसें चलाने की तैयारी में जुटा नगर निगम

AGENCY RANCHI :
राजधानी की परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए रांची नगर निगम 244 नई सिटी बसें चलाने की तैयारी में है, ताकि शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक तक लोगों को आवागमन की आसान व सस्ती बस सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। निगम के पास नई बसें आते ही फिलहाल चल रही 44 बसों को हटा दिया जाएगा। हालांकि सिटी बसों को चलाने के लिए ऑपरेटर की तलाश में निगम जुटा है। सिटी बसों के परिचालन के लिए निगम चार बार टेंडर निकाल चुका है। दो बार तो किसी कंपनी ने टेंडर में हिस्सा ही नहीं लिया, वहीं दो बार टेंडर में सिंगल कंपनी ही शामिल हुई थी। अब आचार संहिता खत्म होने बाद निगम पांचवा टेंडर निकालने की तैयारी में है। निगम की सिटी बसों का किराया काफी कम रखा जाएगा। किराया कम होने पर लोग इन बसों में सफर करेंगे। शहर के अलग-अलग रुट पर सिटी बस की रेगुलर सेवा शुरू होने पर लोगों का सफर करना आसान होगा। निगम के अधिकारियों का मानना है कि जब सिटी बसों की सेवा आसानी से उपलब्ध होगी, तो लोग बाइक या कार की बजाय बस में सफर करने का विकल्प चुनेंगे। शहर की सड़कों पर बाइक व कार का लोड कम होने से जाम से राहत भी मिलेगी।

220 डीजल और 24 होंगी इलेक्ट्रिक बसें

रांची नगर निगम क्षेत्र में 200 बस स्टॉप बनेंगे और पुराने बस स्टॉप अपग्रेड किये जाएंगे. 244 बसों में 220 बसें डीजल से चलेंगी, जिसमें एसी नहीं होगी. 24 इलेक्ट्रिक बसों में एसी की सुविधा होगी. सभी बसें रोज 174 किमी की दूरी तय करेंगी. शुरूआत में करीब 200 बसों का परिचालन शुरू हो सकता है, बाकी की बसें रिजर्व रखी जाएंगी.

ऐप से मिलेगी सुविधा

बस का संचालन करने वाली कंपनी को ऐप भी डेवलप करना होगा। ऐप के जारिये यात्री नजदीकी बस स्टॉप, बस का रूट और स्टॉप पर बस के पहुंचने का समय भी देख सकेंगे। इससे यात्रियों को काफी सुविधा होगी और वो आसानी से एक जगह से दूसरी जगह यात्रा कर सकेंगे।

नीलांचल एक्सप्रेस हादसे में घायल दो को लाया गया मुरी, एक गंभीर

AGENCY RANCHI :
रांची रेल डिवीजन के चांडिल-मुरी रेलखंड पर सुईसा रेलवे स्टेशन अंतर्गत लेंगडीह रेलवे क्रासिंग के समीप सुबह करीब 7.30 बजे आनंदबिहार से पुरी आ रही ट्रेन नंबर-12876 नीलांचल एक्सप्रेस का पेंटों टूट गया। इस हादसे में ट्रेन में ही सफर कर रहे दो रेल यात्री ओवर हेड वायर की चपेट में आने से हादसे का शिकार हो गए। दोनो यात्री कोच के गेट के पास खड़े थे, पेंटों से ओवर हेड वायर टूटा, जो कि यात्रियों को चपेट में ले लिया, इससे दोनो यात्री गंभीर रूप से झुलस गए। दो का बर्थ स्लीपर श्रेणी के एस 2 कोच में था। दोनों यात्री रायबरेली उत्तरप्रदेश के रहने वाले बताये जा रहे हैं। दोनों की पहचान राज शंकर(28 वर्ष) और राहुल कुमार(32 वर्ष) के रूप में हुई है। इन दोनो यात्रियों का इलाज मुरी के राम सिंह नर्सिंग होम में चल रहा है। रांची डिवीजन के एसीएम अंजनी कुमार राय ने बताया कि दोनो यात्री का इलाज चल रहा है। इनमे राहुल गंभीर रूप से घायल है, वहीं राज शंकर भी घायल है। दोनो का समुचित इलाज हो रहा है। इस संबंध में ट्रेन में सवार यात्री संतोष ने बताया कि सुइसा रेलवे स्टेशन के बाद ट्रेन में जोरदार आवाज हुई। आवाज होने के बाद करीब दो किलोमीटर दूर जाकर ट्रेन रुक गई। बताया गया कि ट्रेन के ऊपर पेंटों तार(ओवर हेड वायर) गिर गया है। इस घटना में ट्रेन में सवार दो यात्रियों को चोट आई है।

घायल का इलाज करते चिकित्सक। ● फोटोन न्यूज

भाजपा को अपना किला व पार्टी उम्मीदवार अर्जुन मुंडा को साख बचाने की चुनौती

चुनाव परिणाम आने से पहले हार-जीत के गणित में उलझी खूंटी क्षेत्र की जनता

PHOTON NEWS KHUNTI : लोकसभा चुनाव में झारखंड की सबसे हॉट खूंटी संसदीय सीट (सुरक्षित) के लिए 13 मई को वोट डाले गये थे। उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला चार जून को होगा। इस बीच दोनों राजनीतिक धड़ों एनडीए और आईएनडीआईए के स्थानीय नेताओं-समर्थकों के साथ क्षेत्र की जनता भी हार-जीत की गणित लगाने में व्यस्त है।

चुनाव परिणाम चाहे जो हो लेकिन दोनों गठबंधनों के लोग इस बात पर सहमत हैं कि इस बार भी दोनों मुंडाओं के बीच का मुकाबला कांटे का है। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपना किला और पार्टी उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को साख बचाने की चुनौती है जबकि कांग्रेस के टिकट पर तीसरी बार चुनाव मैदान में उतरे कालीचरण मुंडा के समक्ष लगातार हार के कलंक को धोने कि चिंता है। इंडी गठबंधन के नेता और समर्थक जहां कालीचरण मुंडा की जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं, वहीं भाजपा समर्थकों का कहना है कि भाजपा की जीत का सिलसिला जारी रहेगा। कांग्रेस नेता कैसर खान, संजय यादव, शिवशंकर साहू, दीनानाथ साहू सहित कई नेताओं का कहना है कि इस बार ईसाई मतों का बिखराव नहीं हुआ है। सरना आदिवासियों, रौतिया समाज के अलावा कुर्मी मतदाताओं में भाजपा के प्रति नाराजगी है और इसका खमियाजा उसे भुगतना पड़ेगा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कमाल खान का दावा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों और देश के विकास को देखकर ईसाई और मुसलमानों ने भी इस बार भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। भाजपा के एक अन्य नेता का तर्क है कि इस बार पूर्व मंत्री राजा पीटर के साथ ही आजासू सुप्रीमो सुदेश महतो का भरपूर साथ मिला है और इसका लाभ अर्जुन मुंडा का मिलेगा। भाजपा के एक नेता ने कहा कि भाजपा तोरपा, खूंटी और कोलेबिरा में कांग्रेस से पीछे रह सकती है लेकिन खरसावां, सिमडेगा और तमाड़ में भाजपा उम्मीदवार काफी आगे रहेंगे और यही अंतर अर्जुन मुंडा की जीत का आधार होगा।

2019 में महज 1445 मतों से जीते थे अर्जुन मुंडा

वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भी भाजपा और कांग्रेस के इन्हीं दो मुंडाओं के बीच कांटे का मुकाबला हुआ था, जिसमें अर्जुन मुंडा ने 1445 वोटों के अंतर से कालीचरण मुंडा को शिकस्त दी थी। इस चुनाव में अर्जुन मुंडा को 3,82,638 वोट मिले थे जबकि कालीचरण मुंडा को 3,81,193 मतों से संतोष करना पड़ा था।

गोड्डा लोस सीट से भाजपा प्रत्याशी निशिकांत ने पत्नी संग किया मतदान

PHOTON NEWS GODDA : गोड्डा से भाजपा प्रत्याशी डॉ निशिकांत दुबे ने शनिवार को बीएड कॉलेज के बूथ में मतदान किया। उनके साथ उनकी पत्नी अनामिका गौतम और दोनों बेटों ने भी वोट डाले। इससे पहले निशिकांत दुबे देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे। वहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की।

बाबा धाम में पूजा-अर्चना करने के बाद निशिकांत दुबे दुमका के जरमुंडी स्थित बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा बासुकी का आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे वोटिंग करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में अपनी जीत का दावा किया। साथ ही राहुल गांधी को इंडी गठबंधन द्वारा प्रधानमंत्री का चेहरा बनाए जाने की अटकलों पर कहा कि पहले राहुल गांधी चुनाव जीत जाएं, वे चुनाव हारकर प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। गोड्डा लोकसभा सीट पर निशिकांत दुबे का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव से है।

मतदान के बाद परिवार संग निशिकांत। ● फोटोन न्यूज

स्पीकर रवींद्रनाथ ने परिवार के साथ डाले वोट

JAMTARA : झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष और नाला विधायक रवींद्रनाथ महतो ने शनिवार को परिवार के साथ बूथ पर पहुंचकर मतदान किया। रवींद्रनाथ महतो ने नाला विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 91 (उच्च मध्य विद्यालय पाटनपुर) में वोट डाला।

झामुमो प्रत्याशी नलिन ने सपरिवार किया मतदान

GODDA : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के शिकारीपाड़ा के विधायक और दुमका प्रत्सशी नलिन सोरेन ने सपरिवार बूथ संख्या 29 पर मतदान किया। नलिन सोरेन पत्नी जोएस बेसरा, बेटा, बहू और बेटी के साथ मतदान केंद्र पहुंचे।

टीएसपीसी के नाम पर लेवी वसूलने के छह आरोपी हथियार संग धराए

PHOTON NEWS GARHWA : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के नाम पर संवेदकों, बीडी पत्ता कारोबारी और जनप्रतिनिधियों से लेवी वसूलने के मामले में पुलिस ने छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच देशी कट्टा, पांच गोली, छह खोखा, चार मोबाइल सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। एसपी दीपक पाण्डेय ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में गढ़वा निवासी आनन्द सिंह, राहुल कुमार, संतोष चौधरी, नन्हकू चौधरी, नन्दू विश्वकर्मा और जितेन्द्र चौधरी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि रमकण्डा थाना क्षेत्र के टोंकी स्थित ठोंगापानी के जंगल क्षेत्र में चार-पांच हथियार बंद लोग देखे गये हैं, जो अपने आप को टीएसपीसी उग्रवादी संगठन का सदस्य बताते हुए क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों के संवेदक, बिड़ी पत्ता व्यवसायी एवं जनप्रतिनिधियों को हथियार के बल पर डरा-धमका कर क्षेत्र में लेवी की वसूली करने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना के बाद रंका एसडीपीओ रोहित रंजन के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार वदीर्धारी हथियार बंद लोगों को हथियार के साथ पकड़ा। उनकी निशानदेही पर अन्य दो लोगों को पकड़ा गया।

जनसेवक तीन हजार घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

GIRIDIH : एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) धनबाद की टीम ने शनिवार को गिरिडीह के पीरटांड़ प्रखंड में जनसेवक मोहम्मद मंसूर को तीन हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों दबोचा है। कार्रवाई के बाद प्रखंड कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई और कई कर्मी भाग खड़े हुए। बताया गया कि एसीबी की टीम डीएसपी मुन्नू टुडू के नेतृत्व में सीधे प्रखंड कार्यालय पहुंची। यहां जनसेवक मोहम्मद मंसूर को पीरटांड़ क्षेत्र के खुखरा गांव निवासी जहांगीर से तीन हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा और उसे गिरफ्तार कर धनबाद ले गई। जानकारी के अनुसार जनसेवक ने एक कुंए की मरम्मत का एमबी बुक के आधार पर बिल पास करने के नाम पर तीन हजार का मांग की थी।

एक लाख की अवैध कीमती लकड़ी जब्त

PHOTON NEWS KHUNTI : पुलिस ने कुंजला चौक के पास अवैध कीमती लड़कियों से लदे एक ट्रक को जब्त किया है। ट्रक पर विभिन्न परिमाप के 61 साल बोटा लदे पाए गए, जिसका बाजार मूल्य लगभग एक लाख रुपये है। इस संबंध में वन प्रमंडल पदाधिकारी कुलदीप मीणा ने बताया कि उन्हें शुक्रवार की देर रात सूचना मिली कि अवैध लड़कियों से लदा एक ट्रक (डब्ल्यूबी 11बी 1957) सिंहहभूम की ओर से होते हुए नामकुम, रांची की ओर जा रहा है। प्रभारी वनपाल प्रवीण सिंह के नेतृत्व में गश्तीदल ने शनिवार को प्रातः चार बजे कुंजला चौक के पास ट्रक को पकड़ लिया। चालक ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। जब्त ट्रक को प्रमंडलीय कार्यालय परिसर में रखा गया है।

जब्त लकड़ी के साथ पुलिस।

साईंनाथ देवस्थानम के स्थापना दिवस का शुभारंभ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : घोड़ाबांधा स्थित साईं परिवार विश्व सेवा संस्थान, जमशेदपुर के तत्वाधान में श्री साईंनाथ देवस्थानम का दो दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव शनिवार को आरंभ हो गया। इस पावन अवसर पर शिर्डी मंदिर से पधारे आचार्य दिगंबर कुलकर्णी, चंद्रशेखर कुलकर्णी व योगेश कुलकर्णी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। इस दौरान यजमान अनूप रंजन व उनकी पत्नी रश्मि नारायण उपस्थित थीं।

कांकड़ आरती के साथ सुबह 5 बजे प्रारंभ प्रथम दिवस का अनुष्ठान सेज-आरती के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान दक्षिण भारत के श्रीकाकुलम से आए कलाकारों ने वाद्ययंत्रों से मंगल ध्वनि प्रस्तुति की। रविवार को शाम 4 बजे बाबा की पालकी यात्रा निकलेगी, जबकि संध्या 6. 30 बजे से प्रसिद्ध गायक अनिल बावरा भजन प्रस्तुत करेंगे।

पूजा-अर्चना करते लोग।

गुरु अर्जन देव के शहीदी दिहाड़े पर लगाई छबील

JAMSHEDPUR : सिखों के पांचवें गुरु अर्जन देव के शहीदी दिहाड़े पर शनिवार को टाटानगर स्टेशन चौक पर छबील लगाई गई। यहां राहगीरों में ठंडा शर्बत, चना और कड़ाह (हलवा) प्रसाद का वितरित किया गया। शिविर में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, प्रदेश गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान शैलेंद्र सिंह, टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते, जिप उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, आजसू जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह, सीजीपीसी एवं झारखंड सिख विकास मंच के संरक्षक गुरदीप सिंह पप्पू सहित कई लोग शामिल हुए।

लू लगने से जवान सहित तीन की मौत

PHOTON NEWS PALAMU : जिले में लू का प्रकोप जारी है। हर दिन लोगों की मौत हो रही है। इसी क्रम में जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में ड्यूटी कर रहे होमगार्ड जवान समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। एक की पहचान नहीं हो पायी है। होमगार्ड जवान की पहचान रामाशंकर मोची (55) के रूप में हुई। गर्मी के कारण तबीयत बिगड़ने से उनकी मौत हुई। रामाशंकर लालगढ़ बिहार के रहने वाले थे और पिछले आठ महीने से जेल में ड्यूटी पर लगे हुए थे। जेल के अंदर टॉवर के पास उनकी ड्यूटी लगी थी। शुक्रवार की शाम तीन बजे से सुबह छह बजे तक ड्यूटी थी। इसी बीच रात में उनकी तबीयत बिगड़ गई। साथी जवानों ने उन्हें इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती किया, जहां इलाज के क्रम में शनिवार सुबह करीब 8.30 बजे मौत हो गई। इसी तरह जिले के पाटन थाना क्षेत्र के किशुनपुर गांव निवासी भागीरथ सोनी (45) की शुक्रवार शाम लू लगने से मौत हो गई। परिजनों ने बताया की भागीरथ लूना मोटरसाइकिल से अपने बेटे को नावाबाजार किसी काम से लेकर गए थे।

घटना की खबर सुनकर बदहवास परिजन। ● फोटोन न्यूज

स्वास्थ्य विभाग के एजुकेशन डायरेक्टर ने किया निमार्णाधीन अस्पताल का निरीक्षण

623 बेड का होगा एमजीएम का अस्पताल नवंबर माह तक शुरू करने का है लक्ष्य

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो के डिमना चौक स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज में निमार्णाधीन अस्पताल का निरीक्षण करने स्वास्थ्य विभाग के एजुकेशन डायरेक्टर डॉ. एसके सिंह शनिवार को पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया और जहां खामियां मिलीं, उसे दूर करने का निर्देश दिया। डॉ. एसके सिंह ने कहा कि निमार्णाधीन अस्पताल का कार्य तेज गति से चल रहा है। हालांकि, इसे जून तक पूरा करना था, लेकिन अभी तक 75 प्रतिशत ही कार्य हो सका है। ऐसे में अब नवंबर माह तक इस अस्पताल को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. एसके सिंह ने कहा कि 10 मई को स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव इस अस्पताल का निरीक्षण करने आएंगे। इससे पूर्व मेरा निरीक्षण था, ताकि जो खामियां हैं, उसे दूर करने के साथ-साथ स्वास्थ्य सचिव को अपडेट किया जा सके। 623 बेड के इस अस्पताल में 128 बेड का आईसीयू होगा। इस अवसर पर एमजीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. केएन सिंह, अधीक्षक डॉ. रवींद्र कुमार, उपाधीक्षक डॉ. नकुल प्रसाद चौधरी, डॉ. आरके मंधान, डॉ. उमाशंकर प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

निरीक्षण करते वरीय अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

सात मंजिला होगा भवन

इस अस्पताल का भवन सात मंजिला है। ग्राउंड फ्लोर में स्वागत कक्ष होगा। उसके बाद ओपीडी व इनडोर बनाया गया है। डॉ. एसके सिंह ने कहा कि इस अस्पताल को संचालित करने के लिए एक कमेटी बनेगी, जिसमें चिकित्सक से लेकर प्रशासनिक सहित इससे संबंधित सभी पदाधिकारी शामिल होंगे, जिससे मरीजों को किसी तरह की परेशानी उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने कहा कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को जल्द से जल्द पानी व बिजली की व्यवस्था करने को कहा गया है।

'उदित वाणी' के संपादक राधेश्याम अग्रवाल नहीं रहे

JAMSHEDPUR : हिंदी दैनिक 'उदित वाणी' के संस्थापक व संपादक राधेश्याम अग्रवाल (84) का शनिवार की सुबह टाटा मुख्य अस्पताल में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। राधेश्याम अग्रवाल ने 1980 में मध्य प्रदेश में बिक्री कर विभाग के सहायक आयुक्त के पद पर 12 साल तक कार्यरत रहने के बाद इस्तीफा देकर जमशेदपुर में 22 अगस्त, 1980 को शहर से हिंदी दैनिक शुरू किया। वे रांची विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर भी रहे थे। स्व. अग्रवाल 2005 में शिबू सोरेन की सरकार में प्रेस सचिव भी थे। उनका अंतिम संस्कार जुगसलाई स्थित शिवघाट में किया गया।

पलामू में कोयला लदे चार ट्रकों के चालक-खलासी समेत छह गिरफ्तार

PALAMU : जिले की सतबरवा थाना पुलिस के लिए रांची-डालटनगंज मुख्य मार्ग एनएच 75 पर रजडेरवा गांव के समीप चार ट्रकों के चार चालक तथा एक खलासी और दुबियाखांड़ में वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक अपराधी को बिना नंबर प्लेट की बाइक तथा एक मोबाइल फोन और पंछी मार्का पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि पिस्टल के साथ पकड़ा गया अपराधी विकास कुमार यादव पाटन थाना क्षेत्र के बरसैता गांव का रहने वाला है। उसके पास से एक मोबाइल और एक बिना नंबर प्लेट की सुपर स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई है। विकास कुमार हाल ही में जेल से छूटा है। उसे सतबरवा पुलिस ने ही एक अन्य मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने रांची से डालटनगंज की ओर जा रहे चार कोयला लदे ट्रकों को पकड़ा। उचित कागजात प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उनके चार चालकों तथा एक खलासी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। कोयला लदे सभी ट्रकों को जब्त कर लिया गया है। इन वाहनों में ट्रक संख्या जेएच19बी9915, जेएच 19 ए5244, जेएचओ 2बीपी 9366 और जेएच10 सीडी 8734 शामिल हैं। इस अभियान में थाना प्रभारी अंचित कुमार, एएसआई राजीव रंजन (दो), एएसआई सुबोध कुमार, बसंत दूबे, हवलदार सुनील राम, आरक्षी शेखर उरांव अमरदीप कुमार पाल, सिल्क उरांव तथा संजय तिग्गा शामिल थे।

ODISHA

सुंदरगढ़ में स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण प्रणाली का शुभारंभ

SUNDARGADH : सुंदरगढ़ क्षेत्रीय परिवहन विभाग द्वारा स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण प्रणाली शुरू की गई है। इस व्यवस्था के अनुसार, ड्राइविंग टेस्ट वर्तमान में टेस्टिंग ट्रैक पर स्थापित सीसी टीवी कैमरों और वीडियो विश्लेषणात्मक प्रणाली के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। इस सिस्टम के तहत निर्धारित समय के अंदर छह टेस्टिंग ट्रैक पर चार पहिया निर्भुल वाहन चलाने वाले आवेदक तुरंत पास हो सकते हैं। इसी तरह दोपहिया वाहनों के लिए भी अलग ट्रैक है। क्षेत्रीय परिवहन विभाग, सुंदरगढ़ के अनुसार, इस प्रणाली के माध्यम से, ड्राइविंग लाइसेंस आवेदक बिना किसी त्रुटि के आसानी से अपना लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं और इसमें समय भी कम लग सकता है। इस दौरान पूर्व क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सुकांत कुमार दास, अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी परसूराम साहू, एमवीए दलानी साहू, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी नंदिनी मुंडारी सहित परिवहन विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पिता ने सोए हुए बेटे की टांगिया मारकर की हत्या

BANAYE : सुंदरगढ़ जिले के लहुणी पाड़ा थाना क्षेत्र के बूढ़ाभुई गांव में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। पिता फ्रांसिस ओरम अपने पुत्र पात्रस ओरम की टांगी मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बेटे की हत्या करने वाले पिता को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के मुताबिक पात्रस ओरम और पिता फ्रांसिस ओरम के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया।झगड़ा के कुछ देर बाद पिता पुत्र घर आए , तब पिता फ्रांसिस का गुस्सा शांत नहीं हुआ था। उसका बेटा पात्रस घर में सो रहा था, तो पिता ने एक तेज टांगिया उठाया और अपने बेटे की गर्दन पर वार करता रहा। पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस आरोपी पिता को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

तेज आंधी और बारिश के बाद गर्मी से राहत

RAURKELA : राउरकेला। शहर में शनिवार को तेज आंधी आई और इसके बाद बारिश हुई। भारी बारिश के कारण जहां शहर का पारा कम हुआ और शहर के लोगो को गर्मी से राहत मिली, वही कई पेड़ उखड़ गए, वाहन नष्ट हो गए हैं। दुकानें और घर नष्ट हो गए हैं। बारिश से लू से राहत को लेकर लोगों में नई उम्मीद लेकर आई है।

बढ़ता जा रहा लू से मौत का आंकड़ा

RAURKELA : जिले में लू से मरने वालों की संख्या 25 तक पहुंच गई। सुंदरगढ़ जिले सहित राउरकेला में मौतों और संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करने के लिए राज्य स्वास्थ्य विभाग के तीन वरिष्ठ अधिकारी राउरकेला पहुंचे। सुंदरगढ़ के 3 वरिष्ठ डॉक्टर उनके साथ हैं। स्थिति की समीक्षा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग की एक टीम भी आज राउरकेला पहुंची। आरजीएच के निदेशक, अधीक्षक और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ डॉक्टर उपस्थित थे। लू से कैसे निपटा जाए इस पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्सकों को प्रत्येक वार्ड में आवश्यक संख्या में कूलर की व्यवस्था करने तथा प्रत्येक मरीज को उचित चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, ताकि मरीजों को लू से बचाया जा सके। विभागीय डॉक्टरों से कहा गया है कि गंभीर मरीजों को जहां आवश्यक हो, उचित सुविधाओं वाले निजी अस्पतालों में स्थानांतरित किया जाए। हिट स्ट्रोक के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आरजीएच के विशेष वार्डों की संख्या बढ़ाकर 4 कर दी गई है। आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए सुंदरगढ़ जनरल अस्पताल से एक मेडिकल टीम आरजीएच पहुंची है। घटना की जांच के लिए आरजीएच अधीक्षक डॉ. सुधारानी प्रधान के नेतृत्व में 4 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। कल और आज मरने वाले मरीजों का पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सलाह दी कि जब तक कोई जरूरी काम न हो, दिन 10 बजे से सुबह 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें। आरजीएच में इलाज के दौरान अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है।अन्य की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि जिनकी मौत हुई है, वह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा कि लू से हुई या किसी अन्य कारण से।दूसरी ओर, सुंदरगढ़ के सांसद जोएल ओराम, राउरकेला बार एसोसिएशन और कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधियों ने आरजीएच अधिकारियों के साथ स्थिति पर चर्चा की है। मौत के कारणों की जांच के लिए सुंदरगढ़ से एक तथ्यान्वेषी टीम, राज्य स्वास्थ्य विभाग की एक टीम और एक केंद्रीय स्वास्थ्य टीम राउरकेला आई है।

रविशंकर प्रसाद मीसा और रामकृपाल की किस्मत

ईवीएम में कैद आरजेडी-बीजेपी के समर्थक भिड़े

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में पटना जिले की दो लोकसभा सीट पटना साहिब और पाटलिपुत्र में वोटिंग खत्म हो गई है। पटना साहिब में कुल 45% वोटिंग हुई है, जबकि पाटलिपुत्र में 56.91 % मतदान हुआ है। वहीं, पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में बिहटा के राजपुर बूथ संख्या 228 पर राजद और बीजेपी के पोलिंग एजेंट आपस में भिड़ गए। दोनों ओर जमकर रोड़ेबाजी हुई है। मामले की सूचना मिलते ही सिटी एसपी मौके पर पहुंचे। छानबीन की जा रही है। इधर, राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव राजद का गमछा ले कर मतदान केंद्र पहुंचे थे। इसको लेकर भाजपा ने नई दिल्ली स्थित मुख्य निर्वाचन आयुक्त, राज्य

के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी तथा पटना के जिला निर्वाचन पदाधिकारी के सामने शिकायत दर्ज कराया है। आचार संहिता उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। भोजपुरी गायिका शारदा सिन्हा ने पटना साहिब लोकसभा के बूथ नंबर 60 पर मतदान किया है। उन्होंने वोटरों को मतदान के लिए प्रेरित भी किया है। पाटलिपुत्र लोकसभा के सगुना मोड़ स्थित मध्य विद्यालय बूथ संख्या 113 पर ईवीएम मशीन खराब हो गई थी। इससे कई वोटरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और उनके बेटे लव सिन्हा एक साथ पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र के एसटी सर्वेस स्कूल में वोट देने पहुंचे थे। लव सिन्हा ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव सत्ता में आएंगे तो उन्होंने जो नौकरी का वादा किया है, वह पूरा करेंगे। पिताजी चाहे बिहारी बाबू हो...बंगाली बाबू हो...हिंदुस्तानी बाबू हो, वह जहां जाते हैं अच्छा ही करते हैं। मतदान करने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि जो लोग संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाह रहे हैं, जिन लोगों ने महंगाई बेरोजगारी बढ़ाई है। वोट के जरिए चोट करें। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बख्तियारपुर स्थित मतदान केंद्र पर

मतदान किया। इसके बाद परिवार वालों से मिलने के लिए पहुंचे। वहीं, पाटलिपुत्र विधानसभा क्षेत्र के मसौढ़ी स्थित सरपरसा गांव के बूथ संख्या 267 पर लोगों ने वोट बहिष्कार कर दिया। रोड और स्कूल को लेकर करीब 700 लोगों ने बहिष्कार किया है। रोहिणी आचार्य ने कहा कि अपना वोट बहनों के नाम समर्पित किया है। वहीं, तेज प्रताप यादव ने कहा कि 4 जून के बाद कुछ बड़ा फैसला होगा। मोदी जी भी मौन में चले गए हैं।

संक्षिप्त डायरी

जिला विधिज्ञ संघ चुनाव को लेकर नामांकन अधिवक्ताओं से वोट करने की अपील

गोपालगंज। में जिला विधिज्ञ संघ चुनाव को लेकर नामांकन के चौथे दिन प्रत्याशियों की काफी भीड़ वकालत खाना में लगी रही। विभिन्न पदों के लिए संबंधित पद के लिए प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। वहीं, महासचिव पद के लिए निवर्तमान प्रभारी अध्यक्ष विमलेंदु कुमार द्विवेदी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ वकालत खाना पहुंचे और निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट करने की अपील की। दरअसल, जिला विधिज्ञ संघ चुनाव को लेकर 28 पदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। पिछले 3 दिनों में 30 से ज्यादा प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर अपने-अपने जीत के दावे पेश कर रहे हैं। वहीं, बार एसोसिएशन के प्रभारी अध्यक्ष विमलेंदु कुमार द्विवेदी ने भी अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर मतदाताओं से एक बार फिर वोट कर जीत दर्ज कराने की अपील की गई। इस मामले में उन्होंने कहा कि आज मैंने महासचिव पद के लिए नामांकन किया है। अधिवक्ताओं का समर्थन मिल रहा है। सफलता भी मिलेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अभी तक मैं उपाध्यक्ष पद था। 6 माह के लिए मुझे प्रभारी अध्यक्ष बनाया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान मैंने किसी भी अधिवक्ता और अपने ताईद को सूचना मिलने के बाद तत्काल वहां पहुंचकर उनकी मदद करने की कोशिश की है। इस आधार पर हम अपना समर्थन मांग रहे हैं। मुझे समर्थन भरपूर मिल रहा है। चुनाव जीतने के बाद हमारी प्राथमिकता होगी की बार और बेंच के बीच समन्वय स्थापित कर जो भी समस्या है चाहे वह अधिवक्ता की हो या ताईद की सभी समस्याओं को दूर करने का हम प्रयास करेंगे। बता दें की अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष और अंकेक्षक के एक एक उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, सहायक सचिव और पुस्तकालय के सदस्य के तीन तीन पद, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के पांच एवं कार्यकारिणी सदस्य के सात पदों के लिए चुनाव हो रहा है। 3 जून नामांकन की अंतिम तिथि है। नामांकन पत्रों की जांच 4 जून को होगी और 5 जून को दोपहर के 12 बजे तक प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। 13 जून को सुबह 8 बजे से शाम के 4 बजे तक मतदान होगा।

जहानाबाद में वोटिंग खत्म, शाम 5 बजे तक 50.23% मतदान

जहानाबाद। लोकसभा में वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 5 बजे तक 50.23% वोट पड़े हैं। मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के खजपुरा मतदान केंद्र संख्या-101 पर दो पक्षों में झड़प के बाद फायरिंग भी हुई है। इससे पहले रतनी फरीदपुर प्रखंड की बूथ संख्या 106 और 107 सरैया गांव के मतदाताओं ने वोट का बहिष्कार किया था। सड़क की मांग को लेकर गांव के लोगों ने वोट नहीं देने का फैसला किया। इस गांव में करीब 1497 मतदाता है, लेकिन कोई भी मतदाता सेंटर पर वोट देने नहीं आया। हालांकि वोट बहिष्कार को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा लोगों को समझाने का भी प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीण सड़क की मांग को लेकर जिद पर अड़े रहे। बसपा प्रत्याशी डॉ अरुण कुमार अपने गांव मनियावा की बूथ संख्या 44 पर मतदान करने पहुंचे हैं। वहीं, बूथ संख्या 106, 107 पर लोगों ने वोट बहिष्कार किया है। बीडीओ, सीओ और निर्वाचन आयोग के अधिकारी ग्रामीणों को समझाने पहुंचे हैं, लेकिन ग्रामीणों ने वोट देने से इनकार कर दिया है। इस लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा हैं जिसमें जहानाबाद में तीन, अरवल में दो और गया का एक विधानसभा क्षेत्र आता है। बसपा प्रत्याशी डॉक्टर अरुण ने कहा कि ये नीतिगत लड़ाई होती है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा वोट देना चाहिए। वोट देने के लिए जब निकले तो गर्मी से बचें और पानी का ज्यादा उपयोग करें। कहा मैं इस मिट्टी का हूं, मुझे सबसे प्यार है। हम लोगों को सबका भारी समर्थन मिल रहा है। जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के मनियावा में बूथ संख्या 44 पर व्हील चेयर के जरिए वोट देने बुजुर्ग मतदाता पहुंचे हैं। घोसी मतदान केंद्र संख्या 169 पर मॉडल बुथ बनाया गया है। अनु कुमारी ने पहली बार मतदान किया है। उन्होंने कहा कि पहले मैंने मतदान किया, उसके बाद जाकर जलपान करूंगी। पहली बार वोट कर मैं अति उत्साहित हूं। जिला प्रशासन की तरफ से उसे प्रमाण पत्र भी दिया गया है। यहां मतदान केंद्र संख्या 178 पर महिला मतदान केंद्र बनाया गया है। जिस पुरुष ने पहला वोट डाला है, उनको प्रशासन की तरफ से प्रमाण पत्र भी दिया गया है और जिस महिला ने पहले वोट डाला है उसे भी प्रशासन की तरफ से प्रमाण पत्र दिया गया है। इस लोकसभा क्षेत्र में कुल मतदाता की संख्या 1670327 है। इसके लिए 1793 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिसमें जहानाबाद में 897 अरवल में 458 और गया में 338 मतदान केंद्र बने हैं। इस लोकसभा क्षेत्र से कल 15 प्रत्याशी मैदान में है। एनडीए से जेडीयू के चंदेश्वर चंद्रवंशी और राजद से सुरेंद्र यादव हैं। दोनों के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं, इस लोकसभा क्षेत्र में पुरुष मतदाता की संख्या 873212 और महिलाएं की संख्या 797083 है। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है। डीएम अलंकृता पांडे ने बताया कि शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान कराया जाएगा। डीएम ने डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण करते हुए पदाधिकारी को कई आवश्यक निर्देश दिए।

भागलपुर में खाना बनाने को कहा तो भागी पत्नी

भागलपुर। के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर में पति सुभाष पंडित ने पत्नी पार्वती देवी (28) को खाना बनाने के लिए कहा तो वो घर से फरार हो गई। तीन दिन तक घर नहीं लौटी। चौथे दिन परिजनों को ग्रामीणों ने सूचना दी कि गांव के ही एक बगीचे में वह अकेली बैठी हुई है। पार्वती को बुलाने के लिए सुभाष और परिजन पहुंचे। वह घर आने पर तैयार नहीं थी। किसी तरह परिजनों ने घर लाया। घर पहुंची तो कीटनाशक दवा खा ली। स्थिति को गंभीर देखते हुए परिजनों ने मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं इलाज के दौरान शनिवार की दोपहर पार्वती की मौत हो गई। घटना के संबंध में पति सुभाष पंडित ने बताया कि वह मजदूरी करने के लिए जा रहा था। इसी दौरान पत्नी को खाना बनाने के लिए कहा। पत्नी ने समय पर खाना नहीं बनाया और घर से भाग गई। तीन दिन बाद उसे घर लाया गया। इसके बाद उसने घर में आकर सल्फास खा लिया। उसकी स्थिति गंभीर हो गई। घटना की जानकारी के बाद परिजनों ने आनन-फानन में भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 12 साल पहले सुभाष पंडित से हिंदू रीति रिवाज के साथ पार्वती की शादी हुई थी। शादी के बाद से ही सास और बहू के बीच अक्सर घरेलू विवाद हुआ करता था। सुभाष पंडित के फूफा अनूपलाल पंडित ने बताया कि हम लोगों को घटना की जानकारी मिली। इसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। खाना बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था, जिसमें उन्होंने सल्फास खा लिया।

लव मैरिज के बाद साले की हत्या अब पत्नी को छोड़ा

भागलपुर। में पांच साल पहले साले की हत्या की और अब अवैध संबंध के लिए पति अपनी पत्नी को रखने के लिए तैयार नहीं है। उसका दो बार गर्भपात तक करवा दिया। पिछले 2 साल से पीड़िता भटक रही है। सात साल पहले दंपती का लव मैरिज हुआ था। अब पति का अन्य महिलाओं से चक्कर चल रहा है। आरोपी पति अपनी पत्नी को लड़कियों की अश्लील फोटो भेजकर कहता है मैं इसी से शादी करूंगा। मुझे किसी का डर नहीं है। जहां जाना है जाओ। मेरा कोई बिगाड़ नहीं सकता है। आरोपी नाथ नगर थाना क्षेत्र रसीदपुर निवासी शंभू पासवान के बेटा गोविंद पासवान है। जो पुलिस लाइन में रसोइया है। पीड़िता शीशम ने परेशान होकर वरीय पुलिस अधीक्षक को आवेदन दिया है। आरोपी पति फिलहाल पुलिस लाइन से फरार हो गया है। वो करीब एक साल से वहां काम कर रहा था। दोनों का 2015 में लव मैरिज हुआ था। लड़की के भाई को यह रिश्ता पसंद नहीं था। वो इस रिश्ते का विरोध करता था। इसी कारण आरोपी पति ने 2019 अपने साले की हत्या कर दी थी। इस मामले में वो जेल भी गया था। आवेदन में पीड़िता ने अपने पति पर आरोप लगाया है कि उसने मेरा दो बार गर्भपात भी कराया है। मेरा पति भागलपुर पुलिस लाइन में काम करता है। मैं स्थानीय थाना, महिला थाना और वरीय पुलिस अधीक्षक तक आवेदन दे चुकी हूं, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सिटी एसपी श्री राज ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए महिला थाना को जांच के लिए कहा गया है।

चुनाव ड्यूटी में पति घर में मिली पत्नी की लाश

सहरसा। पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर में महिला का शव मिला है। महिला के पति मिलन कुमार सहरसा पुलिस बल में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं और चुनाव ड्यूटी में कैमूर गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ आलोक कुमार, डीएसपी धीरेंद्र पांडेय, सदर थानाध्यक्ष श्रीराम सिंह पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए हैं। महिला के परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक महिला का नाम वर्षा कुमारी (22) है, जिसकी मायका मुंगेर में है। महिला के पति नवगछिया का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि चुनाव ड्यूटी में महिला के पति कैमूर गए हैं। शनिवार की सुबह महिला के पति मिलन कुमार फोन किया तो पत्नी रिसीव नहीं की। इसके बाद मिलन ने पड़ोस में रहने वाले साथी को घर भेजा तो अंदर से कमरा बंद था। आवाज देने पर रूम नहीं खोला तो स्थानीय थाने को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर एसपी हिमांशु कुमार पहुंचे। एसपी ने बताया कि सिपाही चुनाव ड्यूटी में कैमूर गया है। उसकी पत्नी अकेले घर में थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शीघ्र ही खुलासा कर दिया जाएगा। एसपी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम बुलाई गई है, जो जांच शुरू कर दी है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम बुलाई गई है, जो जांच शुरू कर दी है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।एसपी ने कहा कि यह सुसाइड है या मर्डर। यह अभी कहना मुश्किल है। हम लोग दोनों एंगल से जांच कर कर रहे हैं। जांच पूरी होगी, तो पूरी जानकारी दी जाएगी।

मोतिहारी में बीजेपी विधायक बोले- स्कूल में कोई अधिकारी जांच करने आए तो बंधक बना लो

मोतिहारी। में बीजेपी विधायक सुनील मणि तिवारी ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ही आदेश चलेगा, ना की केके पाठक का। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर कोई पदाधिकारी स्कूल की जांच करने आए तो उसे बंधक बनाकर मुझे फोन करें। फिर मैं आकर उनसे पूछूंगा कि जब स्कूल में बच्चा है ही नहीं तो किस चीज की जांच करने आए हैं या पैसे की उगाही करने पहुंचे हैं। विधायक सुनील मणि तिवारी ने कहा कि मैंने अपने विधानसभा के सभी शिक्षा विभाग के अधिकारी को फोन कर कह दिया है कि आप अपने किसी भी अधिकारी को स्कूल जांच करने के लिए मत भेजिए। बता दें 29 मई को भीषण गर्मी के कारण प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में 350 बच्चे बेहोश हो गए थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसके बाद स्कूलों में छुट्टी का आदेश जारी किया था। शाम तक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने आदेश जारी किया कि बच्चों की छुट्टी है, लेकिन टीचर्स को आना पड़ेगा। विधायक जी से इसी पर सवाल किया गया। जिस पर वे भड़क गए। आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि नीतीश कुमार का सुशासन का दावा खोखला है। आपके विधायक ही पदाधिकारियों को धमकी दे रहे हैं। जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे, कहीं से भी उचित नहीं है। भाजपा के विधायक के इस वीडियो पर कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसी भाषा को समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। निरीक्षण करने का सख्त निर्देश वीसी में दिया गया है। शत-प्रतिशत विद्यालयों का निरीक्षण नहीं करने वाले पदाधिकारी और कर्मियों का दिनांक 30 मई से एक सप्ताह तक वेतन की कटौती की होगी।

लालू राजद का गमछा लेकर तेजस्वी व्हीलचेयर पर पहुंचे

बिहार। में लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में सासाराम, काराकाट, बक्सर, जहानाबाद, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, नालंदा में वोटिंग हो रही है। मतदान को लेकर लोगों में खास उत्साह दिख रहा है। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव राजद का गमछा लेकर राबड़ी देवी और अपनी बेटी रोहिणी आचार्य के साथ वोट डालने पहुंचे। सीएम नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर में मतदान किया। वहीं तेजस्वी पैर में दर्द होने की वजह से व्हीलचेयर पर अपने भाई तेजप्रताप के साथ मतदान करने आए। कहीं फर्स्ट वोटर वोटिंग को लेकर उत्साहित दिखे तो बुजुर्गों भी मतदान के लिए घरों से निकले। तस्वीरों में देखिए बिहार में मतदान

समस्तीपुर रिलायंस ज्वेलर्स लूटकांड में दो बदमाश धराए

समस्तीपुर। शहर के मोहनपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वेलर्स शो रूम से हुए करीब 8 करोड़ के जेवरात लूट कांड में जिला SIT को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर सूरत में छापेमारी कर लूट में शामिल दो लुटेरा को गिरफ्तार किया है, जिसकी निशानदेही पर सोना बिक्री का 4.85 लाख रुपए के साथ ही कुछ जवेरात भी बरामद करने में सफलता पाई है। सूरत से दोनों बदमाश को शनिवार को समस्तीपुर लाने के बाद घटना स्थल शो रूम ले जाया गया। SP विनय तिवारी ने पत्रकारों को पूरी घटना और कार्रवाई की जानकारी दी। गिरफ्तार बदमाश की पहचान वैशाली जिले के चकबालाधारी गांव के सत्यनारायण पासवान का बेटा राहुल पासवान और जिले के मोहनपुर थाने पत्थरघाट के रामउदेश्य के बेटे गगन राज के रूप में की गई है। रढ ने बताया कि 13 लोगों ने मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था। घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान हो गई है। फरार लोगों की गिरफ्तारी के लिए चार टीम का गठन किया गया है। जो काउंटिंग के बाद अपना काम शुरू करेगी। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बिहार के 10 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

बिहार। में भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है। कई जिलों में बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 10 जिलों में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा अन्य सभी जिलों में गर्म दिन रहने की संभावना जताई गई है। हालांकि, लू चलने को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। जिससे कुछ हद तक लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। वहीं बिहार में पिछले 3 दिनों में हीटवेव से 72 लोगों की मौत हो गई है। बिहार में पिछले 3 दिन में 71 लोगों की मौत हुई। इसमें सबसे अधिक औरंगाबाद में दो दिनों में 30 से ज्यादा मौत हो चुकी है। शनिवार को जमुई के झाझा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बलियोडीह उर्दू स्कूल के शिक्षक वासी अख्तर (490 की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टर ने पटना रेफर कर दिया। लेकिन, पटना ले जाने के दौरान रास्ते में ही शिक्षक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हीटवेव की वजह से उनकी तबीयत खराब हुई थी। वहीं, शुक्रवार को 9 और मौत हुई। गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में बनाए गए हीट वेव वार्ड में पांच मरीजों की मौत हो गई। छपरा के मांझी में लू लगने से तीन लोगों की मौत हो गई।सासाराम के नासरीगंज चकबंदी कार्यालय में कार्यरत शेर अफजाल अहमद की चुनाव ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। रोहतास में ट्रक चालक व तीन चुनाव कर्मियों की मौत हुई। वहीं, बिहारशरीफ में एक प्रधानाध्यापक की, लू के शिकार हुए पटना के मेदांता में इलाजरत बक्सर के एक व्यक्ति और आरा में एक शिक्षक की मौत हो गई। भोजपुर में मतदान कर्मी की शुक्रवार को मौत हो गई। अगिआंव विधानसभा क्षेत्र के बगही गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में पोलिंग ऑफिसर 3 के पद पर चुनाव ड्यूटी पर थे। वहीं चौरी थाना क्षेत्र के डीलिया गांव निवासी सुदामा कुमार (34) की भी हीट वेव से मौत हुई है। मौसम विभाग की ओर से आज एक ओर जहां पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पटना साहिब, बक्सर, पाटलिपुत्र, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद, भोजपुर और नालंदा के कई इलाकों में सुबह से ही कड़ी धूप निकलने की बात कही गई है। यहां अंतिम चरण में आज वोटिंग है। इन जिलों में तापमान 38 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है।

प्रकृति एवं पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

ललित गर्ग

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है।

लो कसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख

मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल-दर-साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा शृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

संपादकीय

मोदी का यह मौन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के शायद एकमात्र ऐसे नेता हैं जिनके किसी भी कृत्य पर, किसी भी वक्तव्य पर, किसी भी विचार और अभिव्यक्ति की किसी भी भंगिमा पर सामान्य प्रतिक्रिया नहीं होती। प्रतिक्रियाओं की हिलोर उठती है जो एक तरफ इनके अनुयायियों, प्रशंसकों और भक्तों को उत्साहित, प्रफुल्लित और उमंगित कर देती है तो दूसरी ओर उनके निंदकों को चिढ़ा देती है, उनमें विरोध पैदा करती है और कभी-कभी दुर्दभनीय गुस्सा भी पैदा करती है। शायद इस समय मोदी दुनिया के एकमात्र नेता होंगे जिनकी इतनी कटु आलोचना की गई हो। मोदी बड़े ठहरे हुए अंदाज में स्वयं को दी गई गालियों की संख्या और प्रकृति का जिक्र करते हैं और यह भी कहते हैं कि वह गालीप्रूफ हो चुके हैं। उनकी मुद्रा से लगता भी यही है कि वे सचमुच गालीप्रूफ हो चुके हैं। अब चुनाव के दौर में एक-एक दिन में कई-कई रैलियों को अनथक संबोधित करने के बाद और विरोध तथा समर्थन की अनेकानेक प्रतिक्रिया उत्पन्न करने के बाद प्रचार की समाप्ति पर उन्होंने 48 घंटे मौन व्रत साधना कन्याकुमारी के विवेकानंद स्मारक पर करने का निर्णय लिया तो उनका यह भला सा लगने वाला कदम भी विपक्षियों को कुरेदे बिना नहीं रह सका। बहुत से लोग जो प्रधानमंत्री को एक ही तर्ज पर, एक ही भाषा में, लगभग एक जैसी विषयवस्तु के ईर्द-गिर्द मोटे-तगड़े, कटु-कर्कश वाक प्रहार करते ऊब गए थे, उन्होंने सचमुच राहत की सांस ली कि कम-से-कम 48 घंटे उन्हें शांति के प्राप्त होंगे। कायदे से विपक्ष को भी उस चुप्पी पर चैन की सांस लेनी चाहिए थी कि भले ही चुनाव के अंत में ही सही कुछ घंटे तो शांति मिल ही रही है, लेकिन 'झड़े में कूड़ा' फेंक दिया। कहा कि मोदी मौन रहकर कैमरे के जरिये अपना प्रचार कर रहे हैं, वो तप नहीं तमाशा कर रहे हैं और कुछ ने तो ये कह दिया कि हार के डर से भगवान की शरण में गए हैं। बहरहाल, विपक्ष का जो काम है वह कर रहा है लेकिन देश के लोग कामना कर सकते हैं कि जिस शिला पर कभी विवेकानंद ने तपस्या की थी उसी तरह से मोदी भी ध्यान-साधना समाप्ति के पश्चात ऐसे भारत की संकल्पना लेकर लौटेंगे जो सर्वसमावेशी हो, जिसकी शैली भद्रतापूर्ण लोकतांत्रिक हो, जिसकी व्यावहारिकता निंदा, आलोचना, आरोप-प्रत्यारोप की न होकर परस्पर समझदारी, सहयोग और सहकार की हो। मोदी ऐसी साधना कर रहे हों तो सफल हों।

चिंतन-मनन

समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया।

अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं।

अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है :ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है।

मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा। इन उपदेशों से अरब प्रभावित हुए और उन्होंने उनका पूरी तरह पालन किया। उन्होंने इस्लाम अपनाने वाले गुलाम नीग्रो लोगों से अपनी बेटियां ब्याह कर उनसे सम्मानजनक संबंध बनाए।

क्या भारत में वरिष्ठ नागरिक होना गलत है?

क्या हमारे लिए अपना पूरा जीवन दाँव पर लगा देने वाले वरिष्ठ नागरिकों का हमारी नजरों में कोई मूल्य नहीं?

कुछ दिन पहले की बात है, मैं अपने घर से बाहर गली में टहल रहा था, मैं क्या देखता हूँ कि एक बुजुर्ग सज्जन सड़क के बीच कैंडी बेच रहे हैं, जो ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं। टेका लेकर चलने में एक छड़ी उनकी मदद कर रही थी। चेहरा कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा था। मैं भीतर तक हिल गया, जब मुझे याद आया कि वे कौन हैं। वे हाई स्कूल के समय के मेरे गणित के शिक्षक थे। उन्हें इस हालत में देखकर मुझे गहरा सदमा लगा। मैं उसके पास गया और जैसे ही मैंने अपना परिचय दिया, उनके चेहरे के गंभीर भाव धीरे-धीरे बदलने लगे, और एक फीकी-सी मुस्कान उनके चेहरे पर दिखी। मेरे भीतर उसके साथ अधिक समय बिताने के लिए उत्सुकता काफी बढ़ गई और मैंने उन्हें सुझाव दिया कि हम पास के पार्क में थोड़ी देर साथ बैठते हैं। मैंने उन्हें सबसे पास वाली बेंच तक पहुँचने में मदद की और हम बैठ गए। शुरूआत में कुछ अनौपचारिक बातचीत के बाद, मेरी जिज्ञासा मुझ पर हावी हो गई और मैं पूछने से खुद को नहीं रोक सका, ₹सर, क्या वजह है, जो आप इस हाल में हैं?₹

मेरा प्रश्न सुनते ही उनके चेहरे के भाव एक बार फिर बदलने में क्षण भर का भी समय नहीं लगा, इस बार उनके झुरीदार चेहरे पर गहरी उदासी छा गई। उन्होंने मुझे बताया कि मुझे और मेरी पत्नी को कुछ वर्ष पहले एक दुर्घटना का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप मेरा एक पैर टूट गया और मेरी पत्नी की दर्दनाक मृत्यु हो गई। पत्नी के निधन के बाद, कुछ समय तक तो मेरे दोनों बेटे मेरे साथ ही रहे, लेकिन एक-एक करके कुछ समय बाद दोनों विदेश वापस लौट गए। मैंने अपनी अधिकांश बचत अपने बेटों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा अर्जित करने और उन्हें विदेश भेजने में लगा दी थी। जो थोड़ा-बहुत पैसा बचा था, सो वह दैनिक जीवन के भरण-पोषण में लगता चला गया।

हालाँकि, पेंशन या बीमा पर भरोसा न करने के कारण, मेरी बचत कुछ ही समय में शून्य में तब्दील हो गई, जिसकी वजह से मैं भर पेट भोजन पाने के लिए भी मोहताज हो गया। जब मदद के लिए अपने बेटों से बात की और अपनी गंभीर परिस्थितियों के बारे में उन्हें बताया, तो उन्होंने कई तरह के बहाने बनाकर मुझसे जैसे किनारा ही कर लिया। कोई अन्य विकल्प न होने पर, पेट पालने के लिए जो कुछ भी कर सकता था, वह किया। दैनिक जरूरतें ही तो पूरी करना हैं, इसलिए मामूली आय के रूप में सड़कों पर घूम-घूमकर कैंडी बेचकर अपना गुजरा कर रहा हूँ। बच्चे जब मुझे देखते ही भागते हुए मेरे पास आ जाते हैं, तो मन को कुछ ऐसा सुकून मिल जाता है, जैसे अपने पोते-पोतियों से मिलने का मौका मिल गया हो। मेरे जीने और मुस्कुराने की सबसे बड़ी वजह ही ये बच्चे बन गए हैं।

उनकी कहानी ने मुझे भीतर तक झकझोर कर रख दिया। उस दिन मैंने यह महसूस किया कि वे इस दुर्दशा से अकेले नहीं जूझ रहे हैं। देश में ऐसे अनगिनत बुजुर्ग व्यक्ति हैं, जिन्हें अपने अंतिम दिनों में इसी तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वो बच्चे, जिनका जीवन बेहतर बनाने के लिए माता-पिता अपने जीवन का सुख-चैन तक हँसी-खुशी न्यौंछावर कर देते हैं, उनकी बेहतर परवरिश में कोई कसर नहीं छोड़ते, जो वे नहीं कर पाए, उनके बच्चे सब करें, ऐसी सोच रखते हैं, उन माता-पिता को समय आने पर अपने ही बच्चों से सिवाए धुत्कार कुछ नहीं मिलता। उम्र के अंतिम पड़ाव पर आकर उनके अपनों और यहाँ तक कि सरकारों द्वारा भी मौत के भरोसे छोड़ दिया जाता है, हाँ वही सरकार, जो सम्मानजनक जीवन के खोखले वादे करती है।

क्या उम्र बढ़ जाने से किसी व्यक्ति का मोल कम हो जाता है? क्या हमारा मोल सिर्फ भौतिक सुख-सुविधाओं से ही मापा जाता है? यदि हमारे युग की गंभीर वास्तविकता यही है, तो क्या इसका मतलब यह है कि 60 की उम्र पार करने के बाद बुजुर्ग पैसा खर्च करने के लायक नहीं हैं? या फिर इस उम्र में उनके कोई खर्चे ही नहीं होते हैं? कोई स्पष्ट तो करे कि इसे समझा क्या जाए? ऐसे हजारों प्रश्न हमारे समाज में बुजुर्ग नागरिकों के प्रति व्यवहार को चुनौती देते हैं और हमें अपनी प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कुछ समय पहले, माननीय राज्यसभा सांसद जया बच्चन जी द्वारा एक महत्वपूर्ण बहस छेड़ी गई थी, जिसमें उन्होंने भावुक भाषण देते हुए कहा कि सरकार को 65 वर्ष की आयु तक पहुँचने के बाद वरिष्ठ नागरिकों को अनिवार्य रूप से मार डालना चाहिए, क्योंकि सरकार उन पर ध्यान ही नहीं दे रही है। इसके अलावा, उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए कुछ विशेष अधिकारों की माँग की। हालाँकि, यह बयान सुनने और देखने में उत्तेजक प्रतीत हो सकता है, लेकिन यह भारत की बुजुर्ग आबादी द्वारा सामना किए जाने वाले कुछ बेहद गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डालता है। ऐसा लगता है कि भारत में वरिष्ठ नागरिक न सिर्फ अपनों, बल्कि दूसरों को भी बोझ लगने लगे हैं। जीवन का सबसे अधिक तजुर्बा होने और हमें श्रेष्ठ जीवन देने के नाते उन्हें जो हकीकत में सम्मान और देखभाल मिलनी चाहिए, अब वह मॉडर्न जमाने में कहीं गुम हो गई है। नई दुनिया के ढकोसलों की चपेट में आकर शायद हम उनके अधिकारों को भूल बैठे हैं।

भारत में वरिष्ठ नागरिकों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। 70 वर्ष की आयु के बाद उन्हें चिकित्सा बीमा से वंचित कर दिया जाता है। यह सबसे बड़े कारणों में से एक है कि उनकी उम्र बढ़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा उनकी पहुँच से बाहर होती जाती है। इतना ही नहीं, लोन और ड्राइविंग लाइसेंस तक पहुँच को भी प्रतिबंधित कर दिया जाता है, जिससे उनकी स्वतंत्रता आपो-आप ही सीमित हो जाती है। बात यहीं आकर खत्म नहीं होती, सरकार को आजीवन भर-भर कर टैक्स और प्रीमियम्स देने और समाज में तमाम तरह के योगदान देने के बावजूद उनके लिए रोजगार के अवसर कम ही हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं।

यदि हम अब भी नहीं पहचान सकें कि वरिष्ठ नागरिक समाज के लिए एक अमूल्य संपत्ति हैं, तो बहुत देर हो जाएगी। वे ज्ञान, मार्गदर्शन और हमारी विरासत से हमें जोड़कर रखने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। वे हमारे समाज के नैतिक ढाँचे को आकार देने में मदद करते हैं और परंपराओं को आगे बढ़ाने में सहायक होते हैं।

सरकार को चाहिए कि वह देश के वरिष्ठ नागरिकों की भलाई को प्राथमिकता दे। वे पूरे देश से समर्थन के पात्र हैं, जिसमें पेंशन, यात्रा रियायतें, सरकारी सहायता के साथ अनिवार्य बीमा और कानूनी मामलों का तुरंत समाधान शामिल है। प्रत्येक शहर में आवास के माध्यम से आवश्यक सुविधाओं के साथ वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है और समुदाय की भावना को बढ़ावा दिया जा सकता है।

संक्षेप में, यह जरूरी है कि हम वरिष्ठ नागरिकों के उस अपार मूल्य को स्वीकार करें, जो वे हमारे समाज में लाते हैं और उन्हें वह देखभाल, सम्मान और समर्थन प्रदान करें, जिसके वे उचित हकदार हैं, क्योंकि उन्होंने अपना पूरा जीवन हमारी देखभाल करने में बिता दिया है, इसलिए अब बारी हमारी है।

- अतुल मलिकराम

मुद्दा : चुनावों में पारदर्शिता पर जोर

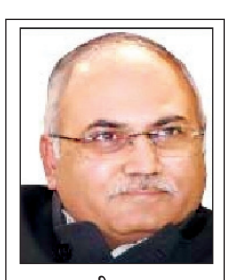

रजनीश कपूर

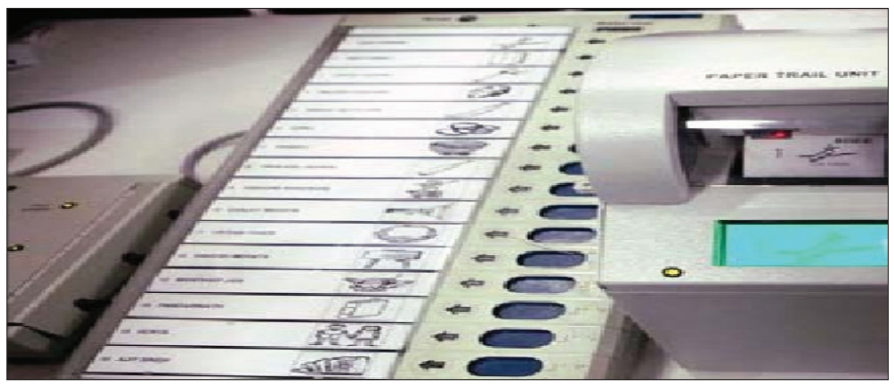

वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव अपने अंतिम चरण तक पहुंच गए हैं। आने वाले दिनों में सभी को चुनावी एग्जिट पोल और 4 जून का बेसब्री से इंतजार रहेगा। सभी यह देखना चाहेंगे कि विवादों में घिरी 'ईवीएम' किसकी सरकार बनाएगी? हर राजनैतिक दल बड़े-बड़े दावे कर रहा है कि उसका दल या उसके समर्थन वाला समूह सरकार बनाने जा रहा है। ऐसे में यह भी देखना जरूरी है कि केंद्रीय चुनाव आयोग जिसकी कार्यशैली पर कई सवाल उठे, वह इस चुनाव को कितनी पारदर्शिता से संपूर्ण करेगा?

देश का आम चुनाव हमेशा से ही एक पर्व की तरह मनाया जाता है। इसमें हर राजनैतिक दल अपने अपने वोटरों के पास अगले पांच साल के लिए उनके मत की अपेक्षा में उन्हें बड़े-बड़े वादे देकर लुभाने की कोशिश करते हैं, परंतु देश की जनता भी यह जान चुकी है कि दल चाहे कोई भी हो, राजनैतिक वादे सभी दल ऐसे करते हैं कि मानो जनता उनके लिए पूजनीय है और ये नेता उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं, परंतु क्या वास्तव में ऐसा होता है कि चुनावी वादे पूरे किए जाते हैं? चुनाव का आयोजन करने वाली सर्वोच्च सांविधानिक संस्था केंद्रीय चुनाव आयोग इन चुनावों को कितनी पारदर्शिता से कराती है इसकी बात बीते कई महीनों से सभी कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौका दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए। बीते कुछ महीनों में चुनाव आयोग पर पहले ईवीएम को लेकर और फिर वीवीपैट को लेकर काफी विवाद रहा। हर विपक्षी दल ने एक सुर में यह आवाज लगाई कि देश से ईवीएम को हटा कर बैलट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए, परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ईवीएम को जारी रखा। इन विवादों के बाद चुनाव की मतगणना को लेकर फॉर्म 17सी पर एक नई बहस उठी जो देश की शीर्ष अदालत जा पहुंची। दरअसल, फॉर्म 17सी वह फॉर्म होता है जिसमें चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत देशभर के प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकार्ड होता है। फॉर्म 17सी में मतदान केंद्र के कोड नंबर और नाम, मतदाताओं की संख्या। उन मतदाताओं की संख्या जिन्होंने मतदान न करने का निर्णय लिया। उन मतदाताओं की संख्या जिन्हें मतदान करने की अनुमति नहीं मिली। दर्ज किए गए वोटों की संख्या। खारिज किए गए वोटों की संख्या। वोटों के खारिज करने के कारण। स्वीकार किए गए वोटों की संख्या। डाक मतपत्रों का डाटा भी शामिल होता है। इस जानकारी को मतदान अधिकारियों द्वारा भरा जाता है और प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जांचा भी जाता है। मतगणना के दिन, गिनती से पहले, फॉर्म 17सी के दूसरे भाग में प्रत्येक बूथ से गिने गए कुल वोट व डाले गए कुल वोटों की समानता को जांचा जाता है। यह व्यवस्था किसी भी पार्टी द्वारा वोटों में हेरफेर से बचने के लिए बनाई गई है। यह डाटा मतगणना केंद्र के पर्यवेक्षक द्वारा दर्ज किया जाता है। प्रत्येक उम्मीदवार (या उनके प्रतिनिधि) को फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांचा जाता है। इसके बाद ही मतों की गिनती शुरू होती है। गौरतलब है कि मतदान डाटा का उपयोग चुनाव परिणाम को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए किया जा सकता है। एक ओर जहां चुनाव में ईवीएम से छेड़छाड़ पर सवाल उठाया गया है वहीं फॉर्म 17सी से मतदान में हुई गड़बड़ी (यदि हुई हो तो) का पता चल सकता है।

जिस तरह पहले और दूसरे चरण के मतदान के आंकड़ों को जारी करने में देरी व बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर प्रश्न उठा तो विपक्ष ने फॉर्म 17सी को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। देश की शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने अपना पक्ष रखा और विपक्षी पार्टियों ने अपना पक्ष रखा, परंतु सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कोई निर्णय नहीं दिया। बीते सप्ताह देश के नामी वकील और सांविधानिक विशेषज्ञ कपिल सिब्बल ने प्रेस सम्मेलन में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एक चेकलिस्ट जारी की। सिब्बल ने हर राजनैतिक दल और उनके मतदान/मतगणना एजेंटों के लिए आगामी 4 जून को आम चुनाव की गिनती से पहले जारी की गई इस चेकलिस्ट के माध्यम से यह समझाया है कि उन्हें कब क्या देखना है। सिब्बल के अनुसार ह्यबहुत से लोग कह रहे हैं कि इन मशीनों के साथ संभवतः छेड़छाड़ की गई है। इसलिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके साथ कोई छेड़छाड़ न हो, इससे ज्यादा कुछ नहीं।' सिब्बल की इस चेकलिस्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। जिस तरह चुनाव आयोग इवीएम और वीवीपैट को लेकर पहले से ही विवादों में घिरा हुआ है उसे चुनाव में पारदर्शिता का न केवल दावा करना चाहिए बल्कि पारदर्शी दिखाई भी देना चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The Bhima Koregaon saga of injustice

ALPA Shah, whose family hailed from Gujarat, was raised in Nairobi, where my deceased wife, Melba, was born and lived till the age of 10. The Mau Mau movement in Kenya forced many families of Indian origin to leave that country. The Menezes of Goa — to which my wife belonged — was among the few families that returned to India. They sailed back to Goa, while Alpa emigrated to England.She studied at Cambridge University and the London School of Economics, where she is presently a professor of anthropology. She is the author of Nightmarch and In the Shadows of the State. But it is her recent book, The Incarcerations: Bhima Koregaon and the Search for Democracy in India, that got me acquainted with this intrepid warrior for human rights.

Incarcerations was published in March. Alpa has delved into the personal history of each of the 16 men and women accused of being members of a banned Maoist organisation that was allegedly plotting to kill Prime Minister Narendra Modi. The accusation of plotting to kill Modi appears to have been added for effect. It was not repeated during the investigations.

Those arrested in the Bhima Koregaon case were a motley crowd of lawyers, academics, writers, poets and even balladeers, some not even known to the others, like Kabir Kala Manch poet Sudhir Dhawale, singers Ramesh Gaichor, Sagar Gorkhe and Jyoti Jagtap.Each of them spent many years in jail without being convicted, without even being tried! Since they were arrested under the draconian UAPA (Unlawful Activities Prevention Act), the process was phased to become the sentence. Bail is almost impossible to obtain in UAPA cases. The charges against the Bhima Koregaon accused have not yet been framed, though the first arrests were made in 2018. A few of them are on bail. Some are still in prison. Their trial is not likely to start anytime in the near future.

'Bail, not jail' was the principle laid down by Justice VR Krishna Iyer, one of the most respected jurists to have graced the Supreme Court. His elder brother, VR Laxminarayanan, an IPS colleague of mine, served in the CBI. The UAPA was meant to neutralise the 'mischief' of that legal principle in cases where the security of the nation was said to be threatened. But in actual practice, it has been turned into an instrument of injustice, confining citizens arrested under that Act to incarceration without trial for years together.The 16 incarcerated activists belong to different communities. There are four Christians — Fr Stan Swamy (now deceased), a Jesuit priest born in an affluent landholding family of Tamil Nadu, Vernon Gonsalves and Arun Ferreira of Mumbai and Rona Wilson of Kerala. There is one Muslim, Hany Babu, also from Kerala, and seven Dalit rights activists — Anand Teltumbde, married to Rama, granddaughter of Dalit icon BR Ambedkar, Jyoti Jagtap, Sagar Gorkhe, Ramesh Gaichor, Sudhir Dhawale, Surendra Gadling and Shoma Sen.The rest were upper-caste Hindus — Bharadwaj, Mahesh Raut (a forest rights activist from Gadchiroli), Gautam Navlakha, a human rights activist whose partner Sabha Husain was a women's rights activist, and Varavara Rao, a left-oriented poet from Hyderabad who had been in prison earlier for his poems and activities.

Bharadwaj and Fr Swamy were fighting for tribal rights. Bharadwaj was born in the US to Indian parents who were academics. She had a US passport, which she surrendered when she decided to spend her life with the tribals fighting for their due by law. She studied at IIT-Kanpur. Bharadwaj spent three years in jail before being released by the Bombay High Court. Her only 'crime' was taking up the cause of tribals who were being dispossessed of their land in Chhattisgarh.Under Fr Swamy's leadership, tribals were made aware of their rights in accordance with the laws in force. These laws militated against the mining of iron ore and coal in tribal lands. Many corporate groups were hit by the objections raised by the Ho tribals of Jharkhand, prompted by Fr Swamy. He spent a year in jail and died in judicial custody.Teltumbde was an engineer who worked for two decades at Bharat Petroleum before he was appointed CEO and Managing Director of Petronet India, an oil and gas production company in the public sector. Before he retired.

Juvenile justice must balance punishment with rehabilitation

The legal framework offers various options for dealing with offenders, including the application of the strictest measures.

IN the aftermath of the May 19 Pune accident, in which two young bike-borne engineers were fatally hit by a Porsche car driven by a 17-year-old boy, a web of cover-ups and misuse of power has emerged, involving politicians, doctors and law enforcement officials.

The minor had reportedly been drinking at pubs before the accident. A local MLA is accused of influencing the investigation and is linked to doctors who allegedly tampered with the teenager's blood sample to conceal alcohol consumption. The Juvenile Justice Board, particularly its non-judicial member, has faced flak for initially granting bail to the boy on lenient conditions like writing an essay. The minor's father and grandfather have been accused of wilful neglect and manipulating evidence and witnesses, including an alleged attempt to coerce their driver into taking the blame for the mishap. Police officials have been suspended for mishandling the case. The lapses on their part include a delayed collection of the teen's blood sample and initially pressing less serious charges.The case underscores the complex interplay of influence and accountability, highlighting significant lapses and raising questions about the integrity of not only the juvenile justice system but the criminal justice system in general, which can be manipulated by the rich and powerful. Besides, such cases demonstrate that some minors display adult-level criminal behaviour.

Heinous crimes, such as rapes, violent assaults and fatal accidents, being committed by juveniles across the world highlight this trend. In England and Wales, stop and searches involving children rose by 13 per cent in one year, and arrests increased by 9 per cent, pointing to a rise in youth involvement in serious offences. The reoffending rate among juveniles in the UK has increased to 32.2 per cent, suggesting that the current system may not be addressing the root causes of juvenile delinquency.

In India, according to the National Crime Records Bureau (NCRB), there was a significant increase in juvenile crimes, rising by 30 per cent in 2020 compared to the year before. Most of these offenders were in the 16-18 age group. Rape and murder were among the offences committed by them, underlining a worrying trend that has seen minors commit serious sexual crimes The NCRB data from 2002 to 2012 shows an increase of 143 per cent in the number of rapes by juveniles, an 87 per cent rise in murders and an alarming increase of 500 per cent in kidnappings of women and girls by minors.

High-profile cases of heinous crimes committed by underage persons draw media attention and public scrutiny, shaping perceptions and influencing the debate on juvenile justice. These cases amplify the public sentiment and lead to calls for harsher penalties for the minors behind such serious crimes. The Nirbhaya case prompted amendments in criminal laws to enhance penalties for sexual offences. But the changes have not addressed the root causes of juvenile delinquency or the developmental and psychological aspects of juveniles.

Research indicates that public confidence in the justice system is affected by the perceived leniency in such cases. A Pew Research Centre study found that 58 per cent of the Americans believe that the justice system was too lenient when it came to juvenile offenders, a concern applicable to other countries, including India. Although substantial evidence supports rehabilitation over punishment for juveniles, the US juvenile justice system often leans towards stricter penalties in view of public and political pressure. However, recent reforms and shifts towards rehabilitation indicate recognition of the need for a balanced approach that prioritises the wellbeing of young offenders and takes into consideration their prospects, according to the Harvard Undergraduate Law Review.A balanced approach to punishment and rehabilitation is essential for maintaining public trust in the juvenile justice system. Transparent and fair handling of cases involving juveniles is the key. The Juvenile Justice Act permits the trial of juveniles aged 16-18 as adults for heinous crimes, provided that their mental capacity to understand the crime is proven. To ensure swift action and mitigate public outcry, initial psychological evaluations could be expedited. This demonstrates the system's responsiveness in addressing severe offences.

The legal framework offers various options for dealing with offenders, including the application of the strictest measures. For instance, the boy involved in the fatal car accident should have faced more stringent consequences, such as extended detention, mandatory community service or strict probation. A recent study published in Frontiers in Psychology supports this approach, revealing that despite ongoing brain development, juveniles, particularly those aged 16-18, often have the cognitive and moral maturity to grasp the severity of their actions. This ensures that the punishment is proportionate to the severity of the crime and addresses public concerns about leniency.Rehabilitation programmes for juveniles who commit serious offences should include structured activities like regimented training, cadet programmes, firefighting,

civic service corps, agricultural initiatives, sports, and skill development in construction and trades. These programmes, encompassing law enforcement training, emergency skills, community projects and hands-on public service, not only address behavioural issues but also prepare the underage offenders for societal reintegration, ultimately reducing recidivism and fostering long-term success. By putting in place a stringent legal framework that ensures swift and transparent trials and balances justice with rehabilitation, the system can address both punitive and reformative needs while reinforcing societal values that discourage violent behaviour.As Marian Wright Edelman, founder of the Children's Defence Fund, stated, "Justice is not cheap. Justice is not quick. It is not ever finally achieved. It is hard, continuous work to bring about social change." This approach avoids the pitfalls of short-term penal solutions driven by public pressure

Dera chief's acquittal

Urbanisation under fire as region sizzles

THE tragic death of a 40-year-old man due to heatstroke in Delhi underscores the lethal consequences of the ongoing heatwave. With temperatures reaching unprecedented levels, including a questionable 52.9°C in Delhi, the NCR is grappling with an environmental crisis with far-reaching impacts. The previous record was 51°C, clocked by Rajasthan's Phalodi in 2016. The scorching reality extends to Punjab, Haryana and Rajasthan, where the mercury has soared alarmingly in the past week. Rohtak recording 48.8°C and Chandigarh experiencing its hottest day at 46°C are some telling examples.

These extreme conditions are part of a broader pattern affecting North India. The brutal weather has forced schools in the region to shut a few days ahead of the scheduled vacation and raised the risk of heatstroke for people working outdoors. This is compounded by a severe water crisis. As temperatures soar, the demand for water has escalated, but supply remains critically inadequate. Residents in some affected towns and cities are receiving it through tankers, leading to scenes of desperate residents jostling for water. This dire situation poses significant public health risks.The struggle is symptomatic of climatic shifts affecting urban India. Record-breaking temperatures, exacerbated by urban heat islands, highlight the urgent need for adaptive measures. This phenomenon, in which urban areas experience significantly higher temperatures than their rural surroundings, is driven by factors such as rampant concrete expansion and dwindling green spaces. Climate change is intensifying heatwaves across the globe. Urbanisation, without adequate planning for climate resilience, has turned cities into furnaces. The frequency and severity of heatwaves will increase, unless comprehensive mitigation and adaptation strategies are implemented. The tragic death in Delhi should serve as a wake-up call for sustained action to protect vulnerable populations from global warming.

Political wisdom a must to solve Punjab's problems

The Delhi statehood demand is part of a sinister agenda which keeps cropping up during the elections to whip up parochial sentiments.

PUNJAB goes to the polls tomorrow, with four major parties in the fray. The BJP and the Aam Aadmi Party (AAP) are in power at the Centre and in the state, respectively. In the past three decades or so, the Congress and the Shiromani Akali Dal (SAD)-BJP alliance have ruled the state for 15 years each.

Prime Minister Narendra Modi, interviewed by this newspaper, is promoting the BJP's vision and record of good governance. Farmers sitting in the searing heat at the Shambhu border would disagree. He has argued that the SAD-BJP alliance ended due to a "series of electoral routs" and the ally's inability to 'reform' and move "with the times". He has concluded that Punjab is 'disgusted' with AAP, 'disillusioned' with the Congress and 'disappointed' with the SAD.

He is partly right on all counts. The SAD was founded in 1920 after the Jallianwala Bagh massacre to wrest control of Darbar Sahib and other gurdwaras from the British or their nominee mahants. Thereafter, the Akali leadership and the Congress were mostly in alignment during the freedom struggle. However, before attending the 1929 Lahore Congress session, the Akalis sought a commitment that no constitutional arrangement would be concluded without Sikh concurrence. This was reiterated before Independence. Although upset over the Partition on communal lines, the Sikh leadership rejected negotiations with Muhammad Ali Jinnah for an autonomous Sikh province within Pakistan.But neither the Congress in the past nor the BJP now has understood the Sikhs' fears over the perceived threat to their language, religion and identity. This has surfaced periodically and been mishandled each time. The States' Reorganisation Act, 1956, reformed the boundaries of states on a linguistic basis, except those of Punjab. The Akali Dal's Punjabi Suba agitation persisted till the demand was conceded a decade later, albeit with many issues left unsettled or conditionally resolved.The decade-long militancy, Operation Blue Star and the PM's assassination by her Sikh bodyguards shaped the Sikh angst. The 1984 mass killings of Sikhs, especially in Delhi, scarred the Sikh psyche. The SAD, under Parkash Singh Badal, by aligning with the BJP, managed to bridge the communal divide. After his demise in 2023, the SAD has been reduced to a family enterprise with a Panthic veneer. The wooing of Dera Sacha Sauda head Gurmeet Ram Rahim Singh by getting the Sikh clergy to pardon his blasphemous conduct was the last straw. The BJP, too, is pampering him in Haryana, with parole being granted leniently. Electoral benefit, not Sikh sentiments, takes precedence.The SAD-BJP romance ended mainly over differences regarding the handling of the farmers' agitation in protest against the three Central farm laws. The BJP, instead of addressing the rural distress and the farming crisis in Punjab and Haryana, is adopting a divide-and-win policy.t began with former CM Capt Amarinder Singh and the Dhindsa family being lured by the BJP. While the Dhindsas reversed course, Congress leaders like Manpreet Singh Badal and Sunil Jakhar joined the BJP. Their collective influence, the BJP's urban Hindu support and the dera-guided Dalit vote were expected to enhance the BJP's political prospects in Punjab.The latest entrant is former diplomat Taranjit Singh Sandhu as the BJP's Amritsar candidate. The BJP hopes to capitalise on the legacy of his grandfather Teja Singh Samundri, who died in custody in 1926, resisting British interference in Sikh gurdwara management. Historically, Punjab has memorialised martyrs like Samundri, but punished those collaborating with perceived oppressors.

Amritpal Singh's sudden ascendance, followed by his arrest and now his candidature from Khadoor Sahib seat lead to the question: Is he the inheritor of the Samundri legacy or is it the grandson?Punjab's problems are self-evident, but no party is comprehensively discussing solutions. They range from debt-caused rural distress, unsustainable farming, fragmented landholdings, joblessness, massive youth migration, lack of inbound investment in sustainable manufacturing, environmental stress and drug addiction. The export of agricultural or horticultural produce is a recurrent proposal. However, no system exists to facilitate it. The talk of reviving trade routes to Central Asia ignores the BJP's aggressive policy on Pakistan.

Simply bringing private entrepreneurs to lift the produce will create imbalanced profiteering by some in select districts. I have known MA Yusuff Ali of the LuLu Group since his pre-billionaire days in the late 1990s. He is a shrewd trader, now aiding the BJP electorally by promising procurement from Punjab.

Punjab needs a cooperative network for food procurement and export, like the Anand dairy cooperative which procures, processes and markets produce. They introduce modern techniques and deliver services that individual members can neither afford nor manage. The Abu Dhabi proposal for the India-UAE Food Sector Corridor was announced in February 2022, with an outlay of $7 billion. India amended the Essential Commodities Act to allow 'contract farming' and supply chains for export. The UAE budgeted $2 billion for a food park to supply onions, rice and bananas. But the first big investment is going to Gujarat, with Madhya Pradesh also a beneficiary. Why have the northern states been ignored?This proposal assumes the collaboration of the US and Israel under the four-nation I2U2 format. But Israel's Gaza misadventure degrades its viability as a partner. The same factors also threaten the India-Middle East-Europe Economic Corridor.

The perils of dependence on individual businessmen or a single export destination are demonstrated by the fate of Himachal Pradesh's apple growers. 'Contract farming' needs guidelines and oversight to protect farmers. Punjab requires the political wisdom of Partap Singh Kairon. During his eight-year tenure, he established Punjab Agricultural University ahead of the Green Revolution, anticipating a demand for trained agricultural scientists.

Punjabis must introspect before voting. Outside the Hindi-belt states, regional parties have flourished. The SAD once performed that role. Historically, Punjabis resist autocracy and reject communalism. Let their instincts again guide them. This election is to save India, as envisaged by its founding fathers. Saving Punjab is a project for after June 4.

Windfall tax on crude petroleum cut to Rs 5,200/tonne

NEW DELHI. The government has reduced windfall tax on domestically-produced crude oil to Rs 5,200 per tonne from Rs 5,700 with effect from Saturday.

The tax is levied in the form of Special Additional Excise Duty (SAED).SAED on the export of diesel, petrol and jet fuel or ATF, has been retained at 'nil'.

The new rates are effective from June 1, an official notification said.India first imposed windfall profit taxes on July 1, 2022, joining a host of nations that tax supernormal profits of energy companies.

The tax rates are reviewed every fortnight based on average oil prices in the previous two weeks.

TCS chairman says AI empowers employees, boosts their productivity

BENGALURU. Artificial Intelligence (AI) will empower every employee to perform at a higher level or productivity, Tata Sons chairman N Chandrasekaran said at the group's IT services arm TCS' 29th Annual General Meeting (AGM) held on Friday."Gen AI will have a significant impact on nearly every sector and country in future. All industries will witness higher productivity. Enterprises have already invested in cloud, data infrastructure and large processing power which will aid AI/ Gen AI. Gen AI will not only improve productivity, but also create impact we hitherto have not seen or imagined," he added.Tata Group firms are executing more than 100 GenAI projects. "In the Tata Group, we are in the midst of executing 100+ Gen AI projects which are demonstrating tangible business impact on customer experience, productivity and

efficiency," he said.In ecommerce, Gen AI is being used to generate product catalogs, deliver conversational shopping experience and provide personalised offers. In manufacturing, Gen AI is enabling shop floor workers to troubleshoot complex equipment by asking questions in their native languages, thereby improving productivity, he added.In FY24, TCS consolidated AI and cloud expertise with the creation of the AI.Cloud unit. The IT services firm has upskilled more than 3 lakh employees on Gen AI technologies and the company's products and services are also being enhanced with AI capabilities.

Bank Holidays In June 2024: Banks To Remain Closed For 12 Days This Month; Check Full List

In June 2024, banks across India will observe a total of 12 holidays, according to the Reserve Bank of India (RBI) holiday list. These holidays include state-wise regional holidays, the second and fourth Saturdays, and all Sundays. This month is notable for having five Sundays, contributing to the higher number of bank holidays.Customers who need to visit bank branches for services that cannot be conducted online should plan their visits around these holidays. It's important to note the specific state-wise holidays as they can vary. Checking the state-specific holiday list can help avoid any inconvenience.

Banks across the country will remain closed on June 17 on the occasion of Bakrid/Eid-ul-Azha. Banks will not function in Jammu and Srinagar on June 18 as well. In

such a situation, you should immediately complete your important work related to the bank. So that you don't have to face any kind of trouble.

Here is the Full List of Bank Holidays in June 2024

Bank holiday on June 1: The seventh phase of voting for the Lok Sabha elections is scheduled for June 1 after six phases were held on April 19, April 26, May 7, May 13, May 20 and May 25. Owing to polling on June 1, banks in various cities will be closed. For phase 7 of the Lok Sabha Election 2024, banks will remain closed in Bihar, Himachal Pradesh, Jharkhand, Odisha, Punjab, Uttar Pradesh, West Bengal, and Chandigarh.

Constituences, where banks will be closed on June 1, include Nalanda, Patna Sahib, Pataliputra, Arrah, Buxar, Sasaram, Karakat, Jahanabad, Kangra, Mandi, Hamirpur, Shimla, Rajmahal, Dumka, Godda, Mayurbhanj, Balasore, Bhadrak, Jajpur, Kendrapara, Jagatsinghpur, Gurdaspur, Amritsar, Khadoor Sahib, Jalandhar, Hoshiarpur, Anandpur Sahib, Ludhiana, Fatehgarh Sahib, Faridkot, Firozpur, Bathinda, Sangrur, Patiala, Maharajganj, Gorakhpur, Kushi Nagar, Deoria, Bansgaon, Ghosi, Salempur, Ballia, Ghazipur, Chandauli, Varanasi, Mirzapur, Robertsganj, Dum Dum, Barasat, Basirhat, Jaynagar, Mathurapur, Diamond Harbour, Jadavpur, Kolkata Dakshin, Kolkata Uttar and Chandigarh.

Top 100 companies to verify market rumours promptly starting June 1

Sebi through its newly introduced rumour verification framework has excluded the price volatility in arriving at average market price for corporate actions in a bid to make it fair for all investors at large.

EW DELHI. The top 100 listed companies by market capitalization will have to confirm or deny any market rumour reported in the mainstream media from this Saturday.The rule will be applicable for top 250 companies from December 1.

Under the Sebi's rule, these companies will have to 'confirm, deny, or clarify any reported event or information in the mainstream media that is not general in nature and that indicates that rumours of an impending specific material event' are circulating amongst the investing public within 24 hours from the reporting of the information.Sebi through its newly introduced rumour verification framework has excluded the price volatility in arriving at average market price for corporate actions in a bid to make it fair for all investors at large."The move would dissuade leaking of information that would affect the valuation in the given corporation action.

This initiative of Sebi would help strengthen the rumour verification framework.It would help in achieving a fair market thereby making it a preferred market for investors all over the world," Makarand M Joshi, founder, MMJC and Associates, a corporate compliance firm, said.While calculating the price for various corporate actions such as buyback through book building, buyback through stock exchange, qualified institutional placement, preferential allotment, takeovers, effect on shares price due to material price movement and confirmation of reported event or information can be excluded.It means that while calculating price for corporate actions the period during which material price movement was seen in the stock due to confirmed rumours would be excluded.Market rumours pertaining to a company's business can create significant volatility in stock prices, often leading to transactions that don't reflect a company's true value.

This market rumours could be related to anything, including exiting of top management, cancellation of an order and financial health."Sebi's framework addresses this issue by establishing a mechanism to determine the unaffected price -- the price of a stock before the rumour surfaced.This price would be used for transactions unless the rumour itself caused.

Coal stocks sufficient to meet for 19 days needs

"This has been made possible by ensuring smooth and adequate logistical arrangements for supply of coal," the ministry said in a statement.

NEW DELHI. Despite high power demand across the country, coal stocks are sufficient to meet requirements for 19 days. According to the data from the Ministry of Coal, coal stocks at thermal power plants remain above 45 million tonne (MT), a 30% increase compared to last year.oal production has grown by over 8% as against last year. In May 2024, average daily depletion of coal at thermal power plants was only 10,000 tonne."This has been made possible by ensuring smooth and adequate logistical arrangements for supply of coal," the ministry said in a statement. "The mechanism of a sub-group comprising representatives from the

Ministries of Power, Coal, Railways, and power generating companies is playing an effective role in maintaining an efficient supply chain."The power demand hit a record high of 250 GW on Thursday (May 30). This is the highest power demand met this summer, as per power ministry data. The previous peak of 243.27 GW was recorded in September 2023. Many states recorded peak power demand, for instance, Uttar Pradesh and Maharashtra recorded 28 GW maximum demand on May 30, Gujarat 24 GW, Tamil Nadu 19 GW recorded maximum demand.

As per coal ministry data, stockpiles at mine pitheads exceed 100 MT, ensuring ample supplies for power sector. The ministry said the Ministry of Railways has ensured a 9% average growth in daily availability of railway rakes for coal transportation. Evacuation of coal via coastal shipping has seen major growth.

Traditionally, coal was transported only via Paradip Port. Under proper coordination as per the coal logistics policy, coal is now being evacuated via Dhamra and Gangavaram ports as well. Infra improvements in railway have contributed to faster movement of rakes from Son Nagar to Dadri, resulting in 100% improvement in turnaround time.

Jefferies bullish on Adanis as Group sees rise in profit, lines up $90 bn capex

NEW DELHI. Gautam Adani-led Adani Group has received an upgrade by Jefferies as the conglomerate's 10 listed firms saw a 55% rise in profit for the fiscal year ending March 2024. The Group, recovering from major setback, caused by Hindenburg Research's report, is back to an expansion spree and eyeing a $90 billion capex over next decade.

"During FY24, Adani group EBITDA (for listed cos) grew 40% YoY to Rs 66,000 crore, with more than doubling of Adani Power's EBITDA on capacity addition, higher volumes, merchant contribution and lower imported coal prices. For other group companies, EBITDA growth was in the range of 16-33%, except Adani Wilmar which saw a YoY fall," said Jefferies report.As per the report, Adani Enterprises' 29% YoY EBITDA growth was led by jump in

new incubating businesses (ANIL/solar, airports) and IRM trading business. Adani (Ambuja) Cement's EBITDA scale up was led by uptick in unit EBITDA.

Adani Port's growth was led by 24% growth in volume; Adani Green: 33% EBITDA growth was driven by 2.8GW capacity addition and 100bps higher CUF; Adani Energy: 16% EBITDA driven by new line addition; Adani Total Gas' 27% YoY growth was driven by 15% volume growth and gross margin expansion aided by lower gas costs. Adani Wilmar's EBITDA fell YoY due to inventory losses (dip in oil prices) and misalignment of hedges.

Jefferies said the leverage ratio improved to a multi-year low at group level. Adani's high debt levels have always been a point of concern. "Net debt at the group level (8 firms + debt related to cement business acquisition) remained stable at Rs 2.2 lakh cr in FY24 vs Rs 2.3 lakh cr. Net debt/EBITDA improved materially to 3.3x FY24 EBITDA vs 5x YoY. ," said Jefferies.

With 8.2% GDP growth, India remains top mover

NEW DELHI. India's economy is estimated to have grown by 8.2% in 2023-24, led by a solid expansion in manufacturing and construction sectors, and a strong push from Jan-March quarter growth, beating expectations and laying a robust foundation for the new govt, which assumes office this month after the polls. The strong numbers will help govt push reforms to sustain rapid expansion against the backdrop of global challenges.

Data released by National Statistical Office (NSO) Friday showed the economy grew 7.8% in Jan-Mar quarter, slower than the upwardly revised 8.6% in Oct-Dec period but above the 6.2% recorded in fourth quarter of the previous fiscal year. This helped push growth to 8.2%, higher than the second advance estimate of 7.6%. This is higher than most estimates and above RBI's 7% projection.The strong growth numbers will help India retain the fastest growing major economy tag.The Q4 GDP growth data for 2023-24 shows robust momentum in our economy which is poised to further accelerate," PM Modi posted on X, asserting this was "a trailer of things to come".

Finance minister Nirmala Sitharaman

said many high frequency indicators indicate the Indian economy continues to remain resilient and buoyant despite global challenges. "India's growth momentum will continue in the third term of Modi-led govt," Sitharaman, who completed five years as FM on Friday, wrote on X.The latest growth numbers come close on the heels of global ratings agency S&P revising India's sovereign rating outlook to positive from stable citing robust growth and improving quality of govt spending.

The economy, Asia's third largest, has recovered swiftly after Covid-19 led by robust domestic demand despite geopolitical challenges. Recovery in rural demand and prospects of a good monsoon augur well for growth in the months ahead. Govt analysis shows domestic economic activity remains resilient, backed by strong investment demand and upbeat business and consumer sentiments. Strong corporate and bank balance sheets and govt's continued capex push should also help.

Govt's Fy24 deficit falls to 5.6 per cent against budgeted 5.8 per cent

The government managed to stay tight fisted when it comes to revenue expenditure, which are used for salary and pension payments.

NEW DELHI. The central government's finances performed better than expected in 2023-24 as the fiscal deficit for the year came at 5.6% against the revised estimate of 5.8%.

The fiscal deficit in value was Rs 16.54 lakh crore against the revised budget estimate of Rs 17.35 lakh crore. The lower-than-estimated fiscal deficit was as a result of better than anticipated receipts and lower than estimated revenue spending, and a marginal miss in the capital expenditure.The net tax collection (net of states share) at Rs 23.27 lakh crore is same as the revised

budget estimate. However, Gross tax collections surged 13% during the year to Rs 34.65 lakh crore during the year against Rs 30.54 lakh crore in the previous year driven mainly by strong growth in personal income tax (25% YoYgrowth), and Central GST (14% YoY growth).Personal Income tax collection crossed Rs 10 lakh crore for the first time in FY24. Corporate tax collection during the year increased by 10.3% to Rs 9.11 lakh crore.The government managed to stay on course of a strong capex in the year with Rs 9.5 lakh crore spent on infrastructure building and asset creation during FY24. The capex during the year was 28% higher than the previous year.

The government managed to stay tight fisted when it comes to revenue expenditure, which are used for salary and pension payments. The government spent Rs 34.94 lakh crore in revenue expenditure during FY24 compared to Rs 34.54 lakh crore in the previous year.

Experts say with a bumper dividend by RBI, the overall fiscal dynamics appear favourable for FY25. RBI paid a dividend of Rs 2.11 lakh crore, which is more than double the amount (Rs 1.02 lakh cr) budgeted for the year.

Amid continued resilience in GST collections and an unexpectedly large dividend payout by the RBI, the fiscal deficit in FY25 is likely to be around 4.9-5.1%, says Aditi Nayar, Chief Economist at ICRA Ltd.

Core sector output increases 6.2% in April

NEW DELHI: Index of eight core industries grew 6.2% in April, 2024 against 6% in March 2024. The mild expansion was due to improved sequential performance of five of the eight constituents even cement manufacturing saw a sharp decline of 0.6% in April compared to 10.6% in the previous month. Coal and crude oil also saw modest decline during the month.

Last Phase Sees 26.3% Turnout In 57 Lok Sabha Seats Till 11 am

All 13 seats of Punjab are also on today's list. The election is expected to be triangular, with INDIA allies Congress and Aam Aadmi Party having a "friendly" contest

New Delhi: The long-drawn 7-phase election in the world's largest democracy -- in which the BJP is hoping for a historic third term for Prime Minister Narendra Modi -- comes to a close today, with voting on 57 seats. The counting will take place on Tuesday.Of the 57 seats, nine are from West Bengal, 13 from Uttar Pradesh, eight from Bihar, six from Odisha, four from Himachal Pradesh, three from Jharkhand, and the lone seat of Union Territory Chandigarh.All 13 seats of Punjab are also on today's list. The election is expected to be triangular, with INDIA allies Congress and Aam Aadmi Party having a "friendly" contest that is expected to split the non-BJP vote and play into BJP hands.olling is taking place for the remaining 42 assembly seats and six Lok Sabha seats in Odisha. The BJP, which has replaced the Congress as the main Opposition party, is hoping to orner Naveen Patnaik's Biju Janata Dal.By-elections are being held on six assembly seats in Himachal Pradesh, which will also have a bearing on the fortunes of the state's Congress government. All six seats were held by the Congress but the MLAs had turned rebel and cross-voted in the Rajya Sabha election, then resigned and joined the BJP.aranasi, the constituency of Prime Minister Narendra Modi, also votes today. PM Modi had won the seat first in 2014. The Congress has fielded Ajai Rai, who finished third in the two last Lok Sabha elections.eaders in fray include the BJP's Union Minister Anurag Thakur, who is contesting from Hamirpur, junior finance minister Pankaj Chaudhary from Maharajganj, actor-turned-politician Kangana Ranaut, who is contesting against Congress's Vikramaditya Singh in Mandi, the other actor-politician Ravi Kishan from Gorakhpur. NDA leaders like RLM chief Upendra Kushwaha from Karakat, Apna Dal (Sonelal)'s Union Minister Anupriya Patel from Mirzapur are also in fray.

From the Opposition, Bengal Chief Minister Mamata Banerjee's nephew and Trinamool Congress candidate Abhishek Banerjee is contesting from Diamond Harbour; Misa Bharti, daughter of Rashtriya Janata Dal chief Lalu Prasad from Pataliputra, and Congress's Charanjeet Singh Channi from Jalandhar.The election will be followed by exit polls, which have been boycotted by the Congress. This, the BJP has said, makes it clear that the Opposition has conceded defeat.

"I want to tell the Congress party not to run away, face the defeat and introspect," Union minister and the BJP's chief strategist Amit Shah has said.he counting of votes will take place on June 4. Along with the Lok Sabha seats, counting will also be held for two state polls – Odisha and Andhra Pradesh. Votes for Arunachal Pradesh and Sikkim will be counted on Sunday.

Chennai-Mumbai IndiGo flight gets bomb threat, passengers evacuated

New Delhi: After receiving a bomb threat, an IndiGo flight 6E 5314 operating from Chennai to Mumbai made an emergency landing at Mumbai Airport.After landing in Mumbai, the flight crew followed protocol, and the aircraft was taken to an isolation bay as per security agency guidelines."All passengers have safely disembarked the aircraft. The aircraft is currently undergoing inspection. Post-completion of all security checks, the aircraft will be positioned back in the terminal area," the airlines stated in a statement.

Within a span of a week, this is the second incident of the bomb threat to an Indigo flight. Earlier on May 28, the aircraft received a similar threat on a flight from Delhi to Varanasi.In a similar incident last week, an IndiGo flight from Delhi to Varanasi received a bomb threat. Following the threat, the passengers on board were evacuated via emergency exits at Delhi's Indira Gandhi International Airport. Video clips of the incident showed how passengers and the flight crew were exiting the plane through slides with their cabin baggage in tow.However, as per the safety guidelines, evacuations need to be completed within 90 seconds. The passengers are not supposed to take any of their baggage during an emergency situation.As safety guidelines were ignored in the Delhi incident, Indigo derostered two pilots and four cabin members.

Automatic Weather Stations under scanner after recording unusual high temperatures

New Delhi: The recent unusual high temperatures from across the country raised concerns about the accuracy of data from the Automatic Weather Stations of the Indian Meteorological Department and other institutes.A weather station in Maharashtra's Nagpur recorded a temperature of 56 degrees Celsius on Friday. Similarly, Delhi's Mungeshpur weather station recorded a temperature of 52.9 degrees Celsius on Wednesday.The Indian Meteorological depatment said that the temperature recorded at the AWS in Nagpur was wrong, and it was not declared officially.

In a statement, the weather body said, "On 30th May PDKV (Panjabrao Deshmukh Krishi Vidyapeeth) Ramdaspeth (Nagpur City IMD AWS) reported a maximum temperature of 54.4 degrees C and one more station in Nagpur reported 52.2 degrees C.

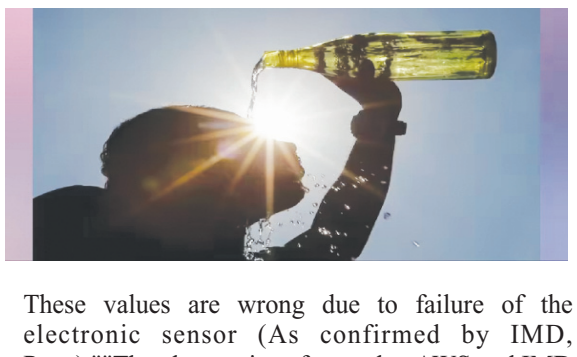

These values are wrong due to failure of the electronic sensor (As confirmed by IMD, Pune).""The observations from other AWS and IMD observatory stations at Nagpur reported a maximum temperature in the range of 44-45 degrees C. The corrective action is being taken by IMD," it said.The weather office said the nearby functioning AWS at Central Institute of Cotton Research, Nagpur had recorded a maximum temperature of 44.0 degrees Celsius on May 30, 2024.The weather office said automatic systems may report erroneous readings due to various reasons such as site conditions, damage of sensors or protection shields.

"However, IMD staff are trained to detect such erroneous readings in comparison with many other Meteorological parameters. Outlier data are also filtered in the pre-processing stage," the statement said.Meanwhile, the probe report on the AWS at Mungeshpur, which had recorded a maximum temperature of 52.9 degrees Celsius, is still on.Notably, the IMD has deployed over 800 AWS have been deployed across the country for weather observations.

Amid water crisis in Delhi, blame on each other's doorsteps

NEW DELHI: Chief minister Arvind Kejriwal on Friday appealed to the Centre and BJP to urge govts of Uttar Pradesh and Haryana to help Delhi meet its water demand.Kejriwal said BJP should shun playing politics and help the state govt in addressing the matter.In this scorching heat, the demand for water has increased a lot. The water that Delhi used to get from neighbouring states has also been reduced. That means the demand has increased a lot and the supply has reduced. We all have to solve this together. I see that BJP colleagues are protesting against us. This will not solve the problem," the chief minister said.e further said that if BJP talks to its govts in Haryana and UP and gets some water for Delhi for a month, then the people of Delhi will greatly appreciate this step of BJP.On May 30, water minister Atishi wrote to the Union minister of Jal Shakti, Gajendra Shekhawat, demanding immediate intervention on the matter. Atishi appealed for additional water from the two neighbouring states.

"Delhi is the capital of India. People from all parts of the country migrate to Delhi in search of a better future. Therefore, it is our collective responsibility as a nation to ensure that the people of Delhi get the water that they need," Atishi said in her letter to Shekhawat. "Therefore, I am writing to request you to ensure that some provision of water is made for NCT of Delhi, be it from Haryana or UP or any other state that may be able to spare water, so that the people of Delhi don't suffer," she said.She further said that during her visit to the Wazirabad barrage, she found that the water level in the pond was 670.3 feet as against the normal of 674.50 feet. "This reduction in water level has a serious impact on the water production capacity of the water treatment plants in Delhi. If adequate water is not released by Haryana then our plants would not be able to function optimally," she said.The minister said on Friday that if BJP wants to support the people of Delhi, then it should ask Haryana and UP govts to help Delhi by giving some extra water for just a month to tide over the sweltering heat wave."It is the responsibility of all of us that if people are troubled in the national capital, then we should not do dirty and cheap politics at this time, but rather do something that gives some ease and relief... in this difficult situation."Neighbours providing their share, AAP govt's mismanagement behind shortage, says SaxenaDelhi lieutenant governor VK Saxena said on Friday that the Aam Aadmi Party govt's mismanagement had caused the water shortage in the capital.

Beer goes bearish in Delhi, fails to meet mercury highs in peak summer

NEW DELHI: Delhi's temperature has broken all records this year, but tipplers' favourite summer drink — beer — has failed to cope with the demand.

Many popular brands of the alcoholic beverage are missing from the shelf and many liquor shops do not have the facility to sell chilled beer. According to industry estimates, other states, where beer sells in big numbers, have registered a growth in sale while it has come down, though marginally, in the national capital for the second year in succession.Beer goes bearish, fails to meet mercury highs in peak summer

According to the estimates, Delhi sold 224 lakh litres of beer — through a network of nearly 660 liquor stores and over 950 hotels, bars and restaurants — till April 30 this year in comparison with 228 lakh litres during the corresponding period in 2023 and 369 lakh litres in 2022. The new excise policy was in place in 2022 and the retail outlets offered schemes and discounts on various alcoholic beverages, resulting in a huge spike in the sale.

Karnataka and Maharashtra sold 1,418 and 1,049 lakh litres of beer, respectively, between Jan and April this year against 1,237 and 1,016 lakh litre in 2023. Though Delhi is nowhere close to Maharashtra or Karnataka in respect of size, population and the network of liquor shops and bars, the numbers only show how the alcoholic beverage registered a growth in other states.Beer comprises more than one-third of the total volume of liquor sold in stores during the peak summer. Industry insiders, however, said the potential was much higher, considering the intense heat and high humidity levels in Delhi for almost six months of the year. However, due to the poor availability of popular brands, people living in areas closer to Haryana and Uttar Pradesh prefer to cross the state border to buy the stock. "That is why thesale of beer as well as other spirits in the neighbouring towns registers a growth of 15-20% annually while it has come down in Delhi," said an industry expert.

Vinod Giri, director general-designate of Brewers Association of India, agreed that while the demand for beer had soared in the blazing Delhi summer, the supply was not keeping pace, resulting in the dip in sales below the 2023 levels.

He added that a popular beer brand, which otherwise sells the most, was not available in the market and it was difficult for other suppliers to make up for the absence of supplies from that company.

Delhi HC: Aided Minority Schools Can Appoint Principals, Teachers Without DoE Approval

NEW DELHI: An aided minority institution does not require any prior permission or approval from the Directorate of Education (DoE) for the appointment of principal, teachers or other employees, the Delhi High Court has held.Justice C Hari Shankar, in a judgement passed on May 28, said an aided minority institution has the absolute right to appoint a person of its choice and the extent of DoE's regulation is limited to prescribing the qualifications and experience for posts of principal and teacher.

The court's order was passed on a petition by the Delhi Tamil Education Association which runs seven aided linguistic minority schools in the capital with 6,879 students.he association, represented by advocate Romy Chacko, approached the court alleging that the DoE was not granting it clearance to fill four vacant posts of principals and 108 posts of teacher, out of 374 sanctioned posts, and also sought a declaration that it does not require clearance of the directorate to fill up the vacant posts.The petitioner pointed out that Article 30(1) of the Constitution of India guarantees a minority institution the absolute right of establishment and administration.Ruling in favour of the petitioner, the court sid the grant of aid by the State to the minority institution makes no "substantial difference" to the legal position which grants power to such institutions to recruit employees.The State can, the court said, regulate the proper utilisation of the aid but it cannot subjugate the minority educational institution to its dictates in the matter of appointment of teachers, or principals.Noting that almost a third of the sanctioned teacher posts in the association's schools are yet to be filled up, the bench said the Delhi School Education Rules related to recruitment of the head of the school and teacher envisage inclusion of nominees of DoE in the selection committee.However, these nominees are only "advisors" with no power to vote or actually control the selection of the employee, it added.

"They are, therefore, members of the selection committee merely in form, not in substance. They cannot play any part in the selection of either the teachers or of the principal in the schools run by the aided minority institution. Effectively, the DoE has no control over the appointment of teachers or principals in the aided minority schools run by the petitioner," the court said."Statutorily, therefore, the appointment of any employee in an aided minority school, by the managing committee of the school, does not require the approval of the DoE," it added.

Pune Porsche Crash Latest Updates: SIT Arrests Accused Minor's Mother

The mother of Pune teen involved in the Porsche crash has been taken into custody following the discovery that the teenager's blood sample was substituted with that of a woman.

New Delhi: Shivani Agarwal, the mother of the 17-year-old involved in the Pune Porsche accident case, has been taken into custody on Saturday. Her arrest follows the discovery that the teenager's blood sample, intended for an alcohol test at Sasson Hospital, had been substituted with that of a woman. This raised suspicions that the sample might belong to his mother.Meanwhile, the Juvenile Justice Board (JJB) has on Friday granted permission to the police to investigate the minor allegedly involved in the car crash in Pune that claimed the lives of two IT professionals. The cops had written to the authorities to probe the 17-year-old, who is currently held in an observation home. The Juvenile Justice Act mandates that any inquiry involving a minor must be conducted in the presence of their parents.

According to the police, the teenager was driving the luxury car while intoxicated when it slammed two tech professionals on a motorbike in Kalyani Nagar in the early hours of May 19.

Shailesh Balkawade, additional Commissioner of Police (crime), informed that the JJB heard the plea seeking permission to question the minor, and it allowed the probe.In another development, retired IAS officer Arun Bhatia has written to the Chairman of the Maharashtra Human Rights Commission (MHRC) asking for the transfer of Pune Police Commissioner Amitesh Kumar. Bhatia has called for an investigation into Kumar's conduct, noting that he represents the city's police force.

Expressing distrust in the authorities, he said, "The present Police Commissoner cannot be relied upon to do this." Bhatia has urged an investigation into the appointment of the Chief Medical Officer, who was allegedly influenced by a politician, and has demanded that the Health Secretary be punished. ollowing the incident, the accused minor was released after a few hours and instructed to write a 300-word essay on road safety. However, due to a nationwide outcry, the police approached the JJB again, which then revised its decision and placed the teenager in an observation home until June 5.

The father and grandfather of the teenager have been arrested and remain in custody for 14 days on charges of detaining the family's driver after the accident, offering him money and gifts to take the blame and protect the minor, and threatening him. The police have also arrted two doctors and a staff member from Sassoon General Hospital for allegedly tampering with the teenager's blood samples to falsely indicate that he was not intoxicated at the time of the accident.

NEWS BOX

X to hold town hall with Donald Trump, Elon Musk says 'will be interesting'

World. Elon Musk's social media platform X will stage a town hall with former US President Donald Trump — ahead of November 5 presidential elections. This comes three years after Trump was suspended from the site in the wake of the Jan. 6 Capitol riots.The social media giant is also planning a similar town hall with Robert F. Kennedy, Jr, who is running for president as an independent.Donald Trump, who was convicted on Thursday in connection with a hush-money payment to porn star Stormy Daniels, will answer submitted questions during the livestream event, which will also be broadcast in a partnership deal with cable channel NewsNation.Musk said in a tweet on Friday that the events "will be interesting," confirming a report on the matter first made by Axios.Interestingly, US President Joe Biden was also invited by the social media company to do a debate or a town hall, but he declined, according to The Wall Street Journal.The date, location and moderators for the town halls are yet to be announced. The moderators will likely include at least one NewsNation host, alongside other journalists, Axios reported.Musk, who lifted the ban on Trump's Twitter account after he acquired the social media platform for $44 billion in late 2022, has not been shy about voicing his displeasure with President Biden.

The platform has made several attempts to attract conservative politicians, hosting, for example, a Q&A when Florida Governor Ron DeSantis announced he was running to be the Republican presidential candidate.

Florida deputy who fatally shot Airman Roger Fortson fired

UPDATED A Florida Panhandle sheriff on Friday fired a deputy who fatally shot an airman at his home while holding a handgun pointed to the ground, saying the deputy's life was never in danger and he should not have fired his weapon.Okaloosa County Sheriff Eric Aden fired Deputy Eddie Duran, who fatally shot Senior Airman Roger Fortson on May 3 after responding to a domestic violence call and being directed to Fortson's apartment.Duran shot Fortson, 23, multiple times two seconds after he opened his door. Fortson was holding his legally owned gun in his right hand, body camera video shows. It was pointed directly at the ground. Fortson was Black. Duran, 39, listed himself as Hispanic on his voter registration.A sheriff's internal affairs investigation released Friday concluded that, "Mr. Fortson did not make any hostile, attacking movements, and therefore, the former deputy's use of deadly force was not objectively reasonable." Outside law enforcement experts have also said that an officer cannot shoot simply because a possible suspect is simply holding a gun if there is no threat."This tragic incident should have never occurred," Aden said in the statement. "The objective facts do not support the use of deadly force as an appropriate response to Mr. Fortson's actions. Mr. Fortson did not commit any crime. By all accounts, he was an exceptional airman and individual."No criminal charges have been filed, but a Florida Department of Law Enforcement investigation is ongoing.Duran did not return a voicemail left at a number listed to him. Email and phone messages seeking comment from his attorney John Whitaker were not immediately returned.

According to the internal affairs report, Duran told investigators that when Fortson opened the door, he saw aggression in the airman's eyes. He said he fired because, "I'm standing there thinking I'm about to get shot, I'm about to die."'It is him or me at this point and I need to, I need to act as opposed to react," he told investigators.Attorney Ben Crump, who is representing Fortson's family, said in a statement that Duran's firing "is a step forward, but it is not full justice for Roger and his family."'The actions of this deputy were not just negligent, they were criminal," Crump said.

Biden details Israel's Gaza ceasefire proposal, Hamas responds positively

World US President Joe Biden on Friday laid out what he described as a three-phase Israeli proposal for a ceasefire in Gaza in return for the release of Israeli hostages, saying "it's time for this war to end" and winning a positive initial reaction from Hamas.

The first phase involves a six-week ceasefire when Israeli forces would withdraw from "all populated areas" of Gaza, some hostages - including the elderly and women - would be freed in exchange for hundreds of Palestinian prisoners, Palestinian civilians could return to their homes in Gaza and 600 trucks a day would bring humanitarian aid into the devastated enclave.In this phase, Hamas and Israel would negotiate a permanent ceasefire that Biden said would last "as long has Hamas lives up to its commitments." If negotiations took more than six weeks, the temporary ceasefire would extend while they continued.In the second phase, Biden said there would be an exchange for all remaining living hostages, including male soldiers, Israeli forces would withdraw from Gaza and the permanent ceasefire would begin.he third phase would include a major reconstruction plan for Gaza and the return of the "final remains" of hostages to their families.It's time for this war to end and for the day after to begin," said Biden, who is under election-year pressure to stop the Gaza conflict, now in its eighth month.amas, which Biden said received the proposal from Qatar, released a statement reacting positively.Hamas said it was ready to engage "positively and in a constructive manner" with any proposal based on a permanent ceasefire, withdrawal of Israeli forces, the reconstruction of Gaza, a return of those displaced, and a "genuine" prisoner swap deal if Israel "clearly announces commitment to such deal".Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's office said he had authorized his negotiating team to present the deal, "while insisting that the war will not end until all of its goals are achieved, including the return of all our hostages and the destruction of Hamas' military and governmental capabilities."Separately, the Israeli military said its forces have ended operations in north Gaza's Jabalia area after days of intense fighting, while probing further into Rafah in south Gaza to target what they say is the last major Hamas redoubt.The conflict began on Oct. 7 when gunmen led by the Islamist Palestinian group stormed into southern Israel on motorcycles, paragliders and four-wheel drive vehicles, killing 1200 people and abducting more than 250, according to Israeli tallies.

Michelle Obama's mother Marian Robinson dies at 86

Washington Marian Shields Robinson, the mother of Michelle Obama who moved with the first family to the White House when son-in-law Barack Obama was elected president, has died. She was 86.

Mrs. Robinson's death was announced by Michelle Obama and other family members in a statement that said "there was and will be only one Marian Robinson. In our sadness, we are lifted up by the extraordinary gift of her life."

She was a widow and lifelong Chicago resident when she moved to the executive mansion in 2009 to help care for granddaughters Malia and Sasha. In her early 70s, Mrs. Robinson initially resisted the idea of starting over in Washington, and Michelle Obama had to enlist her brother, Craig, to help persuade their mother to move.There were many good and valid reasons that Michelle raised with me, not the least of which was the opportunity to continue spending time with my granddaughters, Malia and Sasha, and to assist in giving them a sense of normalcy that is a priority for both of their parents, as has been from the time Barack began his political career," Mrs. Robinson wrote in the foreword to "A Game of Character," a memoir by her son, formerly the head men's basketball coach at Oregon State University.

"My feeling, however, was that I could visit periodically without actually moving in and still be there for the girls," she said.

Mrs. Robinson wrote that her son understood why she wanted to stay in Chicago but still used a line of reasoning on her that she often used on him and his sister. He asked her to see the move as a chance to grow and try something new. As a compromise, she agreed to move, at least temporarily.Granddaughters Malia and Sasha were just 10 and 7, respectively, when the White House became home in 2009. In Chicago, Mrs. Robinson had become almost a surrogate parent to the girls during the 2008 presidential campaign. She retired from her job as a bank secretary to help shuttle them around.At the White House, Mrs. Robinson provided a reassuring presence for the girls as their parents settled into their new roles, and her lack of Secret Service protection made it possible for her to accompany them to and from school daily without fanfare."I would not be who I am today without the steady hand and unconditional love of my mother, Marian Shields Robinson," Michelle Obama wrote in her 2018 memoir, "Becoming." "She has always

been my rock, allowing me the freedom to be who I am, while never allowing my feet to get too far off the ground. Her boundless love for my girls, and her willingness to put our needs before her own, gave me the comfort and confidence to venture out into the world knowing they were safe and cherished at home."Mrs. Robinson gave a few media interviews but never to White House press. Aides guarded her privacy, and, as result, she enjoyed a level of anonymity openly envied by the president and first lady. It allowed her to come and go from the White House as often as she pleased on shopping runs around town, to the president's box at the Kennedy Center and for trips to Las Vegas or to visit her other grandchildren in Portland, Oregon.

She attended some White House events, including concerts, the annual Easter Egg Roll and National Christmas Tree lighting, and some state dinners.White House residency also opened up the world to Mrs. Robinson, who had been a widow for nearly 20 years when she moved to a room on the third floor of the White House, one floor above the first family. She had never traveled outside the U.S. until she moved to Washington.Her first flight out of the country was aboard Air Force One in 2009 when the Obamas visited France. She joined the Obamas on a trip to Russia, Italy and Ghana later that year, during which she got to meet Pope Benedict, tour Rome's ancient Colosseum and view a former slave-holding compound on the African coast. She also accompanied her daughter and granddaughters on two overseas trips without the president: to South Africa and Botswana in 2011, and China in 2014.

Craig Robinson wrote in the memoir that he and his parents doubted whether his sister's relationship with Barack Obama would last, though Fraser Robinson III and his wife thought the young lawyer was a worthy suitor for their daughter, also a lawyer. Without explanation, Craig Robinson said his mother gave the relationship six months.

What's in the new 3-phase Israel ceasefire proposal Biden announced?

Washington, DC, US President Joe Biden on Friday laid out a three-phase ceasefire proposal from Israel to Palestinian Islamist group Hamas to end the war in Gaza that has killed tens of thousands and caused a humanitarian crisis.The offer calls for a ceasefire, the release of Israeli hostages and Palestinian prisoners, and the reconstruction of Gaza.A senior US official said the four-and-a-half page plan had been sent to Hamas for review on Thursday, and that it was "almost identical" to a proposal the militant group had already accepted. Prime Minister Benjamin Netanyahu's office said on Friday that it backed the plan.Here are the three phases as described by Biden in a speech and by U.S. officials at a briefing held later.

PHASE ONE: CEASEFIRE, LIMITED HOSTAGE RELEASE AND ISRAELI WITHDRAWAL

Biden said the first phase of Israel's offer would last for six weeks and would include a "full and complete" ceasefire, the withdrawal of Israeli forces from "all populated areas" of Gaza and the "release of a number of hostages including women, the elderly, the wounded in exchange for the release of hundreds of Palestinian prisoners."

Biden added that in this phase, Palestinian civilians will return to their homes and neighbourhoods in all areas of Gaza, while humanitarian assistance will increase to 600 trucks carrying aid into Gaza every day."With a ceasefire,

that aid could be safely and effectively distributed to all who need it. Hundreds of thousands of temporary shelters, including housing units, could be delivered by the international community," Biden added, saying the first phase could begin immediately after a deal is reached.The first phase will also include talks between Israel and Hamas to get to the next stage of the proposal.

PHASE TWO: RELEASE OF ALL HOSTAGES, FULL ISRAELI WITHDRAWAL

Biden called the second phase "a permanent end to hostilities." However, he added that the negotiations to arrive at the second phase could take longer than six weeks as there were going to be differences between the two sides.

"Israel will want to make sure its interests are protected but the proposal says if the negotiations take longer than six weeks from phase one, the ceasefire will still continue for as long as negotiations continue," Biden said, which would mark a new development from previous proposals.e added that the US, Qatar and Egypt will ensure that talks continue during this period until "all agreements are reached" to start the second phase.The second phase would see a release of all remaining hostages who are alive, including male soldiers, while Israeli forces will withdraw from Gaza, according to Biden. He added: "And as long as Hamas lives up to its commitments, a temporary ceasefire will become - in the words of the Israeli proposal - the cessation of hostilities permanently."

Who plotted to sell Elvis' Graceland? An identity thief raises his hand

world. The writer said he was an identity thief — a ringleader on the dark web, with a network of "worms" placed throughout the US. In an email to NYT, he said his ring preyed on the dead, the unsuspecting and the elderly, using birth certificates and other documents."We figure out how to steal," he said. Recently, the writer suggested, the group had turned its attention to a major target: the estate of Lisa Marie Presley, which last week faced a threat that Graceland was about to be foreclosed on and sold by a mysterious company, Naussany Investments & Private Lending LLC. Media outlets often recei ve unsolicited emails from people who make outlandish claims. But this email arrived Friday in response to one sent by NYT to an email address that Naussany listed in a legal filing.

In its email, NYT referred to the company's claim that Presley had borrowed $3.8 million from it, using Graceland as collateral. In the responses, which came from the email address NYT had written to, the writer described the foreclosure effort not as a legitimate attempt to collect on a debt, but as a scam. "I had fun figuring this one out and it didn't succeed very well," the email writer said. He said he was based in Nigeria, and his email was written in Luganda, a Bantu language spoken in Uganda. But the filing with the email address was faxed from a number to serve North America.

Since the news broke last week that a company was trying to sell Graceland — Elvis Presley's former home and a beloved tourist attraction — the Naussany company has been a persistent puzzle. It is difficult to find any public records that prove that the company exists. In Sept, eight months after Lisa Marie Presley's death, Naussany said it would agree to settle what it described as the debt for a discounted $2.85 million. But the family trust, now led by Lisa.Marie's daughter, actress Riley Keough, did not view the debt as legitimate. That led Keough to court last week, declaring in a legal filing that the loan was a fiction, the company "a false entity" and the bid to sell Graceland a fraud. At a hearing Wednesday, the judge blocked any immediate foreclosure on Graceland, saying he needed to review more evidence. No one representing the Naussany company attended the hearing.When NYT sought clarification on the issue, the email writer wrote, "You don't have to understand." The writer was only keen on taking credit. "I am the one who creates trouble."

10% of Republicans less likely to vote for Trump after felony conviction: Report

Washington Ten percent of Republican registered voters say they are less likely to vote for Donald Trump following his felony conviction for falsifying business records to cover up a hush money payment to a porn star, according to a Reuters/Ipsos poll that closed on Friday.The two-day poll, conducted in the hours after the Republican presidential candidate's conviction by a Manhattan jury on Thursday, also found that 56% of Republican registered voters said the case would have no effect on their vote and 35% said they were more likely to support Trump, who has claimed the charges against him are politically motivated and has vowed to appealThe potential loss of a tenth of his party's voters is more significant for Trump than the stronger backing of more than a third of Republicans, since many of the latter would be likely to vote for him regardless of the conviction.Among independent registered voters, 25% said Trump's conviction made them less likely to support him in November, compared to 18% who said they were more likely and 56% who said the conviction would have no impact on their decision.The verdict could shake up the race between Trump, who was U.S. president from 2017-2021, and Democratic President Joe Biden ahead of the Nov. 5 election. U.S. presidential elections are typically decided by thin margins in a handful of competitive swing states, meaning that even small numbers of voters defecting from their candidates can have a big impact.Biden and Trump remain locked in a tight race, with 41% of voters saying they would vote for Biden if the election were held today and 39% saying they would pick Trump, according to the poll, which surveyed 2,556 U.S. adults nationwide.

Biden's marginal lead was within the online poll's roughly 2 percentage point margin of error for registered voters, in line with a Reuters/Ipsos poll from earlier in the month that showed Trump and Biden each with 40% support. In both polls, about one in five voters said they are undecided, leaning toward a third-party candidate or might not vote at all.The election is still more than five months away, meaning much could change between now and Nov.

Trump supporters call for rioting, violent retribution after hush money verdict

New York, Supporters of former US President Donald Trump, enraged by his conviction on 34 felony counts by a New York jury, flooded pro-Trump websites with calls for riots, revolution and violent retribution.After Trump became the first US president to be convicted of a crime, his supporters responded with dozens of violent online posts, according to a Reuters review of comments on three Trump-aligned websites- the former president's own Truth Social platform, Patriots.Win and the Gateway Pundit.Some called for attacks on jurors, the execution of the judge, Justice Juan Merchan, or outright civil war and armed insurrection.Someone in NY with nothing to lose needs to take care of Merchan", wrote one commentator on Patriots.Win. "Hopefully he gets met with illegals with a machete", the post said in reference to illegal immigrants.On Gateway Pundit, one poster suggested shooting liberals after the verdict. "Time to start capping some leftys", said the post. "This cannot be fixed by voting".

Threats of violence and intimidating rhetoric soared after Trump lost the 2020 election and falsely claimed the vote was stolen. As he campaigns for a second White House term, Trump has baselessly cast the judges and prosecutors in his trials as corrupt tools of the Biden administration, intent on sabotaging his White House bid. His loyalists have responded with a campaign of threats and intimidation targeting judges and court officials."This was a disgrace, this was a rigged trial by a conflicted judge who was corrupt", Trump told reporters afterwards, echoing comments he often made during the trial.A 12-member jury found Trump guilty on Thursday of falsifying documents to cover up a payment to silence a porn star's account of a sexual encounter ahead of the 2016 election.

Sentencing is set for July 11, days before the Republican Party is scheduled to formally nominate Trump for president ahead of the November 5 election. Trump has denied wrongdoing and is expected to appeal. Trump continued his attacks online after the verdict.n Truth Social, he called Merchan "HIGHLY CONFLICTED" and criticised his jury instructions as unfair.

One commentator responded by posting a picture of a hangman's platform and a noose with the caption "TREASONOUS MOBSTER OF THE JUSTICES SYSTEM!!"Jacob Ware, a co-author of the book "God, Guns, and Sedition: Far-

Right Terrorism in America", said the violent language used by Trump's followers was testament to the former president's "ironclad ability to mobilise more extreme supporters to action, both at the ballot box and through violence"."Until and unless he accepts the process, the extremist reaction to his legal troubles will be militant", said Ware, a research fellow at the Council on Foreign Relations.A spokesperson for Truth Social said, "It's hard to believe that Reuters, once a respected news service, has fallen so low as to publish such a manipulative, false, defamatory and transparently stupid article as this one purely out of political spite".

All three sites have policies against violent language, and some of the posts were later removed. Representatives of Patriots.Win and Gateway Pundit did not immediately return requests for comment. A Trump spokesperson also did not respond to an email seeking comment.

"HANG EVERYONE"

After Thursday's verdict, many of his supporters also said that his conviction was proof that the American political system was broken, and that only violent action could save the country.

"1,000,000 men (armed) need to go to Washington and hang everyone. That's the only solution", said one poster on Patriots.win. Another added "Trump should already know he has an army willing to fight and die for him if he says the words...I'll take up arms if he asks".

Other posts specifically urged targeting Democrats, in some cases suggesting they be shot. "AMERICA FULLY DESTROYED BY DEMOCRATS. LOCK AND LOAD", wrote a commentator on Gateway Pundit.While the posts identified by Reuters all called for violence or insurrection.

NEWS BOX

Next Hardik Pandya? Breakthrough IPL season gives wings to Nitish Reddy's dreams

New Delhi. It was a dream season for Nitish Kumar Reddy, in more than one way. The 21-year-old, in a breakthrough IPL 2024, scored 303 runs and flaunted his bowling skills, picking up 13 wickets in 13 matches for runners-up SunRisers. More than the numbers, it was the learning experience that seems to have given Nitish wings to dream big. He was able to pick Pat Cummins and Bhuvneshwar Kumar's brains about bowling and gained valuable knowledge about the importance of taking the game deep from one of the best finishers going around -- Heinrich Klaasen.

T20 World Cup 2024: Full Coverage

In an exclusive interview with IndiaToday.in, Nitish Kumar Reddy spoke about comparisons to Hardik Pandya, his eye-catching stint with the SunRisers and his ambitions to don the India blue in the near future.Nitish's talent and maturity with the bat earned him a lot of plaudits in IPL 2024. In a game against the Rajasthan IPL franchise, SRH were 2 wickets down inside the powerplay, Nitish came into bat and scored 76 not out off just 42 balls. The batter combined with Travis Head and Heinrich Klaasen and took SRH to a total of 201 runs, which proved just enough for the SunRisers to secure a victory.

It was no surprise when the highly-rated all-rounder from Visakhapatnam won the Emerging Player of the Year Award -- a recognition for his all-round show at 21.

Nitish's IPL heroics have put him in the assembly line of young Indian stars, including the likes of Abhishek Sharma and Riyan Parag, who seem to have earned the selectors' attention. Nitish's ability to bowl close to 140 kph and bat at any position in the middle-order makes him a rare commodity in Indian cricket. Will India's search to identify the next Hardik Pandya end with Nitish Kumar Reddy?

Chris Woakes grieving father's death, in prolonged absence from professional cricket

New Delhi. England all-rounder Chris Woakes made the shocking revelation of his father's death which kept him out of action for the last three months of professional cricket. Notably, Woakes was a part of the Punjab Kings' squad in the Indian Premier League 2024 having been bought by the franchise for a whopping INR 4.20 Crore during the mini-auction in Dubai.However, he didn't make any appearance for the team throughout the season and was further not picked in England's squad for the T20 World Cup 2024. The all-rounder finally revealed the reason behind his absence to his fans on social media and shared the tragic news of his father's demise."The last month has been the most challenging of my life when unfortunately my dad passed away at the beginning of May. I've spent the last few weeks with the people most important to me, my family. We're all obviously grieving and trying to get through what is undoubtedly the hardest moments in our lives. It's times like this that perspective is at its greatest," wrote Woakes on his X account.The 35-year-old hoped to return to professional cricket soon and begin playing for his county Warwickshire and England again.

"I will be back playing cricket for Warwickshire, who my Dad loved dearly when the time is right for me and my family. I know playing cricket for Warwickshire and England made my Dad incredibly proud. I look forward to doing that again in the near future," he added.Woakes' last appearance for EnglandWoakes' last appearance on the cricket pitch came during the International League T20 tournament in the UAE where he played for Sharjah Warriors. The all-rounder scored 47 runs and picked nine wickets during the tournament.

Adam Gilchrist backs minnows Nepal and Netherlands to make upsets in T20 World Cup

New Delhi Former Australian cricketer Adam Gilchrist has backed Nepal and Netherlands to upset big teams in the T20 World Cup. The anticipation for the marquee tournament is an all-time high, which will begin from June 2 in the USA and West Indies. The T20 World Cup 2024 is set to be the largest edition of the tournament, featuring 20 teams fighting it out for the ultimate glory for the very first time.Gilchrist made a bold prediction that sides like Nepal and the Netherlands could take Bangladesh and Sri Lanka by surprise. The legendary wicketkeeper-batter mentioned athat the Nepal team under the captaincy of Rohit Paudel has grown from strength to strength.

"I think Nepal would be a team that might be able to fire a shot," Gilchrist told SEN Radio.

"They've got a couple of young players who have been in all the big leagues for a number of years now," he said. T20 World Cup, Group D: PreviewGroup D comprises of Nepal, Netherlands, Bangladesh, Sri Lanka and South Africa. However, Nepal was dealt with a major blow as they would miss out on the services of Sandeep Lamichhane. The star leg-spinner was denied a visa for the US for a second time in a row, which led to him missing out from the team.

Can Netherlands pull-off an upset?

Gilchrist recalled Netherlands pulling off an upset over South Africa in the T20 World Cup 2022 and affirmed them as a formidable opponent."The Dutch always seem to ruffle a few feathers, they always seem to get under the skin, and they're drawn in the same pool as South Africa again. They nailed them in the T20 World Cup last time in Australia in Adelaide. So, it might be the Dutch," he said.

T20 World Cup: Why England will avoid a repeat of 2023 disaster in another title defence

England will be aiming to avoid a repeat of the 2023 debacle during the ODI World Cup as they head to the Caribbean and the USA for T20 World Cup 2024. The English side does have everything going their way as they look to defend their crown.

New Delhi. For England, 2023 was the year to show their credentials as defending champions in the ODI World Cup. After having won the World Cup in front of the home crowd in 2019, they came in with almost a similar team under the captaincy of Jos Buttler to the Indian shores. However, what happened in India was something even an ardent fan of England couldn't have envisioned.

England lost 6 out of the 9 matches they played, including handing a historic win to Afghanistan. There was severe criticism on Buttler and the England coach Matthew Mott after the ordeal and they slowly decided to work on defending their T20 crown. They faced off against West Indies in a fiercely contested 5-match T20I series, where they eventually lost 3-2. However, there were some good performances, especially with the bat from the likes of Phil Salt and others.

Now heading into another big ICC event, there are many reasons why England fans can expect their team to put up a good showing, especially after watching them beat Pakistan 2-0 in the 4-match series convincingly.

Batters in fine form

We start with the batting and it seems like Jos Buttler has found the perfect partner for him in Salt. Last T20 World Cup, it was Alex Hales who was partnering him. Since then, Hales has retired from international cricket and Salt has taken his spot.

The Lancashire wicket-keeper batter was one of the stars in the tour of West Indies last year, where he scored 2 back-to-back T20I hundreds, which is a rarity. Add to this, his form in IPL 2024, and England have someone who could be in the running for being the highest run-getter in the tournament.Buttler also seems to have found his stride during the Pakistan series as he scored 84 off 51 in the second match. Will Jacks has been a revelation for the team at No.3 and the likes of Jonny Bairstow and Harry Brook will play bigger roles. Once again, England have a line-up where everyone can bat till the No.11 spot, which will be crucial in a big tournament.

A settled lineup

One of the big things you would notice if you watched the Pakistan series, it was that England found the right formula and stuck by it. The top order seemed to ebb settled and the lineup contained spin options in the form of Adil Rashid, Moeen Ali, Liam Livingstone and Jacks, who is pretty handy with his off-spin. Add to this Jofra Archer, Chris Jordan and the fiery Mark Wood and you have a lineup that can challenge on all fronts.

The return of Archer

The biggest win for England fans would be seeing Jofra Archer back in the mix. It has been a few years of agony for the pacer and his well-wishers as the pacer struggled for fitness and this deeply affected them during the ODI World Cup.

Archer was back and in amongst the wickets against Pakistan. He will still need time to adjust back in the game, but England have the cushion to allow him to come back with the likes of Sam Curran and Reece Topley waiting in the wings.

England are in a group with Australia and also face Namibia, Scotland and Oman. On paper, it does look like a group they can top and head into the next round with the top seeding. If it does happen, Buttler will be confident his side can defend their crown and win their 3rd T20 World Cup title.

Cristiano Ronaldo in tears after Al Nassr lost to Al Hilal in King's Cup final

New Delhi. Cristiano Ronaldo was left in tears after his side, Al Nassr, lost to Al Hilal in the King's Cup final in a penalty shoot-out on May 31st, Friday. Al-Hilal won 5-4 on penalties to finish the league and register a cup double after the match ended 1-1 in Jeddah in regulation time.Ronaldo seemed distraught as he laid onto the turf and cried inconsolably as the coaching staff and teammates surrounded him. The five-time Ballon d"r winner was eventually led off the field and was spotted sitting on the sideline before he came to collect the runners-up medal. It was a frustrating loss for Ronaldo, who had joined Al Nassr in December 2022, as the team finished a distant second to Al Hilal in the Saudi Pro League, trailing by 14 points, and were beaten in the quarter-final of the Asian Champions League.However, the 39-year-old set a new league record with 35 goals to achieve plenty of accolades in his very first full Saudi Pro League season. Despite Ronaldo's record-shattering performance, Al-Nassr felt short of the title yet again.

King's Cup Final: As it happened

It was a high-intensity match with 3 red cards and 2 goals. David Ospine was sent off for Al Nassr in the 57th minute for handling the ball outside the area. Further drama unfolded when Ali Al-Bulayhi of Al Hilal was ejected for a headbutt on Sami-Al-Najei. Kalidou Koulibaly followed late on for Al Hilal as he received his second yellow card, reducing the team to 10 players.Aleksandar Mitrovic provided Al Hilal an early lead in the seventh minute before Aiman Yahya sent the game to extra time with an equaliser in the 88th minute. Ronaldo had converted his penalty after both the teams missed their first chances. Yassine Bounou emerged as the eventual hero as he saved the final two penalties from Al Nassr.

The wait for a silverware continues for Ronaldo as his team, Al Hilal, emerged as champions despite missing out on the services of Brazilian forward Neymar.

Jasprit Bumrah reveals "focus on enjoying game" as his mantra before T20 World Cup

New Delhi. Jasprit Bumrah revealed his simple philosophy that helped him make a comeback after suffering a back injury. Bumrah said that his focus has been on enjoying the game rather than taking control of the uncontrollable scenarios. Bumrah will be a key player for India in their quest to lift the T20 World Cup as the tournament begins from June 2 with the USA and West Indies being the co-hosts. Many experts have touted Bumrah to be the leading wicket-taker of the tournament as well.Bumrah stressed on enjoying the game rather than focusing on the end result, which helped him come back for India last year.

"Since I have come back from my injury, I have only focused on enjoying the game as much as I can," Bumrah added, trying to focus on the process rather than the uncertainty surrounding the game," Bumrah told ICC. T20 World Cup, India vs Bangladesh: Preview"Because (certain) things will go my way. (Certain) things will not go my way."All of these things will be a part of my process. So I have just realised that I started playing this sport. Because I love this sport."And I will focus on that rather than the end result. So, in that aspect, you reduce your pressure. And you enjoy the sport."When you focus on those things. Rather than the things you cannot control."

Bumrah's epic comeback after injury

Bumrah suffered a back injury in July 2022 after India's 5th Test match against England. The speedster went onto miss many important fixtures for India, including the T20 World Cup 2022.

The 30-year-old made a comeback during the T20I series against Ireland in August 2023, where he led the side for the very first time. He went onto scalp 20 wickets in 11 matches of the ODI World Cup 2023 for India with an economy below 4.Bumrah also opened up about how he developed toe-crushing yorkers during his childhood with the help of a tennis ball."So I played a lot of tennis-ball, rubber-ball cricket when I was growing up," Bumrah said. "I used to play a lot with my friends in summer camps. And on summer vacations. Or whenever you used to get a lot of time."So when I was a kid, I used to think that this is the only way to get wickets. Because I was a fan of fast bowling. I was really fascinated by what I saw on the television."Is it (tennis-ball cricket) a secret (to bowling yorkers) or not? I don't know," Bumrah asked."But repetition surely is. Because I have kept this delivery. I still practice it. I keep on practicing it. Because every skill that you develop, you have to practice it and make it stronger. So, I think a combination of both would be the answer."

French Open 2024, Day 7, Order of Play: When will Sabalenka, Djokovic and Zverev play?

French Open 2024, Day 7, Order of Play: In no time we have reached the third round of the French Open this year. Aryna Sabalenka, Novak Djokovic, Alexander Zverev and Daniil Medvedev are some of the big players who are set to take court today.

New Delhi. Day 7 of the Roland Garros will witness several big names in action on the clay. In women's singles, Aryna Sabalenka will face Paula Badosa to continue her 3rd Grand Slam quest. Meanwhile, Novak Djokovic, Alexander Zverev and Daniil Medvedev will feature in the men's draw.The day promises to be of high-quality action with a packed schedule as some of the biggest stars will bid to keep their challenge alive in Paris.

In the women's singles, World No. 2 Sabalenka will take on Badosa in the third round on Philippe-Chartier, and fourth seed Elena Rybakina will face Elise Mertens. French Open 2024: Full CoverageSabalenka has looked impressive on the clay so far, defying all the challenges to power her way to the third round. Sabalenka, the second seed, secured her spot in the French Open third round with a dominant 6-2 , 6-2 victory over Japanese qualifier Uchijima. Rybakina faced a stiff challenge as she moved to the third round by defeating Aranxta Rus 6-3, 6-4.

There were doubts over Djokovic ahead of the 2nd Grand Slam of the year but the Serbian has made serene progress so far on the Paris clay. He is yet to drop a set in victories over Pierre-Hugues Herbert and Roberto Caraballes Baena. However, he will not be overlooking Italy's Lorenzo Musetti as the 30th seed is also yet to lose a set.Medvedev had breezed into the third round of the French Open as his Serbian opponent, Kecmanovic, retired from their match due to injury on Thursday.

KKR's Vaibhav Arora gets rousing reception in hometown Ambala after IPL 2024 triumph

KKR fast bowler Vaibhav Arora got a rousing reception in his hometown Ambala after his team's IPL 2024 triumph. Arora picked 11 wickets from ten matches in the season for Kolkata.

New Delhi. KKR seamer Vaibhav Arora got a rousing reception as he returned to his hometown Ambala after his team's victory in the Indian Premier League 2024. Arora was one of the top performers for his side during the season as he scalped 11 wickets from ten matches at an average of 25.09 and an economy of 8.24.

In the final against SRH, the right-arm seamer got the prized scalp of Travis Head dismissing him for a golden duck in just the second over of the match. Head's early departure set the tone for Kolkata for the rest of the game as they went on to win by eight wickets to clinch their third IPL trophy.Following KKR's triumph, the 26-year-old was welcomed with garlands and loud cheers on his return to his home town. In a viral video, Arora can be seen ambushed by fans requesting for selfies with the entire town celebrating his success dancing to the beats of Dhol.Arora's best performance of the season came during his first match against DC as he where he registered figures of 3/27 in his four overs. His three-wicket haul included the big scalp of DC captain Rishabh Pant. The right-arm seamer further picked up 2/28 in four overs against CSK albeit in a losing cause.

Arora dismissed Abhishek Sharma in Qualifier 1

The 26-year-old picked the big wicket of Abhishek Sharma during Qualifier 1 against SRH and once again set the tone with the new ball for his team in the crucial encounter. Later in the final, he registered figures of 1/24 in three overs including the big wicket of Travis Head.Arora gave great support to Mitchell Starc who broke the back of SRH's famed batting lineup inside the powerplay by getting rid of Abhishek Sharma and Rahul Tripathi inside the powerplay. Courtesy of their combined bowling effort, SRH were bundled out for just 113 in the big game.

In reply, KKR chased down the target in just 10.3 overs with Venkatesh Iyer top-scoring with an unbeaten 52* (26). As a result, Kolkata won the game by eight wickets and clinched their third IPL trophy.

Neha Sharma

Flaunts Her Curves In Black Monokini As She Takes A Cold Plunge

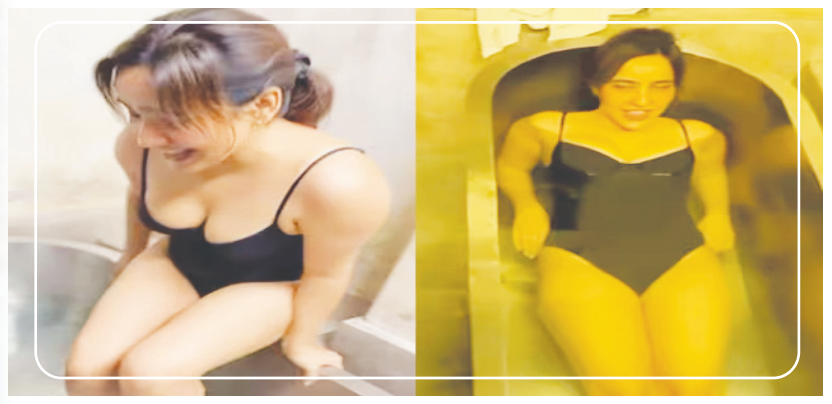

Neha Sharma surely knows how to raise temperatures! The actress, known for her impeccable fashion sense, recently made heads turn in her latest social media post. She looked stunning as she took a cold plunge in a black swimsuit.She captioned her post, "This felt amazing…Thank you for the push guys @siddharth_kotak @aishasharma25 …#icebath #fitnessjourneybegins" Neha looked stunning in her video and left her friends gasping for breath. Check out the hot video here:

Neha turned 36 on November 21. She rang in her birthday with her sister, actress Aisha Sharma, in Dubai. Aisha penned an emotional note for her sister. "Birthday posts are the kind of posts people read on social media to try to decipher a bond. A bond between partners, sisters, friends, whatever it might be. But an Instagram post can never truly help anyone understand what the bond really is, at least not when it comes to my sister and me. It should be done nonetheless, so here it is," Aisha began her post.

"You cannot really know Neha unless you really know Neha. She is as nurturing, empathetic, and sensitive as it gets, and she is someone who knows how to really love, and in my opinion, the quality of how one loves is the greatest quality one can have. Neha loves and nurtures like no one else. A person with a great, indomitable spirit and will. Happy Birthday, Neha," she added.Neha Sharma has appeared in films such as Crook, Tum Bin, Yamla Pagla Deewana 2, Youngistaan, Kyaa Super Kool Hain Hum, and Tanhaji, among others. She was last seen in Jogira Sara Ra Ra alongside Nawazuddin Siddiqui. The film also featured Sanjay Mishra and Mahaakshay Chakraborty in key roles. Neha's younger sister, Aisha Sharma, is also an actress.

Janhvi Kapoor

Says Shift In The Way Audience Consume Cinema 'Forced' Bollywood to 'Recalibrate'

Pandemic has forced people in cinema to recalibrate, says actor Janhvi Kapoor, who believes mid-range movies need more support from producers and audiences. The 27-year-old actor, who features in the upcoming film "Mr & Mrs Mahi", said she craves to play characters that are based on a story."The shift in the way the audience is consuming cinema post the pandemic has forced us to recalibrate a little bit. It is a good time," Janhvi told PTI in an interview.According to the actor, for md-range films to get their due, they need to be incentivised by producers as not all movies need to be tentpole cinema.In the romantic sports drama "Mr & Mrs Mahi", she plays the role of Mahima, a doctor, who becomes a cricketer after her husband Mahendra Rajkummar Rao) spots the cricketing talent in her and encourages her to chase her dream and becomes her coach.

Sharan Sharma, who directed Janhvi in "Gunjan Saxena: The Kargil Girl", is also helming this project. "As actors you crave and itch to do films or tell stories like 'Mr & Mrs Mahi', so I hope people lap it up and enjoy it and we get to make more such films," she said.Asked whether she worries about the box office performance of her movies, Jahnvi said every film eventually finds its audience. "Eventually, what's meant to happen with a film always happens and it might not be what you expect but it will be what a film deserves. Every film has a destiny. Sometimes you don't get what you hope out of a film. I've been in many scenarios where I've put all my eggs in one basket and I'm like, 'With this film, everything will be set'. But sometimes you don't realise what you need out of it," she added.

The actor, who is the daughter of late star Sridevi and producer Boney Kapoor, said she is "fortunate" to have had the opportunity to do great work in Hindi cinema but her effort has always been to do good films and fight the perception that one has about people of her background."If there was any obstacle and resistance it would be things like people's perception and preconceived notions, and the baggage that one attributes with someone who they think comes from a place of privilege.

So, (I'm) encouraging them to unlearn that perception and baggage that they come with. Sometimes, I feel it weighs heavily on the way they see my work," she said.With back-to-back failure of big movies, there is a lot of conversation in the industry about actors' fee and the cost of their entourage. Asked about it, Janhvi said it can be managed by having a dialogue with the talent. "Our priority is to make a good film, the best way that it can be made and if something is proving to be a burden on the producer's head, I'm sure we'll make a concession," she added.I had two injuries which forced me to not do anything for three months so that added to the time. It was an overall process of two years." The actor said it challenging to learn the nuances of the sport, adding she has learnt to play the cover drive, considered one of the most graceful shots playable in cricket, well. At the beginning, it took time, but I felt I was making good progress and was hitting 500 balls a day," she said.

Suniel Shetty Is Redefining Salt And Pepper Trend And We Are Not Complaining

Suniel Shetty has been part of the film industry for decades. It is no surprise that he enjoys a massive fan base. The Dance Deewane 4 judge was recently spotted in the city by the paps. He was seen exiting a building and obliging with a fan's request for a selfie. The little interaction turned amusing when Shetty Shetty noticed their matching outfits.Suniel Shetty noticed the fan was wearing a blue T-shirt that matched his. The actor was dressed in a bright blue solid T-shirt paired with cream trousers. He highlighted his salt-and-pepper beard with sunglasses. Fans flooded the comments section with praises and called him a "gem".

Suniel Shetty is set to join forces with Akshay Kumar and Paresh Rawal in the upcoming film, Welcome to the Jungle. According to a report from the Hindustan Times, Shetty will portray a Don in the movie. A source quoted by the publication revealed, "A magnificent and lavish introduction sequence has been planned by the makers for his character, making it a grand affair."

Known for his iconic comedy roles, Shetty's return to the genre is eagerly anticipated. The actor has already commenced shooting for the project and is enjoying his time on set with his industry friends. Further, the report mentioned that the actor is eager to gauge the audience's response to his character in the film.

Directed by Ahmed Khan and produced by Firoz A. Nadiadwala, this marks the third installment of the beloved Welcome franchise. The film promises a vibrant blend of music, comedy, and adventure. The star-studded cast includes Raveena Tandon, Lara Dutta, Jacqueline Fernandez, Disha Patani, Arshad Warsi, Paresh Rawal, Johnny Lever, Rajpal Yadav, Tusshar Kapoor, Shreyas Talpade and Krushna Abhishek, among others.

This Actress, Who Made Her Bollywood Debut In 2023, Is The Richest In South India

South films have been making quite a mark not just all over India, but across the globe as well. With the release of blockbusters like Prabhas' Baahubali franchise, Thalapathy Vijay and Trisha Krishnan's Leo, Rajinikanth-starrer Jailer and SS Rajamouli's magnum opus starring Ram Charan and Jr NTR's RRR, south films have impressed the global audience. While it is a known fact that these actors demand hefty fees, do you know which actress charges the highest amount in South India?As per reports, Lady Superstar, Nayanthara is one of the highest-paid actresses in South Cinema. She has worked in various industries like Tamil, Telugu and Malayalam. Reports claim that the actress is known to charge Rs 5 to Rs 10 crore for one film, while Samantha Ruth Prabhu demands between Rs 3.5 crore to Rs 4 crore.

In 2023, Nayanthara marked her smashing debut in Bollywood opposite Shah Rukh Khan with Atlee's Jawan. The film emerged to be the highest-collecting film of the year 2023. Reports suggest that the actress charged Rs 11 crore for the action-thriller. Jawan also starred actors like Deepika Padukone, Sanya Malhotra, Priyamani, Riddhi Dogra, Sunil Grover, Vijay Sethupathi and Sanjay Dutt. The film collected about Rs 1,160 crore at the box office. She is an expensive actress and also the richest actress who reportedly has a net worth of around Rs 183 crore.

Speaking of her personal life, Nayanthara was born Diana Mariam Kurien in a Christian family. In 2011 she adopted the Hindu religion. She tied the knot to director Vignesh Shivan in 2022. The couple welcomed twins Uyir and Ulagam through surrogacy in October 2022 and often shared a few glimpses of her family.After Jawan, Nayanthara starred in films like Iraivan and Annapoorani: The Goddess of Food. She is currently gearing up to appear in Mannangatti: Since 1960. The film is written and directed by Dude Vicky. Apart from this, she also has The Test starring Siddharth, Trisha Krishnan and R Madhavan in important roles.